रायपुर। सोमवार, 21 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष दशमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 50/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल एशियन गेम्स से जुड़ी खेल स्पर्धाएं...
@ विचार युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?...
@ व्यापार एफटीए के लागू होने का असर, वित्त वर्ष 27 की...

विश्व केसरी खबर झरोखा

विदेश मंत्री 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 'हाई लेवल सत्र' में रखेंगे भारत का पक्ष



नई दिल्ली। अगले सप्ताह न्यूयॉर्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के हाई लेवल वीक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल होंगे। इसकी आधिकारिक जानकारी रविवार को विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी कर दी। विदेश मंत्रालय की आधिकारिक साइट पर जारी किए गए बयान के अनुसार, विदेश मंत्री (ईएएम) डॉ. एस. जयशंकर, न्यूयॉर्क (यूएसए) में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र के 'हाई लेवल वीक' में शामिल होंगे। वो भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इसमें विदेश मंत्री के संबोधन की तारीख भी कंफर्म की गई है। आगे लिखा है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के 'हाई लेवल सेशन' में विदेश मंत्री का संबोधन 26 सितंबर को होगा। वहीं इस दौरे के दौरान, विदेश मंत्री कई बहुपक्षीय और द्विपक्षीय बैठकों में भी शामिल होंगे।

राजकोट में 108 आपातकालीन टीम की मदद से महिला ने तीन बच्चों को दिया जन्म

राजकोट। गुजरात के राजकोट में एक महिला ने शनिवार रात टंकारा तालुका के रोहिशाला गांव स्थित अपने घर पर एम्बुलेंस पहुंचने से पहले ही एक बच्चे को जन्म दे दिया। इसके बाद 108 सेवा की आपातकालीन चिकित्सा टीम ने शेष दो बच्चों के प्रसव में सहायता की। महिला के गर्भ में तीन बच्चे पल रहे थे। पडधरी 108 टीम को 19 सितंबर को रात 8:48 बजे प्रसव संबंधी आपातकालीन सूचना मिली। ईएमटी जिग्नाशा लुहार और पायलट सुरेशभाई तुरंत रोहिशाला के लिए रवाना हुए। जब एम्बुलेंस मरीज के घर पहुंची, तब तक तीन बच्चों में से पहले बच्चे का जन्म हो चुका था। अभी दो बच्चों का प्रसव कराया जाना बाकी था। ऐसे में लुहार ने अपने प्रशिक्षण का इस्तेमाल करते हुए स्थिति का आकलन किया और उसे संभाला तथा शेष दोनों बच्चों के जन्म में सफलतापूर्वक सहायता की। 108 टीम के अनुसार, तीनों नवजात लड़के थे। आपात स्थिति के दौरान मरीज की हालत और अन्य विवरण फोन पर ईआरसीपी डॉ. जोत्सना के साथ साझा किए गए।



लॉरेंस गैंग की धमकी, ढेबर परिवार से मांगी 50 करोड़ की फिरौती

रायपुर। राजधानी रायपुर में अज्ञात आरोपी ने बिश्नोई गिरोह के नाम पर ढेबर परिवार से 50 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। फोन करने वाले आरोपी ने ढेबर परिवार के एक कर्मचारी को कॉल करके खुद को बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताया। बातचीत में आरोपी ने अनवर ढेबर और एजाज ढेबर का नाम लिया तथा 50 करोड़ रुपये देने की मांग रखी। आरोपी ने रकम न देने की स्थिति में गंभीर परिणाम भुगतने की खुली धमकी दी है। इस सूचना के सामने आते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया और अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी। ढेबर परिवार के कर्मचारी को आए इस फोन में आरोपी ने खुद को बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताया। फोन करने वाले व्यक्ति ने एजाज ढेबर और अनवर ढेबर का नाम लेते हुए 50 करोड़ रुपये देने की मांग की। आरोपी ने रकम न मिलने पर बुरा अंजाम भुगतने की बात कही। कर्मचारी ने कॉल की जानकारी तुरंत परिवार के सदस्यों को दी।

अचानक व्हाइट हाउस लौटे ट्रंप, खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर हमले का अलर्ट

सुरक्षाबलों के लिए अपना सबसे ऊंचा अलर्ट लेवल 'कोड 100' जारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के मुताबिक मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण अमेरिकी दूतावासों ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए अलर्ट जारी किए है।

आईआरआईबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण, लेबनान, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, कतर, इराक, इजरायल, ओमान, सऊदी अरब और तुर्की में मौजूद अमेरिकी दूतावासों ने वहां रहने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए सुरक्षा से जुड़े जरूरी अलर्ट जारी किए हैं।'

आईआरजीसी के एक सैन्य अधिकारी व लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम जोल्फागारी के अनुसार, ईरान ने संभावित खतरे के मद्देनजर अधिकतम अलर्ट जारी कर दिया है। ईरान ने पिछले एक घंटे में आईआरजीसी, सेना और सुरक्षाबलों के लिए अपना सबसे ऊंचा अलर्ट लेवल 'कोड 100' जारी किया है।



जोल्फागारी के अनुसार, ट्रंप अचानक 'कैंप डेविड' के दौरे शनिवार रात व्हाइट हाउस लौट आए। इजरायली राष्ट्रपति नेतन्याहू ने भी अपनी अमेरिका यात्रा सीमित कर दी है और इजरायल लौट रहे हैं। वहीं, इराक में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावास ने एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण सुरक्षा हालात पेचीदा बने हुए हैं और कभी भी स्थिति अचानक बिगड़ सकती है। जो अमेरिकी अभी मिडिल ईस्ट में हैं, उन्हें ज्यादा सतर्क रहना चाहिए और फ्लाइट रद्द होने, एयरस्पेस बंद होने और यात्रा में रुकावट आने जैसी संभावनाओं का ध्यान रखना चाहिए। अमेरिकी दूतावास ने कहा किए ईरान समर्थित हूती समूह ने सऊदी अरब के खिलाफ हमलों में हिस्सा लिया है, जिनमें नागरिक हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया गया है। यह सैन्य संघर्ष बहुत तेजी से बढ़ सकता है।

इस क्षेत्र में आने या यहां से बाहर जाने वाले अमेरिकी नागरिकों को हवाई अड्डों और एयरलाइंस के संचालन से जुड़ी जानकारी पर लगातार नजर रखनी चाहिए। अमेरिकी राजनयिक ठिकानों को निशाना बनाया गया है, जिनमें मध्य पूर्व के बाहर मौजूद ठिकाने भी शामिल हैं। ईरान और उसका समर्थन करने वाले समूह विदेशों में अमेरिका से जुड़े दूसरे हितों या दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अमेरिका और अमेरिकी नागरिकों से जुड़ी जगहों को भी निशाना बना सकते हैं। इनमें अमेरिकी कंपनियां और दूसरी संस्थाएं भी शामिल हैं।

यूक्रेन में जारी रूसी हमले : एफपीवी ड्रोन ने मठ को बनाया निशाना, धर्मगुरु की मौत

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

यूक्रेन के खेरसॉन इलाके में शनिवार रात रूसी एफपीवी ड्रोन ने एक मठ को निशाना बनाया। हमले में एक धर्मगुरु की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। इसके अलावा रूसी हमले खार्किव, सुमी और ओडेसा इलाकों में जरूरी और आम लोगों के इस्तेमाल वाली जगहों पर भी हुए। निप्रो और जापोरिज्जिया इलाकों में रिहायशी इमारतों को निशाना बनाया गया।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हर दिन और हर रात हम रूस के हमलों से अपना बचाव कर रहे हैं। शनिवार रात खेरसॉन क्षेत्र में रूस ने एक मठ पर एफपीवी ड्रोन से हमला किया। दुख की बात है कि इस हमले में मठ से जुड़े एक धर्मगुरु की मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए। उनके परिवार और करीबियों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।'

मालिकों और शेयरधारकों को अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता : सिंघवी

टाटा ग्रुप में विवाद

एजेंसी ■ नई दिल्ली

टाटा संस की लिस्टिंग और एन.चंद्रशेखरन की चेयरमैन के रूप में दोबारा नियुक्ति पर टाटा ग्रुप में विवाद पर टाटा ट्रस्ट्स के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने रविवार को कहा कि कंपनी पर स्वामित्व रखने वाले शेयरहोल्डर के अधिकारों की मूल बात को इस तरह से खत्म नहीं किया जा सकता। मालिक, जो शेयरहोल्डर भी हैं, उनके अधिकारों को कमजोर या खत्म करने से भारत की सैकड़ों-हजारों कंपनियों में कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लेकर गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में सिंघवी ने कहा कि रतन टाटा के साथ मिलकर काम करने, टाटा ग्रुप की विरासत (चाहे वह ट्रस्ट हो या कंपनियां) को बहुत करीब से देखने, दोनों तरफ के मुख्य लोगों को न सिर्फ अच्छी तरह जानने बल्कि उनके साथ बेहतरीन संबंध रखने और दोनों पक्षों के लोगों के लिए मन में सच्चा और गहरा सम्मान होने के कारण, मेरी पहली प्रतिक्रिया निराशा की है।



लेकिन अब में एक पक्ष के वकील के रूप में शामिल हो रहा हूं, तो कहना चाहूंगा कि मालिक और शेयरधारकों के अधिकारों जैसी बुनियादी बात को इस तरह से खत्म नहीं किया जा सकता। शेयरधारक मालिकों के अधिकारों को कमजोर या खत्म करना, कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिहाज से सैकड़ों-हजारों भारतीय कंपनियों के लिए बर्बादी का कारण बन सकता है। सिंघवी ने आगे कहा कि चैरिटी कमिश्नर के अचानक आए किसी रहस्यमयी आदेश से किसी ट्रस्ट के कामकाज को रोकना और फैसले लेने की प्रक्रिया में बाधा डालना—जिसका मतलब है कि ट्रस्ट आगे क्या करना है, इस पर चर्चा के लिए बैठक भी नहीं कर सकता—ट्रस्ट के भीतर लोकतांत्रिक कामकाज को पूरी तरह से नाकाम करने का एक और तरीका है। टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच 100 साल से ज्यादा पुराने और गहरे रिश्ते को तोड़ना, और ऐसा व्यवहार करना मानो दोनों के बीच तलाक हो गया हो—कानूनी या किसी भी अन्य नजरिए से यह अकल्पनीय लगता है।

प्रसिद्ध भागवताचार्य इन्द्रेशजी महाराज की श्रीमद्भागवत कथा आज से

संवाददाता ■ रायपुर

प्रसिद्ध भागवताचार्य एवं युवा आध्यात्मिक वक्ता इन्द्रेशजी महाराज की श्रीमद्भागवत कथा 21 से 27 सितंबर को राजधानी रायपुर के कृषि उपज मंडी ग्राउंड देवेन्द्रनगर में हो रही है। इस सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा की व्यापक तैयारी की गई है कि क्योंकि हजारों की संख्या में श्रद्धालुजन महाराजश्री की कथा का श्रवण करने पहुंचते हैं। महाराजश्री का भी रात्रि में रायपुर आगमन हो गया है। कथा से पूर्व सोमवार 21 सितंबर को सुबह 10 बजे भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली जायेगी जो कि श्रीराम जानकी मंदिर कृषि उपज मंडी के सामने देवेन्द्रनगर से प्रारंभ होकर कथा स्थल पहुंचेगी। सनातन धार्मिक परम्परा के अनुसार कलश यात्रा में शामिल होने वाले सदस्य पीले रंग के परिधान में रहेंगे। प्रथम दिवस व्यास पीठ की स्थापना पश्चात दोपहर 2 बजे से कथा प्रारंभ हो जायेगी और शाम 5 बजे तक का समय रोजाना के लिए निर्धारित है।



भारत-अमेरिका युद्ध अभ्यास में गरजी एम777 तोप

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका की सेनाएं अपनी तोपखाना क्षमता का जोरदार प्रदर्शन कर रही हैं। तोप की मारक क्षमता का यह प्रदर्शन भारत-अमेरिका के संयुक्त युद्धाभ्यास किया जा रहा है। भारत में जारी युद्धाभ्यास में एम777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर से फायरिंग की गई। एम777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर तोपों ने सीधे नजर आ रहे लक्ष्यों को डायरेक्ट फायरिंग पद्धति से निशाना बनाया।

इस बीच भारतीय सेना ने 'हर पल सतर्क। हर समय तैयार।' का अपना संदेश दोहराया है। सेना जय से विजय मिशन पर काम कर रही है। भारतीय सेना के मुताबिक राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज एम777 की तोप टुकड़ियों ने बेहद सटीक निशाना साधा। सभी निर्धारित लक्ष्यों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। इस दौरान जवानों ने अपनी पेशेवर दक्षता, सटीकता और युद्ध के लिए तैयार रहने की क्षमता का प्रदर्शन किया। फायरिंग खत्म होने के बाद अमेरिकी सैन्य दल ने एम777 की तैनाती वाली जगहों का दौरा किया।



अमेरिकी सैनिकों ने भारतीय तोप टुकड़ी के अधिकारियों और जवानों से बातचीत की। इस दौरान दोनों सेनाओं के बीच सैन्य अनुभव और बेहतर युद्धक प्रक्रियाओं को लेकर जानकारी का आदान-प्रदान हुआ। यह अभ्यास दोनों देशों के सैनिकों को बिलकुल युद्ध जैसी परिस्थितियों में अभ्यास का अवसर दे रहा है। दोनों देश अपनी क्षमताओं को परखने के साथ-साथ एक-दूसरे के अनुभवों से सीख रहे हैं। दोनों सेनाओं का यह अभ्यास 16 सितंबर को राजस्थान की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में हुआ था। फायरिंग से कुछ दिन पहले यहां एम-777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर की तैनाती से जुड़ी गतिविधियों व संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का प्रदर्शन किया था। इन गतिविधि के तहत एम-777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर की तैनाती पर व्याख्यान व प्रदर्शन किया गया। इसमें सैन्य कर्मियों की जिम्मेदारियों, तोप की तैनाती की प्रक्रिया और स्थानीय रक्षा के समन्वय से जुड़े पहलुओं को समझाया गया था।

राज्य के 39 शिक्षकों का किया गया सम्मान

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज द्वारा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज द्वारा आज वृंदावन हॉल, सिविल लाईन, रायपुर में राज्य स्तरीय शिक्षकवृंद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संगठन द्वारा देश के भाग्य विधाता शिक्षकों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 10:00 बजे भगवान श्री परशुराम जी एवं माँ शारदे की प्रतिमाओं के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात भारतीय ज्ञान परम्परा एवं गुरु विषय पर व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया, जिसमें आज के परिवेश में शिक्षक और विद्यार्थी के बीच समग्र विकास और आपसी विश्वासपूर्ण माहौल हेतु प्रगाढ़ता के निर्माण पर चर्चा की गई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री अनुज शर्मा जी, विधायक धरसीवां एवं अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में वर्णिका शर्मा , अध्यक्ष, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) उपस्थिति रही।





विलुप्त होती दोरला जनजाति, पोलावरम बांध मिटा देगा पुरी तरह अस्तित्व?

50 हजार की आबादी में 30 हजार से कम बचे



विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। अपनी ही धरती बस्तर में दोरला जनजाति लगातार अल्पसंख्यक होती जा रही है। 15 साल पहले बस्तर संभाग के सुकमा जिले में दोरला जनजाति की आबादी 50 हजार से भी ज्यादा थी, जो अब घट कर 30 हजार से भी नीचे पहुंच गई है। अब तो आंध्रप्रदेश के पोलावरम बांध के कारण इस जनजाति के अस्तित्व पर ही संकट के बादल मंडराने लगे हैं। सरकार ने इस जनजाति के संरक्षण और समुचित पुनर्वास पर जल्द ध्यान नहीं दिया तो दोरला जनजाति का अस्तित्व ही मिट जाएगा।

बता दें कि बस्तर संभाग के सुकमा जिले के कोंटा के सीमावर्ती गांवों में दो दशक पहले दोरला जनजाति के लोगों की आबादी 50 हजार से भी ज्यादा थी। इस जनजाति के लोगों में बस्तरिहा और सीमावर्ती राज्य आंध्रप्रदेश, तेलंगाना एवं उड़ीसा की संस्कृति परंपराओं की गजब तालमेल नजर आती है। 26 सितंबर 2022 को दोरला समुदाय को जनजाति का दर्जा मिला। इसी तिथि को समाज द्वारा अपना स्थापना दिवस मनाया जाता है। आगामी 26 सितंबर को होने वाले स्थापना दिवस की तैयारियों को लेकर शनिवार को कोंटा के गोलापल्ली रोड स्थित ढोंडरा क्रिकेट मैदान पर दोरला समुदाय की सामाजिक बैठक हुई।बैठक में स्थापना दिवस कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा, वित्तीय व्यवस्था, सामाजिक एजेंडे और ग्राम व जोन स्तर की जिम्मेदारियों पर चर्चा हुई। आंध्रप्रदेश में प्रस्तावित पोलावरम परियोजना के बैकवाटर से संभावित रूप से प्रभावित होने वाले कोंटा क्षेत्र के 18 गांवों की समस्याओं को सामने रखने के लिए 18 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल गठित किया गया। सोयम भीमा को प्रतिनिधि मंडल का अध्यक्ष बनाया गया। प्रतिनिधि मंडल प्रभावित गांवों में जमीन, संभावित विस्थापन और समाज से जुड़े मुद्दों पर वहां रह रहे सामाजिक लोगों से मंत्रणा करेगा और विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा।

दूसरों की खुशी के लिए क्यों उजाड़ें हम

समाज के संरक्षक कट्टम सीताराम का कहना है कि दोरला समाज पीढ़ियों से इस क्षेत्र में निवास करता आ रहा है। पोलावरम परियोजना से आंध्रप्रदेश को लाभ होगा, लेकिन प्रभावित होने वाले दोरला समाज को इसका क्या लाभ मिलेगा? उन्होंने सवाल उठाया कि दूसरों की खुशी के लिए हम अपना घर और जमीन क्यों छोड़ें। उन्होंने अंदरूनी क्षेत्रों में जमीन और पट्टे से जुड़े मामलों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पीढ़ियों से निवासरत ग्रामीणों को सीमित भूमि के पट्टे मिले हैं, जबकि शहरी क्षेत्र में रहने वाले कुछ लोगों के नाम अंदरूनी क्षेत्रों में कई हेक्टेयर जमीन के पट्टे होने की बात सामने आती है। उन्होंने ऐसे मामलों की जांच की मांग की।

घटती आबादी पर चिंता

कट्टम सीताराम ने दोरला जनजाति की घटती आबादी पर चिंता जताते हुए कहा कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार सुकमा जिले में दोरला जनजाति की आबादी करीब 50 हजार थी, जबकि सलवा जुडूम के दौरान यह संख्या करीब 30 हजार तक आ गई। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के बाद आबादी 30 हजार से भी कम हो गई है और लगातार घटती जनसंख्या दोरला जनजाति के अस्तित्व को लेकर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पहले से घटती आबादी के बीच पोलावरम बांध में पानी का भंडारण होने के बाद यदि कोंटा क्षेत्र के 18 गांव प्रभावित होते हैं, तो इसका असर दोरला समाज के अस्तित्व पर पड़ सकता है। बैठक में दोरला समाज के जिला अध्यक्ष सोयम नागेश, सोयम भीमा, ब्लॉक अध्यक्ष आस मुकेश, ब्लॉक उपाध्यक्ष मड़कम मुदराज, राजेश्वर बोग्गो, सरियम मुकेश, सेमल नरेश सहित विभिन्न जोन के प्रभारी, पटेल, पुजारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

आलोक शुक्ला के चौथे नाट्य संग्रह 'पतझड़ के फूल और देखोना' का लोकार्पण

विश्व केसरी■



नई दिल्ली । वरिष्ठ रंगकर्मी एवं नाटककार आलोक शुक्ला के चौथे नाट्य संग्रह 'पतझड़ के फूल और देखोना' का लोकार्पण 19 सितंबर की शाम नई दिल्ली स्थित श्री राम सेंटर के सामने संजना बुक्स प्रकाशन के स्टॉल 'साहित्य के पेड़' पर किया गया।

नाट्य संग्रह का लोकार्पण वरिष्ठ नाटककार प्रताप सहगल, नाटककार एवं रंग समीक्षक राजेश कुमार, संगीत नाटक अकादमी के उप सचिव एवं वरिष्ठ रंगकर्मी सुमन कुमार, रंग निर्देशक प्रदीप बाजपेयी, वरिष्ठ लेखिका शशि सहगल, सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता एवं रंगकर्मी श्रीकांत वर्मा, नाटककार अनिल ठाकुर तथा संजना बुक्स प्रकाशन की निदेशिका श्रीमती संजना तिवारी ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी के राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित वरिष्ठ नाटककार प्रताप सहगल ने गंभीर बीमारी से जूझने के बावजूद आलोक शुक्ला द्वारा लगातार लेखन और निर्देशन किए जाने को रेखांकित किया। उन्होंने संग्रह में शामिल दोनों पूर्णकालिक नाटकों के प्रकाशन पर आलोक शुक्ला को शुभकामनाएं दीं। संगीत नाटक अकादमी के उप सचिव एवं वरिष्ठ रंगकर्मी सुमन कुमार ने 'पतझड़ के फूल' और 'देखोना' के लेखन की चर्चा करते हुए हिंदी में लगातार नए नाटकों के लिखे जाने की बात कहते हुए इस धारणा को खारिज किया कि नए नाटक नहीं लिखे जा रहे हैं और रंगकर्मियों से इन नाटकों को मंच पर लाने का आग्रह किया। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी सम्मान से सम्मानित नाटककार एवं रंग समीक्षक राजेश कुमार ने कहा कि हिंदी में नए नाटक लगातार लिखे जा रहे हैं और आलोक शुक्ला का लेखन अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने 'पतझड़ के फूल' की विशेषता बताते हुए कहा कि इसमें बुजुर्ग व्यक्ति के जीवन और उसकी परिस्थितियों को केंद्र में रखते हुए नाटक के दो अलग-अलग अंत दिए गए हैं। किसी लेखक द्वारा निर्देशक को अपनी रंग-दृष्टि के अनुसार नाटक के अंत का चयन करने की स्वतंत्रता देना एक बड़ी बात होती है।

'देखोना' के संदर्भ में राजेश कुमार ने कहा कि जिस तरह किसी दौर के सामाजिक परिवेश को समझने के लिए आज मोहन राकेश के नाटकों को पढ़ा और मंचित किया जाता है, उसी तरह भविष्य में आज से 10-15 वर्ष बाद कोरोना काल के सामाजिक परिवेश और प्रभावों को समझने के लिए आलोक शुक्ला का 'देखोना' महत्वपूर्ण नाट्य दस्तावेज के रूप में पढ़ा और मंचित किया जाएगा। उन्होंने नाट्य संग्रह की गुणवत्तापूर्ण प्रिंटिंग के लिए प्रकाशिका संजना तिवारी को भी बधाई दी।

रंग निर्देशक प्रदीप बाजपेयी, सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता एवं रंगकर्मी श्रीकांत वर्मा, वरिष्ठ रंग अभिनेता विपिन कुमार तथा वरिष्ठ लेखिका शशि सहगल और रांची से आए नाटककार अनिल ठाकुर ने भी आलोक शुक्ला की रंगयात्रा और उनके नाट्य लेखन की सराहना करते हुए उन्हें नाट्य संग्रह के प्रकाशन पर शुभकामनाएं दीं।वहीं प्रसिद्ध रंग निर्देशक अरविंद गौड़ ने फोन पर कुछ कारण नहीं आ पाने की माफ़ी मांगी और नाट्य संग्रह के प्रकाशन की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर नाटककार आलोक शुक्ला ने अपने नाट्य संग्रह के लोकार्पण तथा सभी अतिथियों और रंगकर्मियों से मिली शुभकामनाओं के लिए हाथ जोड़कर सभी का आभार व्यक्त किया।

पश्चिम बंगाल के 4,133 सरकारी स्कूलों में एक भी छात्र नही, (पीपीपी) मॉडल पर विचार

विश्व केसरी■



कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार राज्य के उन 4,133 सरकारी स्कूलों को चलाने के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल अपनाने पर विचार कर रही है, जिनमें एक भी छात्र नहीं है, जबकि वहां शिक्षक तैनात हैं।

राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'इस मामले पर अगले एक महीने में फैसला किया जाएगा। पहले ही ऐसे 4,133 स्कूलों की पहचान की जा चुकी है जिनमें एक भी छात्र नहीं है, जबकि उनसे शिक्षक जुड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति को अनिश्चित काल तक जारी नहीं रखा जा सकता। इसलिए भविष्य में इन स्कूलों का इस्तेमाल कैसे किया जाए, इस पर योजना बनाई जा रही है और इस मामले में इन शिक्षण संस्थानों को पीपीपी मॉडल के तहत चलाना सबसे व्यावहारिक विकल्प लगता है। राज्य के स्कूल शिक्षा सचिव के निर्देश पर जिला मजिस्ट्रेटों ने इस मुद्दे पर काम करना शुरू कर दिया है। विभाग के अधिकारी ने कहा, 'स्कूलों की मौजूदा स्थिति की जांच के लिए जिलास्तर पर एक समिति काम करेगी। समिति स्कूल की इमारतों के बुनियादी ढांचे और लोकेशन सहित कई कारकों की जांच करेगी और उनके इस्तेमाल के तरीकों पर प्रस्ताव भेजेगी।'

उनके अनुसार, इस बात की संभावना बहुत कम है कि ऐसे सभी 4,133 स्कूलों के लिए पीपीपी मॉडल अपनाया जाएगा।

राज्य स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी ने कहा, 'जिन स्कूल की इमारतों में पीपीपी मॉडल लागू नहीं होगा, उनका इस्तेमाल स्वास्थ्य केंद्रों, प्रशिक्षण केंद्रों या किसी अन्य प्रशासनिक उद्देश्य के लिए किया जा सकता है, हालांकि प्राथमिकता यह सुनिश्चित करने की होगी कि ज्यादा से ज्यादा स्कूलों को पीपीपी मॉडल के तहत लाया जाए।

इसके अलावा, जिला मजिस्ट्रेटों के साथ-साथ विभाग की ओर से कोलकाता नगर निगम के कमिश्नर को भी पत्र भेजे गए हैं, ताकि राज्य की राजधानी में उन स्कूलों के भविष्य के बारे में फैसला किया जा सके जिनमें एक भी छात्र नहीं है, जबकि उनसे शिक्षक जुड़े हुए हैं।

उनके अनुसार, ऐसे स्कूलों से जुड़े शिक्षकों का तबादला नजदीकी सरकारी स्कूलों में किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

नासिक से लापता बच्ची तीन दिन बाद सुरक्षित मिली

विश्व केसरी■



नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले से तीन दिन पहले लापता हुई आठ महीने की बच्ची रविवार को सुरक्षित मिल गई। नासिक के नंदगांव तालुका के मन्याद पुलिस चौकी इलाके से 17 सितंबर को गायब हुई बच्ची, पड़ोसी येओला तालुका के वैबोथी गांव के पास लावारिस हालत में मिली। येओला तालुका पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को अपनी कस्टडी में ले लिया। इसके बाद, बच्ची की पहचान उसकी मां और नंदगांव पुलिस ने की और उसे मेडिकल जांच के लिए येओला सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल ले जाया गया। बच्ची के सुरक्षित मिलने से परिवार और पुलिस ने राहत की सांस ली। हालांकि, किन हालात में बच्ची वैबोथी पहुंची, उसे वहां कौन लाया और उसे वहां क्यों छोड़ा गया, यह अभी साफ नहीं है। पुलिस बच्ची के गायब होने और बाद में उसके मिलने से जुड़े हालात का पता लगाने के लिए मामले की जांच कर रही है। दूसरी ओर, ओडिशा में 'महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध' विभाग और राज्य पुलिस ने मिलकर ऑपरेशन चलाया और 101 लापता बच्चों को बचाया। इन बच्चों में 54 लड़के और 47 लड़कियां शामिल थीं।

प्रतिबंधित मेथम्फेटामाइन टैबलेट और हेरोइन जब्त, 5 गिरफ्तार

विश्व केसरी■



ऐजोल/इम्फाल। मिजोरम और मणिपुर में सुरक्षा बलों ने 3.68 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की मेथम्फेटामाइन टैबलेट और हेरोइन जब्त की और पांच नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार नशीले पदार्थों के अवैध परिवहन से संबंधित विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर, असम राइफल्स ने सैतुअल जिले के मिम्बुंग-कावलबेम-गोपा के टी-जंक्शन क्षेत्रों में मिजोरम पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान, संयुक्त टीम ने एक नशीले पदार्थों के तस्कर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 2.285 किलोग्राम मेथम्फेटामाइन की गोलियां बरामद हुईं, जिनकी कीमत लगभग 1.83 करोड़ रुपये है। गिरफ्तार व्यक्ति और बरामद नशीले पदार्थों को आगे की जांच और नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) अधिनियम 1985 के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए नोपा पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

कहानी में अभिव्यक्ति की क्षमता कविता से अधिक होती है- भारद्वाज

विश्व केसरी■



जयपुर। वरिष्ठ साहित्यकार नन्द भारद्वाज ने कहा है कि कहानी में अभिव्यक्ति की क्षमता कविता से अधिक होती है। कहानी संग्रह 'आसमानी लतरें' में कल्पना को विकसित करने का माद्दा अधिक है । इन कहानियों का सूत्र सारगर्भित है जिसे रितु वर्मा ने अपनी रचना प्रक्रिया में बताया है। इनका लेखन परिपक्व है। अपने परिवेश को पात्रों के माध्यम से बनाया है। कहानियों में जीवन की सुंदर अभिव्यक्ति है।भारद्वाज स्पंदन महिला साहित्यिक एवं शैक्षणिक संस्थान के तत्वावधान में राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण संस्थान सभागार में लेखिका रितु सिंह वर्मा के कहानी संग्रह 'आसमानी लतरें' का विमोचन और कृति चर्चा के अवसर अध्यक्षता कर रहे थे । कार्यक्रम का आग़ाज़ वर्षा गुप्ता की सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ। अतिथियों का स्वागत करते हुए स्पंदन अध्यक्ष नीलिमा टिक्कू ने कहा कि रितु के तीन बेहतरीन कविता संग्रह प्रकाशित हुए हैं ।

यह इनका पहला कहानी संग्रह है लेकिन भाषा की परिपक्वता,शिल्प की नवीनता और किस्सागोई की अनूठी कला से संग्रह की कहानियाँ सीधे पाठकों के दिल में उतर जाती हैं । मुख्य अतिथि डॉ. सत्यनारायण ने कहा कि रितु वर्मा की कहानियों में अनुभवों का कोलाज है ।छोटे छोटे अनुभव खण्ड हैं जीवन की कतरनें हैं ।बसंत अचानक आता है बहुत बढ़िया कहानी है ।शर्मिष्ठा कहानी पढ़कर बेबी हालदार याद आ गईं ।इनकी कहानियों में अंत:सूत्र हैं ।वरिष्ठ व्यंग्यकार फारूक आफरीदी ने कहा कि रितुसिंह वर्मा की कहानियाँ आधुनिक बोध,नई सोच , नई उड़ान और नवोन्मेष की कहानियाँ हैं।

लालबाग हादसे पर सुरक्षा ऑडिट जरूरी: शायना एनसी

विश्व केसरी■



मुंबई। मुंबई के लालबाग में एक गणपति पांडाल के पास करंट फैलने से दो लोगों की मौत के मामले पर शिवसेना की प्रवक्ता शायना एनसी ने दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

शायना एनसी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'सुरक्षा ऑडिट और फायर ऑडिट की जरूरत है। हमारी मांग है कि जांच के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। पीड़ित परिवार को न्याय जरूर मिलेगा'

मुंबई में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार के हादसे में तीन लोगों की मौत के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए शायना एनसी ने युवाओं से अपील की है कि वे सड़कों पर सावधानी बरतें। उन्होंने कहा, 'जल्दबाजी में नुकसान ही होता है। मुझे उम्मीद है कि युवा पीढ़ी यह समझेगी कि रेसिंग और तेज गाड़ी चलाने से कभी-कभी जान भी जा सकती है। गाड़ी चलाते समय कृपया सावधानी बरतें। दुर्घटनाएं तो होती ही हैं लेकिन अगर लापरवाही से गाड़ी चलाने की वजह से कोई दुर्घटना होती है, तो उसे निश्चित रूप से टाला जा सकता है।'

आईआईटी बॉम्बे के छात्र की खुदकुशी के मामले पर शायना एनसी ने कहा कि किसी भी बड़े शिक्षण संस्थान में इस तरह की घटना बेहद चिंताजनक है और इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए।

गणेश विसर्जन जुलूस में बवाल, सपा सांसद की गाड़ी पर पथराव, दोनों पक्षों की शिकायत पर एफआईआर

विश्व केसरी■



संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर जिले में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान सपा सांसद लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद के काफिले और जुलूस में शामिल लोगों के बीच हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है।

बखिरा थाना क्षेत्र के अमरडोभा चौराहे पर 18 सितंबर की रात हुए बवाल में सांसद की गाड़ी का शीशा टूट गया। मामले में पुलिस ने सांसद की तहरीर पर जुलूस में शामिल लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, जुलूस में शामिल विशाल कुमार की शिकायत पर सांसद, जिला पंचायत सदस्य विश्वकेतु यादव समेत अन्य लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। घटना के दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों की भूमिका तथा घटनाक्रम से संबंधित वीडियो फुटेज की भी जांच की जा रही है। सांसद लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि 18 सितंबर की रात करीब 10:30 बजे वह अपने सहयोगियों और सुरक्षाकर्मियों के साथ बेलहर कला स्थित अपने आवास की ओर जा रहे थे। अमरडोभा चौराहे के पास गणेश प्रतिमा विसर्जन का जुलूस जा रहा था।

सांसद के मुताबिक, पुलिस की मदद से उनके काफिले के वाहनों को भीड़ से बाहर निकाला जा रहा था। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि इसी दौरान जुलूस में शामिल उपद्रवी लोगों ने सांसद की गाड़ी और काफिले के अन्य वाहनों पर ईंट-पत्थर और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। सांसद ने कहा कि हमले में उनके वाहन क्षतिग्रस्त हुए।

दलितों की एक इंच जमीन भी नहीं लेगी तेलंगाना सरकार: राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी

विश्व केसरी■



हैदराबाद। तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने रविवार को साफ किया कि सरकार दलितों की एक इंच जमीन भी नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि दलितों और आदिवासियों से जमीन छीनना जनता की सरकार की नीति नहीं है।

श्रीनिवास रेड्डी ने भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार दलितों की जमीन की पूरी तरह रक्षा करेगी और उन्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मंत्री ने दलितों से कहा, ''सरकार आपकी एक इंच जमीन भी नहीं लेगी। इस सरकार का आपकी जमीन अधिग्रहीत करने का कोई इरादा नहीं है। आपको अपनी जमीन को लेकर किसी तरह का डर या चिंता नहीं होनी चाहिए। जनता की सरकार आपके साथ खड़ी है।''

मंत्री की यह सफाई उन खबरों के बीच आई है, जिनमें कहा गया है कि राजस्व अधिकारियों ने एर्रावल्ली गांव के 120 दलित किसानों को नोटिस जारी किए हैं। किसानों से अपनी जमीन के मालिकाना हक से जुड़े सभी दस्तावेजों के साथ अधिकारियों के सामने पेश होने को कहा गया है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने पिछले सप्ताह विधानसभा में घोषणा की थी कि सरकार सिद्दीपेट जिले के एर्रावल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के फार्महाउस की जांच कराएगी।

बिहार के बाढ़-सुखाड़ प्रभावितों के लिए 15-15 हजार की मांग

विश्व केसरी■



पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि बिहार इस समय बाढ़ और सुखाड़ की दोहरी मार झेल रहा है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से बाढ़ तथा सूखे से प्रभावित किसानों को तत्काल 15-15 हजार रुपये की सहायता देने और बिहार की स्थिति को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की।

पटना में प्रेस वार्ता के दौरान तेजस्वी यादव ने दावा किया कि राज्य में बाढ़ से 45 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि दूसरी ओर कम बारिश के कारण कई इलाकों में सुखाड़ की स्थिति है। उपलब्ध मौसम आंकड़ों के अनुसार सितंबर के मध्य तक बिहार में सामान्य से करीब 35-36 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी। तेजस्वी ने कहा कि किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं और सरकार को बाढ़ के साथ-साथ सूखे से हुए नुकसान का भी सर्वे कराना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दोनों तरह से प्रभावित लोगों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने केंद्र और राज्य की एनडीए सरकार पर राहत कार्यों को लेकर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक रसोई और राहत शिविरों को पर्याप्त समय तक संचालित नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पानी निकलने के बाद भी प्रभावित परिवारों की परेशानियां समाप्त नहीं होती हैं और उन्हें भोजन, कपड़े, बर्तन तथा अन्य जरूरी सामान की जरूरत होती है।

जम्मू-कश्मीर: सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान कठुआ, सांबा, उधमपुर, डोडा और किश्तवाड़ में हाईअलर्ट

विश्व केसरी■



जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ, सांबा, उधमपुर, डोडा और किश्तवाड़ जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया। रविवार को मजालता के जंगलों में 'ऑपरेशन सोहन' जारी रहा और पूरे इलाके में तलाशी अभियान का दायरा बढ़ाया गया।

जम्मू इलाके के कई हिस्सों, कठुआ और उधमपुर से लेकर डोडा और किश्तवाड़ तक हाईअलर्ट जारी किया गया है। सुरक्षा बल मजालता के जंगलों में हुई मुठभेड़ के बाद बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रहे हैं।

'ऑपरेशन सोहन', 16 सितंबर की रात को बर्तल, सोहन और खुब्बन के घने जंगलों में शुरू हुआ था, तीसरे दिन भी जारी रहा। 17 सितंबर की सुबह हुई मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया था। आशंका है कि एक तीसरा आतंकवादी, जिसके मुठभेड़ में घायल होने की बात कही जा रही है, अभी भी जंगल में छिपा हो सकता है। मुठभेड़ के बाद, सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने पूरे इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान तेज कर दिया है। रिपोर्ट में सुरक्षा सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यह ऑपरेशन इसलिए अहम है क्योंकि यह इलाका घुसपैठ के एक पुराने रास्ते से जुड़ा है, जो कठुआ-सांबा बॉर्डर से मजालता, बसंतगढ़ और रामनगर होते हुए डोडा, भद्रवाह और किश्तवाड़ और आगे दक्षिण कश्मीर तक जाता है।

इसलिए, सुरक्षा इंतजामों को मजालता से आगे भी बढ़ाया गया है, सांबा, कठुआ, उधमपुर, डोडा और किश्तवाड़ के जंगलों और बॉर्डर वाले इलाकों में अलर्ट बढ़ा दिया गया है।

न्यायालय तहसीलदार बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्रमांक /332/क्र. / वा-1/ तह. / 2026 बसना दिनांक 03/09/2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक / आवेदिका संतलाल पटेल पिता / पति विष्णुदास पटेल निवासी ग्राम / नगर गिधली तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक / आवेदिका अपने स्वयं /पुत्र / पुत्री/ माता/ पिता/ दादी मॉ तुलसा बाई का दिनांक 02/10/2014 को स्थान गिधली में जन्म / मृत्यु हुआ है। उक्त जन्म /मृत्यु का पंजीयन नही हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वयं / पुत्र /पुत्री / माता/ पिता/ दादी मॉ तुलस बाई के जन्म /मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार के आक्षेप/ दावा हो अथवा आवेदन पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 22/09/2026 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/09/ 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
बसना

न्यायालय तहसीलदार बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्रमांक / 346 / क्र. / वा-1 / तह./ 2025-26 बसना दिनांक 11/09/2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक / आवेदिक हरिराम साव पिता / पति बिहारी साव निवासी ग्राम / नगर कपसाखुंटा तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक / आवेदिका अपने स्वयं पत्नि रीता साव का दिनांक 11/10/2008 को स्थान कपसाखंटा में जन्म / मृत्यु हुआ है। उक्त जन्म / मृत्यु का पंजीयन नही हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वयं / पुत्र / पुत्री / माता/ पिता/ पत्नि रीता साव के जन्म /मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार के आक्षेप /दावा हो अथवा आवेदन - पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 24/09/2026 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 11/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

तहसीलदार
बसना

पुलिस की 'तीसरी आंख' ड्रोन, जमीन से आसमान तक हो रही निगरानी

सार्वजनिक स्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष नजर

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। गणेश उत्सव एवं आगामी त्यौहारों के मद्देनजर नॉर्थ जोन पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए ड्रोन कैमरे के माध्यम से लगातार हवाई निगरानी की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन दीपमाला कश्यप के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन आदित्य पांडे के पर्यवेक्षण में थाना गुढ़ियारी क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से प्रमुख मार्गों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जा रही है।

ड्रोन कैमरे के माध्यम से क्षेत्र में लोगों की आवाजाही, भीड़ की स्थिति एवं प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था पर ऊपर से नजर रखी जा रही है। किसी भी संभावित स्थिति की समय रहते जानकारी प्राप्त कर आवश्यक पुलिस कार्रवाई एवं सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल प्रभावी किया जा सके, इसके लिए ड्रोन निगरानी को नियमित सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा बनाया गया है।



त्योहारी अवधि में भीड़ प्रबंधन, कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से नॉर्थ जोन पुलिस द्वारा पुलिस बल की सतत पेट्रोलिंग के साथ आधुनिक तकनीक का भी प्रभावी उपयोग किया जा रहा है।

नॉर्थ जोन पुलिस द्वारा गणेश उत्सव एवं आगामी त्यौहारों के दौरान क्षेत्र में सतत निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था की यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी।

बिजली कंपनी में स्टाफ की कमी, 133 गांवों में छाया अंधेरा

5800 उपभोक्ताओं पर एक ही जेई

विश्व केसरी

बेमेतरा/दाढ़ी (अनिल त्रिपाठी)। दाढ़ी विद्युत उप संभाग में बिजली व्यवस्था संभालने के लिए पर्याप्त अधिकारी-कर्मचारी नहीं हैं। उप संभाग के अंतर्गत आने वाले 133 गांवों और हजारों घरेलू, गैर घरेलू व कृषि उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति की जिम्मेदारी महज एक सहायक यंत्री और एक कनिष्ठ यंत्री के भरोसे है। दाढ़ी विद्युत उप संभाग कार्यालय में करीब 5800 उपभोक्ताओं के लिए एकमात्र कनिष्ठ यंत्री पदस्थ है। वहीं तीनों वितरण केंद्रों में भी स्वीकृत जरूरत की तुलना में मैदानी अमले की कमी साफ दिखाई दे रही है।

बारिश, आंधी-तूफान और फसलों के सीजन में बिजली व्यवस्था पर दबाव बढ़ने के बावजूद विभागीय अमले की कमी दूर नहीं की गई है। ऐसे में कहीं लाइन फॉल्ट होने, ट्रांसफार्मर खराब होने या बिजली आपूर्ति बाधित होने पर शिकायतों के निराकरण में समय लगना स्वाभाविक है। बड़ी संख्या में गांव और हजारों उपभोक्ता होने के कारण सीमित कर्मचारियों पर लगातार काम का दबाव बना हुआ है।

दाढ़ी वितरण केंद्र में 52 गांव, लाइनमैन सिर्फ चार - दाढ़ी बिजली वितरण केंद्र के अंतर्गत 5 मुख्यालय और 52 गांव आते हैं। यहां करीब 20 हजार कृषि, घरेलू और गैर घरेलू उपभोक्ता हैं। इतनी बड़ी आबादी और क्षेत्र में बिजली व्यवस्था संभालने के लिए सिर्फ एक नियमित लाइनमैन और तीन संविदा कर्मचारी हैं। यानी कुल चार मैदानी कर्मचारी ही लाइन संबंधी काम संभाल रहे हैं।

किसी गांव में 11 केवी लाइन में खराबी आने, पोल टूटने, तार टूटने या ट्रांसफार्मर में खराबी की स्थिति में यही सीमित अमला मौके पर पहुंचता है। एक साथ अलग-अलग गांवों से शिकायतें आने पर कर्मचारियों के सामने प्राथमिकता तय करने की चुनौती रहती है। कृषि सीजन में सिंचाई के लिए बिजली की मांग बढ़ने पर व्यवस्था पर और दबाव बढ़ जाता है।

कारेसरा में 47 गांवों का जिम्मा दो लाइनमैन पर - कारेसरा बिजली वितरण केंद्र की स्थिति भी स्टाफ के मामले में बेहतर नहीं है। इस केंद्र के अंतर्गत 3 मुख्यालय और 47 गांव आते हैं। यहां करीब 2400 उपभोक्ता हैं। इनकी बिजली व्यवस्था संभालने के लिए केवल दो नियमित लाइनमैन पदस्थ हैं।

47 गांवों में बिजली लाइनों के रखरखाव, फॉल्ट सुधारने और उपभोक्ताओं की शिकायतों का निराकरण करने की जिम्मेदारी दो नियमित कर्मचारियों पर है। क्षेत्र में दूरी अधिक होने से किसी एक गांव में सुधार कार्य चलने पर दूसरे गांव की शिकायत के लिए कर्मचारियों को उपलब्ध होने में समय लग सकता है।

प्रतापपुर में छह कर्मचारी, फिर भी 34 गांवों का भार - प्रतापपुर बिजली वितरण केंद्र में अपेक्षाकृत ज्यादा कर्मचारी हैं। यहां तीन नियमित और तीन संविदा कर्मचारी पदस्थ हैं। इसके अंतर्गत 4 मुख्यालय और 34 गांव आते हैं। करीब 1400 उपभोक्ताओं की बिजली व्यवस्था इसी केंद्र से संचालित होती है।

मुख्यमंत्री साय ने ओडिशा के सीएम मोहन चरण मांझी से की सौजन्य भेंट

छत्तीसगढ़-ओडिशा के आपसी सहयोग, विकास और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ओडिशा प्रवास के दौरान भुवनेश्वर में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री माझी ने साय का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच छत्तीसगढ़ और ओडिशा के आपसी सहयोग, विकास एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।



मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा पड़ोसी राज्य होने के साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से भी एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। दोनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच भी आत्मीय संबंध हैं। विकास और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर दोनों राज्यों के बीच बेहतर समन्वय से नागरिकों को लाभ मिलने के साथ ही पूरे क्षेत्र की प्रगति को भी नई गति मिलेगी।

करंट से झुलसे 3 मजदूर, रायपुर रिफर

विश्व केसरी

दाढ़ी (अनिल त्रिपाठी)। सुबह करीब 10 बजे दाढ़ी तहसील अंतर्गत ग्राम हेमाबंद में बिजली कंपनी की घोर लापरवाही के कारण बड़ा हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक ग्राम हेमाबंद की अटल ज्योति लाइन कुछ दिनों से बंद थी। ग्रामीणों द्वारा दाढ़ी बिजली कंपनी को सूचना देने पर भी मिस्त्री नहीं है कहकर टाल दिया गया। परेशान होकर ग्राम मोहतरा गांव के तीन किसान ईश्वर पटेल, छन्नू चंद्राकर और राधेश्याम चंद्राकर पिता पुत्र स्वयं ष्ठ.ह्र. चढ़ाने के लिए खेत गए। लाइन बंद करवाकर ष्ठ.ह्र. चढ़ाते समय अचानक ट्रांसफार्मर फट गया और तीनों किसान आग से बुरी तरह झुलस गए।

तीनों को तत्काल रायपुर रेफर किया गया है, स्थिति गंभीर बताई जा रही है। ग्राम मोहतरा निवासी किसान रामकुमार पटेल ने बताया कि बिजली समस्या आने पर दाढ़ी केंद्र में सूचना दी जाती है तो फोन रिसीव नहीं करते और फाल्ट भी सुधारा नहीं जाता मजबूरी में किसान स्वयं फसल बचाने के लिए लाइन सुधारने चले जाते हैं।

ग्राम मोहतरा के रामकुमार पटेल का कहना है कि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और रायपुर इलाज के लिए गए की हालत गंभीर बताई जा रही है।



उल्लेखनीय है कि भारतीय किसान संघ द्वारा आये दिन अटल ज्योति लाइन की 24 घंटे सप्लाई एवं मेंटेनेंस के लिए बिजली विभाग को ज्ञापन दिया जाता रहा है, परन्तु विभाग द्वारा कोई गंभीरता नहीं दिखाई जाती।

भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी कस्तूर साहू ने घटना को गंभीर बताते हुए जांच करने की मांग की है प्रस्तुत साहू ने विद्युत कंपनी की उच्च अधिकारियों से मांग करते हुए कहा कि दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों पर FIR दर्ज कर कड़ी कार्रवाई हो, तीनों घायल किसानों के इलाज का पूरा खर्च शासन वहन करे और 10-10 लाख मुआवजा दे एवं ग्राम हेमाबंद सहित पूरे दाढ़ी क्षेत्र की जर्जर अटल ज्योति लाइनों की तत्काल मरम्मत की जाए। इस संबध में विद्युत उप संभाग दाढ़ी के सहायक यंत्री चंद्रकांत साहू ने बताया कि लाइन ट्रिपिंग हुआ था इसी दरमियान कुछ किसानों के द्वारा चार्ज किया गया अचानक लाइट चालू होने के उपरांत तकनीकी खामियों के कारण ट्रांसफार्मर फेल हो गया हल्की छोटे आई है और सभी किसान स्वस्थ हैं।

कंपनी दे रही सालाना 54 लाख फिर भी बदहाल 'हमर लैब'

अफसरों की जेब गर्म या नीयत खराब? शिवसेना ने खोला मोर्चा!

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। गोदावरी माइंस हर साल सीएसआर फंड के तहत पूरे 54 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि पानी की तरह बहा रही है, लेकिन भानुप्रतापपुर के सरकारी अस्पताल की स्थिति देखकर लगता है कि यह पैसा विकास के गड्ढों में नहीं, बल्कि सीधे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है! गाजे-बाजे और वातानुकूलित कमरों के साथ जिस 'हमर लैब' का बड़े-बड़े दावों के साथ फीता काटा गया था, वह आज सफेद हाथी साबित हो रही है। नाम तो है 'हमर लैब', लेकिन गरीब मरीजों को वहां सिर्फ एक ही जवाब मिलता है— 'किट नहीं है, केमिकल खत्म है, बाहर प्राइवेट लैब में करा लो!' अब सवाल यह उठता है कि जब गोदावरी माइंस से हर साल 54 लाख रुपये की राशि मिल रही है, तो आखिर 'हमर लैब' में जांच की दवाइयां और रीएजेंट क्यों गायब हैं? क्या प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग जान-बूझकर सरकारी व्यवस्था को पंगु बनाए हुए हैं ताकि निजी पैथोलॉजी वालों की दुकानें धड़ल्ले से चल सकें।

ऊं गणेश उत्सव समिति पटेल पारा में संस्कृति और परंपरा से जुड़े विविध खेलों का आयोजन

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। नगर के सरदार वल्लभभाई पटेल पारा वार्ड क्रमांक 03 में ओम गणेश उत्सव समिति तत्वावधान में छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा से जुड़ी विविध खेलों का आयोजन किया जा रहा है।



जिसमें मुख्य रूप से कुर्सी दौड़ , फुगड़ी, रस्सी कूद, जलेबी दौड़, केला दौड़ खो खो और कबड्डी जैसे अनेक खेलो का आयोजन किया जायेगा। जिसमें मोहल्ले वासी बड़ी संख्या में भाग ले रहे है, यहां तक कि महिलाओं और बच्चों में जबरदस्त उत्साह के साथ सभी खेलो में भाग ले रहे है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्षद जानकी पटेल, सर्व समाज के जिला अध्यक्ष, पार्षद प्रतिनिधि सोमनाथ पटेल , बजरंग दल प्रमुख पुरुषोत्तम दुबे, सोनल दुबे, मनोज पटेल, चिंटू पटेल, दानेश पटेल, मनीष पटेल, मोहित पटेल, पूरन पटेल, सूरज पटेल, रंजीत पटेल, हुमन देवांगन , गज्जू पटेल, मनोज निर्मलकर सहित सैकड़ों की संख्या में पूरे मोहल्ले के महिला, पुरुष और युवा गण उपस्थित हुऐ। उक्त अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि सोमनाथ पटेल ने कहा कि प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी मोहल्ले के युवाओं के द्वारा छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा से मोहल्ले वासियों को जोड़ने के लिये यह आयोजन किया जा रहा है। आज आधुनिकता के दौर में हमारी परंपरा और संस्कृति से जुड़े हुए खेल विलुप्त होती जा रही है और आज के युवा पीढ़ी और बच्चे मोबाइल के आदि होते जा रहे हैं, जिससे बच्चों में मानसिक और शारीरिक विकास में कमी देखी जा रही है। उस दृष्टि से आज के युवा पीढ़ी और बच्चों को हमारी पारंपरिक खेलों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

अज्ञात वाहन की ठोकर से मवेशी घायल

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। नगर की सड़कों पर बेसहारा घूम रहे मवेशियों के कारण लगातार मंडरा रहे हादसों के खतरे को लेकर मीडिया द्वारा लगातार प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया जा रहा था। इसके बावजूद नगर पंचायत व स्थानीय प्रशासन की नींद नहीं टूटी। प्रशासनिक बेरुखी और अनदेखी का ही नतीजा है कि आखिरकार क्षेत्र में एक के बाद एक बड़ी दुर्घटनाएं घटित हो गईं।



प्राप्त जानकारी के अनुसार, भानुप्रतापपुर के मुख्य चौक पर किसी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने सड़क पर मौजूद मवेशियों को अपनी चपेट में ले लिया और चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त और दर्दनाक थी कि मौके पर ही गायों के चीथड़े उड़ गए। इस वीभत्स हादसे में दो गायों और एक बछड़े की दर्दनाक मौत हो गई।

इसी तरह की एक अन्य भीषण घटना भैंसाकन्हार के पास सामने आई, जहां रेलवे ट्रैक क्रॉस कर रहे मवेशी अचानक ट्रेन की चपेट में आ गए। इस रेल हादसे में 10 गाय-बैलों की कटकर मौके पर ही मौत हो गई।

मोहदी में कोयला यार्ड के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध

समाधान नहीं हुआ तो चरणबद्ध आंदोलन, चक्काजाम की चेतावनी

विश्व केसरी

तिल्दा नेवरा /मोहदी/धरसींवा। ग्राम मोहदी में स्वास्तिक कंपनी द्वारा संचालित खुले कोयला यार्ड से जुड़ी भारी वाहनों की आवाजाही और सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। प्रभावित ग्रामीणों के साथ छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी, धरसींवा खंड के पदाधिकारी एवं सेनानी मौके पर पहुंचे और कंपनी प्रबंधन के समक्ष सड़क एवं आवागमन से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से रखा।

ग्रामीणों का कहना है कि कोयला यार्ड में गतिविधियां बढ़ने के साथ क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही भी बढ़ी है। इसके चलते सड़क पर जगह-जगह गड्ढे, धूल और कीचड़ की समस्या उत्पन्न हो रही है। ग्रामीणों के मुताबिक बदहाल सड़क के कारण रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।



अस्थायी मरम्मत नहीं, चाहिए मजबूत और स्थायी सड़क

संगठन बोला—जनता की समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी- ग्रामीणों ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें विकास या कंपनी के संचालन से आपत्ति नहीं है। उनका कहना है कि कंपनी की गतिविधियों के कारण स्थानीय जनता को लगातार परेशानी न हो और कंपनी प्रबंधन तथा ग्रामीणों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए।

इस दौरान छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पदाधिकारी, सेनानी और बड़ी संख्या में प्रभावित ग्रामीण मौजूद रहे। गोविन्द वर्मा - जिला उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना रायपुर ग्रामीणतारण साहू - जिला मंत्री, छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना रायपुर ग्रामीणराजु साहू - लिकेश साहू- युवराज साहू - अर्जुन देवांगन - टिकेन्द्र देवांगन -महेश साहू - इसके अलावा रामा साहू, कोमल साहू, तामेश साहू, भूपेंद्र निषाद, संजय वर्मा, सतीश वर्मा, डागेश्वर साहू, धनंजय साहू, भूषण साहू, भोला निषाद, कान्हा साहू, भीष्मा साहू, मनोज साहू, लीलाधर वर्मा, सुशील पटेल एवं मोनू साहू सहित संगठन के सेनानी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ऑटो पार्ट्स की कार्यकारिणी गठन प्रिंस सलूजा अध्यक्ष व रोहित देवांगन बने उपाध्यक्ष

विश्व केसरी

पिथौरा (नीशू माटा)। नगर के ऑटो पार्ट्स एवं मैकेनिक संघ की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक स्थानीय स्तर पर संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संघ के नए पदाधिकारियों का चयन एवं आगामी संगठनात्मक कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार करना था। बैठक में उपस्थित सभी वरिष्ठ सदस्यों, व्यापारियों और मैकेनिक साथियों के गहन विचार-विमर्श के पश्चात सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई।



कार्यकारिणी में प्रिंस सलूजा को सर्वसम्मति से संघ का नया अध्यक्ष चुना गया। वहीं रोहित देवांगन को उपाध्यक्ष, गौतम साहू को सचिव, मुकेश सिन्हा व तरुण कुमार को सहसचिव तथा प्रदीप अग्रवाल को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की घोषणा होते ही उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि और हर्षोल्लास के साथ इस निर्णय का स्वागत किया। व्यापारियों और मैकेनिक साथियों के हितों की रक्षा हमारी प्राथमिकता: प्रिंस सलूजा

पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रिंस सलूजा ने संघ के सभी वरिष्ठों एवं साथियों का हृदय से आभार जताया। उन्होंने कहा, 'संघ ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी से उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। मैं हमेशा ऑटो पार्ट्स संघ के सहयोग के लिए तत्पर रहूंगा और संघ के हित में निरंतर कार्य करता रहूंगा।'

उन्होंने आगे कहा कि ऑटो पार्ट्स व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों और वर्कशॉप में काम करने वाले मैकेनिक साथियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाया जाएगा। स्थानीय स्तर पर व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं, प्रशासनिक विषयों और आपसी सहयोग के मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

संपादकीय

अपना रंग बदलते राहुल गांधी

राकेश अचल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सियासत के रंग बदलने से ज्यादा खुद रंग बदल रहे है. छात्रों की गूंज के पांचवें पडाव इंदौर में उनकी टीशर्ट का रंग काला था. वे शायद शोकग्रस्त मद्यप्रदेश में काला रंग ही असरदार मान रहे थे.

मैने राहुल गांधी के छात्रों की गूंज के हर भाषण को सुना है, ठीक वैसे ही जैसे मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर भाषण को सुनता हूँ. इंदौर में सरकार की तमाम अडंगेबाजी के बावजूद अप्रत्याशित भीड थी. मुद्दा भी था लेकिन प्रस्तुति बेहद कमजोर लगी.वे इंदौर मे काली टीशर्ट में थे. वे इससे पहले सफेद, पीली और पिंक टीशर्ट में थे.

राहुल के पिछले चार कार्यक्रम किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहे किंतु वे इंदौर में सत्तारूढ भाजपा और आर एस एस को ज्यादा छेड नहीं सके. सिस्टम पर भाजपा के कब्जे और देश में बढती अंधभक्ति पर राहुल गांधी का हमला मारक नहीं था. आंकडे थे, तस्वीरें थीं लेकिन धार गायब थी.ये धार अचानक कुंद क्यों हुई ये पता करना जरूरी है.

इस समय राहुल गांधी और समूची भाजपा -संघ के बीच जेनजी को आकर्षित करने की होड लगी है. प्रधानमंत्री ने इंदौर के राहुल गांधी के कार्यक्रम के जबाब में युवाओं को 50 हजार नियुक्ति पत्र बांटे. भाजपा अध्यक्ष ने उज्जैन में दीपावली मनाई और संघ सुप्रीमो ने 650 साखामृगों को उज्जैन मे ही राहुल की सभाओं को नाकाम करने का प्रशिक्षण दिया. गोदी मीडिया भी मोदी, भागवत के साथ खडी थी, फिर भी राहुल गांधी का कार्यक्रम विफल नहीं हुआ.

राहुल गांधी या तो थके हैं या अपनी सुरक्षा को लेकर आशंकित हैं शायद इसीलिए इंदौर मे वे पूरी तरह से चार्ज नहीं थे. उनके निशाने पर सिस्टम और उसके ऊपर काबिज नेता तो थे किंतु हमले सतही थे. अमित शाह के बेटे, अडानी -अंबानी और डोभाल की हरकतों के बारे में सब जानते है. वे मप्र की दुर्दशा पर खुलकर नहीं बोले. जहरीली शराब पर नहीं बोले.. वे खुद कम बोले बच्चों से ज्यादा बुलवाया.



इंदौर सभा की सबसे कमजोर प्रस्तुति मंच पर पंतप्रधान की फूहड मिमिक्री थी. बेहतर होता राहुल गांधी ब्रिक्स सम्मेलन पर बोलते. यूपीआई पर नये टैक्स पर बोलते.. अमेरिका की ओर से थोपे गए 100% टैरिफ पर बोलते. ये मुद्दे भी युवाओं के मुद्दे हो सकते थे.

शर्टो का रंग देश की राजनीति को बदल सकता है या नहीं लेकिन एक बात तय है कि देश की सियासत का रंग बदले बिना युवाओं का भविष्य सतरंगा नही हो सकता. प्रधानमंत्री और संघ देश को भगवा रंग में रंगना चाहते हैं. रेलों, इमारतों के रंग बदले जा चुके हैं. नोटों के रंग भी बदले गए हैं. आने वाले दिनों में ये मुहिम थमने वाली नहीं है.

बंगाल से सरकार और सरकारी पार्टी ने चुनाव सिस्टम का रंग बदलने का बिस्मिल्लाह कर दिया है. टीएमसी से उसकी पहचान छीन ली गई है. लेकिन राहुल गांधी ने इस मुद्दे का जिक्र भी शायद नहीं किया. वे इंदौर में अपनी पार्टी के भावी ब्लूप्रिंट के दीदार नहीं करा सके.

गौरतलब ये है कि सरकार ने राहुल गांधी को भयभीत करने के लिए श्रीपेरंबदूर की घटना का हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया. आपको याद होगा कि श्रीपेरंबदूर में राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी की हत्या एक आमसभा में कर दी गई थी. पुलिस ने इस घटना के बहाने इंदौर में राहुल की सभा में भीड को रोकने की कोशिश भी की थी, लेकिन कामयाब नहीं हो सकी. किंतु ये यय है कि सरकार मनोवैज्ञानिक रूप से राहुल गांधी को भयभीत करना चाहती है.

छात्रों की गूंज का अगला पडाव कहाँ होगा मुझे पता नहीं. पर मुझे लगता है कि अब इस कार्यक्रम को रीडिजाइन करने की जरुरत है. इस कार्यक्रम की धार बचाए रखना जरूरी है.कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में छात्रों की गूंज से सरकार की नींद उडा रखी है।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस →

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?



ललित गर्ग

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है- 'शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन।' संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन 'रोजमर्रा के शांति-निर्माताओं' को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है।

दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी।

इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है; क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए।

दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आती; गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे कारणों पर काम करना भी शांति-निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 2026 के संदेश में सह-अस्तित्व-अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं। महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य-अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा-ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उत्तर हिंसा से नहीं, तर्क, संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा।



सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे बढ़कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग-इन सभी को समान महत्व देना होगा। आज दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि किसी देश की सुरक्षा दूसरे देश की असुरक्षा पर स्थायी रूप से आधारित नहीं हो सकती। किसी एक क्षेत्र का युद्ध धीरे-धीरे ऊर्जा, व्यापार, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए शांति अब किसी एक राष्ट्र का विषय नहीं, पूरी मानवता का साझा हित है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम केवल युद्ध समाप्त होने की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने-अपने स्तर पर शांति की संस्कृति विकसित करें। संयुक्त राष्ट्र का 2026 का संदेश भी इसी दिशा में है-शांति सम्मेलन कक्षों में ही नहीं, बल्कि विद्यालयों, मोहल्लों, परिवारों और समाजों में भी निर्मित होती है।

मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है।

विवाह क्यों नहीं करना चाहते आज के युवा?



डॉ. शैलेश शुक्ला

पिछले एक दशक में भारत में विवाह को लेकर जो आंकड़े आए हैं, वे व्यक्तिगत राय नहीं, बल्कि बड़े प्रामाणिक शोधों पर आधारित हैं। पहला बड़ा शोध YouGov-Mint-CPR मिलेनियल सर्वे है, जिसमें बीस से पैंतीस साल के सात हजार तीन सौ अठानवे युवाओं से बात की गई। इस सर्वे ने बताया कि हर चार में से एक युवा विवाह नहीं करना चाहता, उन्नीस प्रतिशत युवा विवाह और संतान दोनों से इनकार करते हैं, और नौ प्रतिशत विवाह चाहते हैं पर संतान नहीं। आय के साथ सीधा संबंध निकला, दस हजार से कम आय वाले परिवारों में चालीस प्रतिशत युवा विवाह से कतराते हैं, जबकि साठ हजार से अधिक आय में यह आंकड़ा बीस प्रतिशत रह जाता है।

दूसरा स्रोत भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की यूथ इन इंडिया रिपोर्ट और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण है। इसके अनुसार कभी विवाह न करने वाले



युवा पुरुषों की संख्या दो हजार ग्यारह में बीस दशमलव आठ प्रतिशत थी, जो दो हजार उन्नीस में छब्बीस दशमलव एक प्रतिशत हो गई। महिलाओं में यह आंकड़ा तेरह दशमलव पांच से बढ़कर उन्नीस दशमलव नौ प्रतिशत हो गया। विवाह की औसत आयु दो हजार पांच-छह में सत्रह दशमलव चार वर्ष थी, जो दो हजार उन्नीस-इक्कीस में उन्नीस दशमलव सात वर्ष हो गई। बारह वर्ष से अधिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं की शादी की उम्र अशिक्षित महिलाओं से साढ़े पांच वर्ष अधिक पाई गई।

तीसरा शोध कॉर्नेल विश्वविद्यालय की समाजशास्त्री प्रोफेसर अलका बसु का है, जो पॉपुलेशन स्टडीज जर्नल में नवंबर दो हजार बाइस में प्रकाशित हुआ। उन्होंने भारतीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण का विश्लेषण कर बताया कि पुरुषों में विवाह में देरी मौज-मस्ती के लिए नहीं, बल्कि बेरोजगारी के कारण है। अब वधू पक्ष केवल डिग्री नहीं, रोजगार वाला वर चाहता है। चौथा साक्ष्य यूनिसेफ के युवा मंच यूवाह और यू-रिपोर्ट का सर्वे है, जिसमें अठारह से उनतीस साल के चौबीस हजार युवाओं ने भाग लिया। पचहत्तर प्रतिशत युवाओं ने कहा कि पढ़ाई के बाद महिलाओं के लिए सबसे जरूरी कदम नौकरी है, विवाह नहीं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष यूएनएफपीए ने तिहत्तर देशों के एक लाख से अधिक युवाओं पर सर्वे कर बताया कि युवा रिश्तों को नकार नहीं रहे, बल्कि आर्थिक सुरक्षा के बाद उन्हें करना चाहते हैं। इन शोधों की पृष्ठभूमि में आज के सवाल को समझना जरूरी है।

विवाह भारतीय समाज में केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि संस्कृति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा का संगम रहा है। पहले विवाह समय पर हो जाना परिपक्वता का प्रमाण था। पर आज युवा विवाह को टाल रहे हैं। इसे विद्रोह कहना आसान है, पर समझना अधिक जरूरी है। पहला कारण आर्थिक है और सबसे कठोर भी। आज स्थिर नौकरी पाना ही सबसे बड़ी चुनौती है। किराया, शिक्षा ऋण, माता-पिता की जिम्मेदारी और भविष्य की अनिश्चितता के बीच विवाह अतिरिक्त वित्तीय बोझ लगता है।

बोध कथा

आदर्श मूर्तिकार



एक आदमी एक निर्माणधीन मंदिर को देखने गया। तभी उन्होंने देखा की एक मूर्तिकार भगवान् की मूर्ति बना रहा हैं। वो उसके पास गए और उसे काम करते देखने लगे। तभी उन्होंने ध्यान दिया की पास में ही हुबहू एक और मूर्ति पड़ी हुई हैं। उन्होंने पूछा 'क्या तुम एक जैसी दो मूर्तियाँ बना रहे हो?' मूर्तिकार अपने काम में मग्न था। उसने बिना अपना सर उठाये ही कहा 'नहीं '। 'तो फिर तुम दो मूर्तियाँ क्यों बना रहे हो?' ' हमें एक ही मूर्ति चाहिए पर पहली मूर्ति बनाते वक़्त थोड़ी ख़राब हो गयी।' वो अभी भी अपना काम कर रहा था।

उस आदमी ने मूर्ति को उठाया और जाचने लगा। पर उसे कोई भी खराबी नजर नहीं आई। 'कहाँ से ख़राब हो गयी हैं ये? यह कहीं सामने लगने वाली है क्या? ' 'नहीं ये तो मंदिर के बाहर 20 फीट ऊँचे खम्बे पर लगाने के लिए बनायीं गयी हैं।' ' अगर ये मूर्ति इतनी ऊपर लगने वाली है तो भला इतनी छोटी सी गलती को कोई कैसे देख लेता। तुम तो पहले वाली मूर्ति को ही रख सकते हो। किसे पता पड़ेगा?' इस बार मूर्तिकार ने उसकी तरफ देखा और मुस्कुरा कर कहा ' मुझे तो पता होगा,और भगवान् को भी पता होगा।

कविता

बदलाव



संगीता दरक माहेश्वरी

बदलाव नियम है
प्रकृति का
मनुष्य स्वभाव भी क्षण-
क्षण
बदलता है
तो परिस्थितियाँ भी बदलती र
हती हैं
कुछ रिश्तें जब नये बनते हैं
जुड़ते हैं आकार लेते हैं
तब भी बदलाव लाते हैं।

कुछ बदलाव नवसृजन की ओर
कदम बढ़ाते हैं
तो कुछ रिश्तों की मिठास को
कम कर जाते हैं।

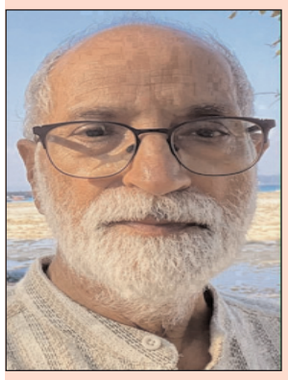
प्रकृति भी परिवर्तन की
परिचायक है
मौसम बदलता है जलवायु बदलती
हैं
और धीरे-धीरे हम उस बदलाव
के
आदि हो जाते है।

फिर वो बदलाव प्रकृति का
हो या इंसानों का
क्यों कि हम समय के साथ
समायोजित हो जाते हैं।।

मनासा म.प्र.

व्यंग्य केसरी

अथ गाथा:राघव-चेतन की



रामेश्वर तिवारी

आर्यावर्त के चक्रवर्ती सम्राट ने अपने दल के पक्ष में अपनी सरकार की उपलब्धियों को लेकर आम चुनाव में दिन-रात जमकर धुआँधार प्रचार किया। बावजूद उसके विरुद्ध राघव-चेतन ने मिलकर 'संविधान बदलने, आरक्षण छीने जाने' को लेकर झूठ का ऐसा विमर्श खड़ा किया कि 'कमल' की संख्या बहुमत के आँकड़े को छू नहीं पाई। वो, तो भला हो मित्र दलों का, जो उन्होंने अपने वादों की बैशाखियों के बल पर सम्राट का साथ और भूतपूर्व होने की पदवी से बचा लिया, वरना मायावियों ने समदर्शी सम्राट को पटकनी देने और उसकी शखसियत को पंचर करने में जरा भी कोर-कसर नहीं छोड़ी थी।

उधर मायावी राघव-चेतन ने चुनावी अखाड़े में सम्राट को पटकनी क्या दे डाली। उनके सिर पर इस कदर पागलपन का नशा हावी हो गया कि उन्होंने दरबार को मछलीघर में बदल दिया। शिव, बुद्ध, ईसा, पैगम्बर, नानक आदि आराध्य देवों और इतिहास पुरुषों को उपहास का पात्र बनाकर रख दिया। यहाँ तक कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम के परम भक्तों, सहिष्णु, उदार मूर्ति पूजकों को हिंसक, हत्यारे और न जाने क्या-क्या अलंकारों से विभूषित किया जाने लगा, पर तमाम आरोपों के बावजूद सम्राट ने अपना आपा और धैर्य को साधे रखा।

उधर राघव-चेतन और उनके चट्टे-बट्टे मदमस्त गजराज की तरह अपनी आधी-अधूरी कामयाबी की बिसात बिछाकर भविष्य के सतरंगी सपनों में खो गए। कदाचित् वे भूल गए थे कि भूतकाल में उनके पूर्वजों ने सत्ता की लालसा में अँधे होकर जिस प्रकार से तुष्टिकरण को बढ़ावा दिया था और देश के माथे पर 'तमस-काल' थोपकर किस कदर निर्दोष जन सेवकों पर जुल्म ढाए थे।

इधर राम राजा की नगरी और अन्य प्रदेशों में मिली अपनी करारी हार को लेकर सम्राट की रातों की नींद हराम हो गई। वह सोच ने लगा कि आखिर उससे ऐसी क्या खता हुई कि 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' और बिना भेद-भाव के सबका शुभ सोचने के बावजूद कमल को क्योंकर बहुमत से कम सीटों पर सिमटना पड़ा। तभी ध्यानावस्था में उसके मस्तिष्क में अचानक बिजली कौंधी, उसकी तीसरी आँख खुली और उसे इलहाम हुआ। देखा कि सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी अपने एक हाथ में 'बटेंगे तो कटेंगे' और दूसरे हाथ में 'एक रहेंगे तो सेफ़ रहेंगे' का अचूक ब्रह्मास्त्र लिए आँखों के समक्ष खड़े हैं।

बस! फिर क्या था। सम्राट और उसके सिपहसालारों ने आगामी चुनावों में ब्रह्मा जी का दिया अकूच ब्रह्मास्त्र ऐसा चलाया कि कुरुक्षेत्र, तो कुरुक्षेत्र, मगध प्रदेश, महाराष्ट्र से लेकर काली प्रदेश तक सारे के सारे विरोधियों को धूल चटा दी। चूँकि देश की आम जनता भलीभाँति समझ चुकी थी कि बाजीगरों द्वारा उनको अनिष्ट का भय दिखाकर बुरी तरह से ठगा गया है। उसका परिणाम यह हुआ कि आजकल बेचारे राघव-चेतन अश्वत्थामा की तरह अपने माथे की मणि खोकर हलकान हुए जा रहे हैं।

इतिहास

21 सितंबर का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह रहा है, जिनमें प्रमुख घटनाएं निम्नलिखित हैं:

ऐतिहासिक घटनाएं1857: भारत के अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर ने अंग्रेजों के सामने आत्मसमर्पण किया था। इससे एक दिन पहले अंग्रेजों ने दिल्ली पर अधिकार कर लिया था।

1949: विलय संधि के बाद मणिपुर भारत गणराज्य का अभिन्न अंग बना था।

1998: अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और मोनिका लेविंस्की के प्रेम प्रसंग से जुड़ा वीडियो टेप जारी किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस: संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 21 सितंबर को दुनिया भर में शांति और अहिंसा को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है।

सकरी में जल संकट: महीनों से खराब बोर-पंप, टैंकर व्यवस्था भी ठप्प

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। नगर निगम के जोन-1 क्षेत्र में जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों का समय पर निराकरण नहीं होने से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है।

सकरी में 4 माह से बोर बंद

सकरी में बोर करीब चार माह से बंद है, जबकि बटालियन रोड पर कन्या स्कूल के पास लगा पंप लगभग छह माह से खराब पड़ा है। वहीं सकरी जोन में जलापूर्ति के लिए उपलब्ध तीन टैंकरों में से दो के खराब रहने से वैकल्पिक व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। बारिश के बीच कुछ इलाकों में गंदे पानी की शिकायतों ने समस्या को और गंभीर कर दिया है।

शांति नगर में चार माह से बंद बोर, 150-200 घर प्रभावित

सकरी के शांति नगर में तालाब के पास लगा बोर करीब चार महीने से खराब बताया जा रहा है। रहवासियों के अनुसार इससे लगभग 150 से 200 घरों की जलापूर्ति प्रभावित हो रही है। लोगों का कहना है कि बोर खराब होने की शिकायत कई बार किए जाने के बावजूद अब तक स्थायी रूप से मरम्मत नहीं कराई गई है।

बटालियन रोड का पंप छह माह से बंद

बटालियन रोड पर कन्या स्कूल के पास लगा पंप भी करीब छह माह से बंद है। लंबे समय से पंप खराब होने के कारण आसपास के



रहवासियों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि इतने लंबे समय तक जलापूर्ति से जुड़ी समस्या का लंबित रहना शिकायत निराकरण व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

तीन में से दो टैंकर खराब, वैकल्पिक व्यवस्था प्रभावित

सकरी जोन में जल संकट की स्थिति में वैकल्पिक जलापूर्ति के लिए तीन टैंकर उपलब्ध हैं, लेकिन इनमें से दो टैंकर अक्सर खराब रहने की शिकायत है। ऐसे में किसी क्षेत्र में बोर या पंप खराब होने पर टैंकर से पानी पहुंचाना भी चुनौती बन जाता है। बताया गया कि एक टैंकर में पंक्चर होने पर पार्षद को अपने स्तर पर उसका पंक्चर बनवाना पड़ा।

देवांगन मोहल्ले का पंप खराब, तीन मोहल्लों में असर

जूना बिलासपुर के देवांगन मोहल्ले में पंप खराब होने से देवांगन मोहल्ला, बनियापारा और केंवट मोहल्ले की जलापूर्ति प्रभावित है। संकरी गलियों के कारण यहां टैंकर पहुंचाना भी आसान नहीं है। ऐसे में खराब पंप की जल्द मरम्मत ही नियमित जलापूर्ति बहाल करने का प्रमुख विकल्प है। रहवासियों के अनुसार शिकायत के चार दिन बाद भी पंप की मरम्मत नहीं हो सकी है।

केंवट मोहल्ले में गंदे पानी की शिकायत, पंप बंद कराना पड़ा

केंवट मोहल्ले में बारिश के दौरान गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायत भी सामने आई। शिकायत मिलने के बाद संबंधित पंप को बंद कर दिया गया, लेकिन रहवासियों का कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान अभी नहीं हुआ है। पंप बंद किए जाने से नियमित जलापूर्ति भी प्रभावित हो रही है।

पानी के साथ सफाई व्यवस्था भी सवालों के घेरे में

जोन-1 में जलापूर्ति के साथ सफाई व्यवस्था को लेकर भी रहवासियों और पार्षदों की शिकायतें हैं। आरोप है कि कई इलाकों में कचरा कलेक्शन वाहन नियमित नहीं पहुंच रहा और दो दिन में एक बार कचरा उठाया जा रहा है। सड़कों पर झाड़ू लगने के बाद भी कई स्थानों पर कचरा पड़ा रहने की शिकायत है। पार्षदों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। नियमित निरीक्षण और शिकायतों की मॉनिटरिंग नहीं होने से छोटी समस्याएं भी लंबे समय तक लंबित हो जाती हैं।

सात दिन में शिकायतों के निराकरण के निर्देश

मेयर पूजा विधानी ने कहा - सभी जोन कमिश्नरों को लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से पानी से संबंधित शिकायतों का शासन के निर्देशानुसार सात दिन के भीतर निराकरण किया जाना है। निर्धारित अवधि में समस्या का समाधान नहीं होने पर संबंधित जोन कमिश्नर की जिम्मेदारी तय की जाएगी। अब सवाल यह है कि महीनों से बंद पड़े बोर और पंप तथा खराब टैंकरों की समस्या कब तक दूर होती है और प्रभावित क्षेत्रों में नियमित जलापूर्ति कब बहाल होती है।

महानदी का जलस्तर कम होते ही रेत तस्कर सक्रिय

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महानदी का जलस्तर कम होते ही एक बार फिर रेत के अवैध उत्खनन का खेल शुरू होने की बात सामने आ रही है। महानदी के विभिन्न हिस्सों से कथित रूप से बड़े पैमाने पर रेत निकाली जा रही है और रेत से भरे ट्रैक्टर लगातार सड़कों पर दौड़ते नजर आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि महानदी का जलस्तर कम होते ही रेत माफिया सक्रिय हो जाते हैं और नदी के सीने को छलनी कर रेत निकालने का सिलसिला शुरू कर देते हैं। आरोप है कि रोजाना बड़ी संख्या में ट्रैक्टरों के जरिए रेत का परिवहन किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है।

प्रशासन की नाक के नीचे से हो रही ढुलाई

स्थानीय लोगों के मुताबिक रेत से लदे ट्रैक्टर खुलेआम आवाजाही कर रहे हैं। इसके बावजूद अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी रोक नहीं लग पाने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का आरोप है कि यदि नियमित निगरानी और कार्रवाई हो



तो इस तरह बड़े पैमाने पर रेत का परिवहन संभव नहीं है।

महानदी के पर्यावरण पर भी असर की आशंका

लगातार रेत निकाले जाने से महानदी के प्राकृतिक स्वरूप और नदी के तटीय क्षेत्र पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने नदी क्षेत्र में अवैध उत्खनन की जांच कराने और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कार्रवाई का इंतजार

रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को केवल शिकायतों का इंतजार करने के बजाय महानदी क्षेत्र में नियमित निगरानी और जांच अभियान चलाना चाहिए। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और महानदी से हो रहे कथित अवैध रेत उत्खनन पर कब तक कार्रवाई करता है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल का वेंकटलाल अग्रवाल के निवास पर हुआ भव्य स्वागत

विश्व केसरी■

करगी रोड कोटा (अमित मिश्रा)। बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल दो दिवसीय प्रवास पर बिलासपुर जिले पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कोरबा, बिलासपुर, बिल्हा, जांजगीर-चांपा, खरसिया एवं रायगढ़ में आयोजित विभिन्न निजी, सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में शिरकत की।

सांसद अग्रवाल ने श्रीमद्भागवत कथा सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होकर आयोजकों एवं क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान आशुतोष साहू, सूरज साहू, चंद्रकांत अग्रवाल, मनीष कौशिक, विनय गुप्ता एवं आशु गुप्ता सहित अनेक लोगों ने उनसे मुलाकात की। इसी कड़ी में सांसद बृजमोहन अग्रवाल का काफिला करगी रोड कोटा पहुंचा। यहां भाजपा के वरिष्ठ



नेता एवं पार्षद वेंकटलाल अग्रवाल के निजी निवास पर उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। वेंकटलाल अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी रेखा अग्रवाल ने सांसद का शाल, श्रीफल एवं पुष्पमाला से स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद अग्रवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं से सौजन्य मुलाकात कर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय रहने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। स्वागत कार्यक्रम में भाजपा नेता अजय अग्रवाल, सरोज दुर्गेश साहू, घनश्याम दीक्षित, रितेश पांडे, कमलजीत अजमानी, संजू पार्षद, कमल आहूजा, मीना यादव, अनिल साहू, पार्षद लखन साहू, पूर्व पार्षद विकास सिंह ठाकुर, द्वारकेश पांडे, नरेंद्र कछुआ, राजेंद्र शर्मा, कोमल पालके, पार्षद विमल गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि दुर्गेश साहू, अंकित अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवरी, देवरघटा होते हुए भुईगांव तक सड़क बदहाल, लोग हलाकान, परेशान

विश्व केसरी■

देवरी (नीरज शर्मा)। देवरी , देवरघटा होते हुए भुईगांव तक सड़क की बदहाली ने राहगीरों और ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क पर जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढे अब हादसों को खुला न्योता देते नजर आ रहे हैं। स्थिति ऐसी हो गई है कि यह कहना मुश्किल है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों के बीच कहीं सड़क बची हुई है।

इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीण, स्कूली बच्चे, कर्मचारी, किसान और अन्य राहगीर आवागमन करते हैं। लेकिन सड़क की जर्जर हालत के कारण लोगों को हर दिन परेशानी के साथ सफर करना पड़ रहा है। बड़े-बड़े गड्ढों से बचने के चक्कर में वाहन चालकों को बार-बार दिशा बदलनी पड़ती है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है।



गर्मी में धूल, बारिश में पानी और कीचड़

सड़क की बदहाली का असर मौसम बदलने के साथ और बढ़ जाता है। गर्मी के दिनों में वाहनों के गुजरने से उड़ने वाली धूल लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती है, तो बारिश के दिनों में यही गड्ढे पानी और कीचड़ से भर जाते हैं। पानी से भरे गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लगने के कारण दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा और बढ़ जाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की हालत खराब है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। सड़क की स्थिति लगातार खराब होने से वाहनों को भी नुकसान पहुंच रहा है और राहगीरों का समय तथा पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है।

हादसे के बाद जागेगा प्रशासन ?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जिम्मेदार विभाग इस मार्ग की सुध कब लेगा? क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही सड़क की मरम्मत शुरू होगी? ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की तत्काल मरम्मत कराकर बड़े गड्ढों को भरना और मार्ग को आवागमन योग्य बनाना बेहद जरूरी है।

देवरी से देवरघटा होते हुए भुईगांव तक सड़क की हालत अब केवल असुविधा का विषय नहीं रह गई है, बल्कि यह लोगों की रोजमर्रा की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन चुकी है। ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों से सड़क का तत्काल निरीक्षण कराकर आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की है।

अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग कब तक कागजी कार्रवाई से बाहर निकलकर सड़क पर उतरता है और कब ग्रामीणों को इस बदहाल मार्ग से राहत मिलती है।

भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना बाद नदी-तालाबों में प्रतिमा का विसर्जन

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। शिल्पकारों और श्रम कार्य से जुड़े लोगों के आराध्य देवता भगवान विश्वकर्मा की जयंती चांपा सहित पूरे अंचल में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। लोहारपारा चांपा स्थित गोल्ड पैलेस में सुप्रसिद्ध स्वर्ण कारीगर सुशांत चौधरी एवं श्रीमती मीरा चौधरी ने भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना कराई। आचार्य पंडित पद्मेश शर्मा ने मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा संपन्न कराई। पूजा के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

भगवान विश्वकर्मा को समर्पित है 17 सितंबर -हर वर्ष 17



सितंबर को राष्ट्रीय स्तर पर देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई जाती है। यह दिन सृष्टि के महान शिल्पकार और निर्माण कला के जनक भगवान विश्वकर्मा को समर्पित है। धार्मिक ग्रंथों में उन्हें देवी-देवताओं के महलों, अस्त्र-शस्त्रों, रथों और विभिन्न दिव्य निर्माणों का रचयिता बताया गया है।

वेदों में भी यंत्रों और निर्माण कला से संबंधित उल्लेख मिलता है। भगवान विश्वकर्मा ने मानव कल्याण के लिए शिल्प, जलयान, नौका, रथ, विमान, आभूषण और विभिन्न यंत्रों का निर्माण किया। इसी कारण विश्वकर्मा जयंती को भारतीय श्रम और तकनीकी कौशल के सम्मान का पर्व भी माना जाता है।

एसडीएम के बेदखली आदेश के बाद भी कब्जा बरकरार

विश्व केसरी■

बिर्रा (नीरज शर्मा)। एसडीएम न्यायालय से बेदखली का आदेश जारी होने के करीब डेढ़ वर्ष बाद भी संबंधित भूमि पर कब्जे की स्थिति बरकरार रहने का मामला सामने आया है। इससे प्रशासनिक कार्रवाई और न्यायालयीन आदेश के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। खास बात यह है कि हाल ही में राजस्व अमले द्वारा मौके पर की गई जांच के दौरान तैयार पंचनामा में चालू नक्शे और वर्तमान राजस्व अभिलेखों के बीच अंतर भी सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) चांपा के न्यायालय में राजस्व प्रकरण में 13 दिसंबर 2024 को आदेश पारित किया गया था। आदेश के तहत अनावेदिका गीता बाई वैष्णव पति स्व. प्रेमदास वैष्णव को खसरा नंबर 2098/12 में पट्टे से प्राप्त 0.02 एकड़ भूमि को छोड़कर शेष अतिरिक्त भूमि से बेदखल किए जाने का निर्देश दिया गया था।

इसके बाद तहसीलदार बम्हनीडीह के ज्ञापन क्रमांक 996/ए तह.वा./2026, दिनांक 1 सितंबर के पालन में राजस्व अमला 9



सितंबर को मौके पर पहुंचा। राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी द्वारा मौके की स्थिति का निरीक्षण कर संयुक्त पंचनामा तैयार किया गया।

चालू नक्शे और राजस्व अभिलेख में अंतर -मौके पर जांच के दौरान एक महत्वपूर्ण विसंगति सामने आई। पंचनामा के अनुसार, चालू नक्शे में खसरा नंबर 2098 केवल दो भागों 2098/1 एवं 2098/2 में दर्शाया गया है, जबकि वर्तमान राजस्व अभिलेखों में यही खसरा नंबर 14 बटांकों में विभाजित दर्ज है। इस अंतर ने पूरे मामले की राजस्व स्थिति को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

जांच के दौरान यह भी उल्लेखित किया गया कि संबंधित भूमि खसरा नंबर 2098, सड़क की भूमि खसरा नंबर 2207 के पश्चिम दिशा में स्थित है। चालू नक्शे के अनुसार सड़क के मध्य से दोनों ओर 20-20 मीटर, यानी कुल 40 मीटर चौड़ाई का सीमांकन किए जाने पर वर्तमान कब्जे वाली स्थिति में गीता बाई वैष्णव का कब्जा सड़क भूमि खसरा नंबर 2207 के आंशिक हिस्से तक पाया गया।

जबकि उपलब्ध राजस्व अभिलेख के अनुसार गीता बाई वैष्णव के नाम पर दर्ज भूमि खसरा नंबर 2098/12 में है। ऐसे में सड़क भूमि तक कब्जे की स्थिति सामने आने के बाद भी अब तक बेदखली की कार्रवाई नहीं होने को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

मौके पर दोनों पक्ष मौजूद, फिर भी कार्रवाई का इंतजार - मौके पर की गई कार्रवाई के दौरान आवेदक बनवारी लाल कश्यप पिता स्व. अंतराम कश्यप तथा अनावेदिका गीता बाई वैष्णव दोनों उपस्थित थे। राजस्व निरीक्षक और पटवारी ने संयुक्त रूप से पंचनामा तैयार किया। इसके बावजूद मौके पर सामने आई स्थिति और पूर्व में पारित बेदखली आदेश के बाद अब तक कार्रवाई आगे नहीं बढ़ने से आवेदक को कथित तौर पर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब एसडीएम न्यायालय द्वारा वर्ष 2024 में बेदखली का आदेश पारित किया जा चुका था और सितंबर 2026 में मौके पर राजस्व अमले की जांच में भी कब्जे एवं नक्शे-अभिलेख की विसंगतियां दर्ज हुई हैं, तो बेदखली आदेश के पालन में देरी क्यों हो रही है?

सबसे अहम—एसडीएम न्यायालय के आदेश का आखिर कब तक पालन होगा ?

फिलहाल ग्रामीणों और आवेदक की नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहता है या मौके की स्थिति के आधार पर नियमानुसार ठोस कार्रवाई भी करता है।

लीनेस क्लब सक्ती में तीज मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। ऑल इंडिया लीनेस क्लब्स डिस्ट्रिक्ट सी.जी.-1 'स्वर्णिम सक्ती' की आधिकारिक यात्रा और तीज मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर पत्रकार दैनिक हरिभूमि जिला ब्यूरो रामनरेश यादव, दैनिक दबंग दुनिया जिला ब्यूरो शम्सतमरेज खान एवं पत्रकार बजरंग अग्रवाल को लिनेस क्लब की ओर से श्रीफल एवं मोमेंटो, स्मृति चिन्ह, देकर,सम्मानित किया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चार्टर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट लीनेस रश्मि अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि डिस्ट्रिक्ट चीफ एडवाइजर लीनेस शबाना नाज़ रहीं।



सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ स्वागत

कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के तैल चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन, लीनेस प्रार्थना और मंत्रोच्चार के साथ हुई। क्लब की चार्टर अध्यक्ष लीनेस शहनाज़ बानो, सचिव लीनेस निकहत करीम मलिक और कोषाध्यक्ष व माइक्रो चेयरपर्सन लीनेस प्रिया दुबे ने अतिथियों को चुनरी, श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान जूनियर पी.एस.टी. द्वारा स्वागत गीत और लीनेस विनीता जायसवाल द्वारा ईश आराधना नृत्य प्रस्तुत किया गया। ध्वजवंदना लीनेस विजया जायसवाल ने की, जिसके बाद राष्ट्रगान और विश्व शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

सेवा कार्यों और प्रशासनिक गतिविधियों की सराहना- ?अध्यक्षीय उद्बोधन के बाद, सचिव निकहत करीम मलिक ने सचिव प्रतिवेदन और कोषाध्यक्ष प्रिया दुबे ने वित्तीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। पूर्व अध्यक्ष लीनेस अल्का कंवर ने अपने कार्यकाल की यादें साझा करते हुए क्लब के कार्यों की सराहना की। डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ. शालू पाहवा ने बताया कि क्लब द्वारा डिस्ट्रिक्ट के सभी प्रोजेक्ट्स के अनुसार बेहतरीन गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

डिस्ट्रिक्ट चीफ एडवाइजर लीनेस शबाना नाज़ ने सक्ती क्लब के कार्यों की प्रशंसा करते हुए सदस्यों को भविष्य में भी ऐसे ही उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रमुख आकर्षण और सम्मान समारोह- सांस्कृतिक रंग: प्रभा, पूनम और कलेश्वरी द्वारा प्रस्तुत शानदार छत्तीसगढ़ी नृत्य ने पूरे सदन का मन मोह लिया। निरीक्षण व सेवा कार्य: डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट ने क्लब के स्क्रैप बुक, सचिव व कोषाध्यक्ष के रजिस्टरों का अवलोकन किया और प्रशासनिक कार्यों की जमकर सराहना की। अतिथियों ने नारायण सागर तालाब में क्लब द्वारा लगाए गए बैंचों का अवलोकन भी किया।

ऑटो चालकों को मिला स्टीकर, यात्रियों की बढ़ेगी सुरक्षा: प्रफुल्ल ठाकुर

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। आत्मानंद स्कूल परिसर में शक्ति जिले में संचालित ऑटो चालकों का पुलिस पंजीयन का कार्यक्रम रखा गया था समस्त ऑटो पर ऑटो का नंबर, चालक का नाम, उसका मोबाइल नंबर तथा आपात स्थिति के लिए शक्ति पुलिस कंट्रोल रूम का नंबर लिखा एक स्टीकर लगाया गया ताकि यात्री ऑटो में सवार होने से पहले या उतरने के बाद स्टिकर का अपने मोबाइल से स्क्रीनशॉट ले सके जिससे भूलवश ऑटो में यात्री का कोई सामान छूट जाए तो वह अनावश्यक परेशान ना हो और सीधे ऑटो चालक से बात कर सके।

ऑटो चालक पंजीयन कार्यक्रम का शुभारंभ आत्मानंद स्कूल में जिले के पुलिस अधीक्षक श्री प्रफुल्ल ठाकुर एवं सीईओ वासु जैन (IAS) द्वारा किया गया पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि इस सुविधा का सबसे ज्यादा लाभ महिला यात्रियों



को मिलेगा ऑटो में लगे स्टिकर का स्क्रीनशॉट लेकर अपने परिजनों को भेज सकती है तथा महिला के मन में सुरक्षा का भाव जागृत होगा तथा वह दिन हो या रात किसी भी समय बेफिक्र यात्रा कर सकती है, कार्यक्रम मे उपस्थित जिला शक्ति के सीईओ श्री वासु जैन (ढ्ढस्) ने बाहर से आने वाले यात्रियों तथा शक्ति की आम जनता विशेष कर महिलाओं से अपील की है कि इस स्टिकर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं।

एफटीए के लागू होने का असर, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में भारत के निर्यात में आई तेजी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाले साझेदार देशों को भारत के निर्यात में तेज बढ़ोतरी हुई है। सिंगापुर और श्रीलंका को निर्यात दोगुने से अधिक बढ़ा है, जबकि आसियान देशों को निर्यात में 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि व्यापार समझौते वास्तव में परिणाम देने लगे हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।



तंजानिया के समाचार पत्र 'द गार्जियन' में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, आंकड़े बताते हैं कि भारत का बढ़ता व्यापार समझौतों का नेटवर्क अब बातचीत के जरिए मिले बाजार पहुंच के लाभ को वास्तविक निर्यात वृद्धि में तेजी से बदल रहा है।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात अब तक के सर्वोच्च स्तर 863.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जिसमें 441.8 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात और 421.3 अरब डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एफटीए साझेदार देशों के ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारत केवल अपने निर्यात की मात्रा नहीं बढ़ा रहा है, बल्कि बाजार में अपनी मौजूदगी का विस्तार करने के लिए तरजीही व्यापार व्यवस्थाओं का भी तेजी से इस्तेमाल कर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून 2026 के दौरान सिंगापुर को भारत का निर्यात सालाना आधार पर 101.2 प्रतिशत बढ़कर 6.52 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 3.24 अरब डॉलर था। श्रीलंका को निर्यात में इससे भी अधिक वृद्धि दर्ज की गई। यह 123.8 प्रतिशत बढ़कर 2.35 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.05 अरब डॉलर था। आसियान क्षेत्र में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत का निर्यात 61.6 प्रतिशत बढ़कर 14.61 अरब डॉलर हो गया, जबकि अप्रैल-जून 2025 के दौरान यह 9.04 अरब डॉलर था। मलेशिया को निर्यात 75.2 प्रतिशत बढ़कर 2.54 अरब डॉलर हो गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया को निर्यात 25.2 प्रतिशत बढ़कर 2.68 अरब डॉलर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया को निर्यात 22.6 प्रतिशत बढ़कर 1.95 अरब डॉलर और जापान को 22.4 प्रतिशत बढ़कर 1.75 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह, ओमान को निर्यात 26.4 प्रतिशत बढ़कर 1.39 अरब डॉलर, जबकि नेपाल को निर्यात 18.1 प्रतिशत बढ़कर 2.28 अरब डॉलर हो गया। भूटान और थाईलैंड को निर्यात में भी क्रमश: 16.1 प्रतिशत और 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। नई दिल्ली द्वारा हाल में किए गए व्यापार समझौतों में भारत-यूएई सीईपीए, भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए, भारत-ईएफटीए टीईपीए, भारत-ओमान सीईपीए और भारत-यूके सीईटीए शामिल हैं।

भारत के युवा इंजीनियरों को एकेडमिक सीमाओं से आगे बढ़ना होगा : विजय कुमार सिंह

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। मिजोरम के गवर्नर जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने इंजीनियरों की अगली पीढ़ी से अलग-अलग विषयों को मिलाकर सोचने (इंटरडिसिप्लिनरी सोच) की अपील की है।

उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य का तकनीकी नेतृत्व उन इंजीनियरों पर निर्भर करेगा जो पारंपरिक एकेडमिक और प्रोफेशनल सीमाओं से हटकर काम कर सकते हैं।

राज्यपाल ने इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) (आईईआई) द्वारा आयोजित 18वें आईईआई इंडस्ट्री एक्सीलेंस समिट एंड अवार्ड्स 2026 को संबोधित करते हुए भारत के विकास में इंजीनियरिंग की अहम भूमिका पर जोर दिया और युवा प्रोफेशनल्स से उस विरासत को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। यह समिट 'इंजीनियरिंग इंडियाज ग्लोबल फुटप्रिंट: टेक्नोलॉजी, टैलेंट एंड ट्रस्ट' (भारत की ग्लोबल पहचान बनाना: टेक्नोलॉजी, टैलेंट और भरोसा) थीम पर आयोजित की गई थी।

जनरल विजय कुमार ने कहा कि भारत की इंजीनियरिंग उपलब्धियां कई क्षेत्रों में फैली हुई हैं, जिनमें बांध, स्टील प्लांट, हाईवे, मेट्रो नेटवर्क, रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम, टेलीकम्युनिकेशन, स्पेस प्रोग्राम, स्वदेशी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि भारत ने पहले ही कई अहम उपलब्धियां हासिल कर ली हैं लेकिन देश के विकास के अगले चरण को आकार देने की जिम्मेदारी आज के इंजीनियरिंग टैलेंट पर है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग के अलग-अलग विषयों के बीच की सीमाएं तेजी से खत्म हो रही हैं। उन्होंने बताया कि सिविल इंजीनियरों को अब ज्योग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), सेंसर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाइमेट मॉडलिंग जैसी टेक्नोलॉजी में महारत हासिल करने की जरूरत है जबकि मैकेनिकल इंजीनियर रोबोटिक्स और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग की ओर बढ़ रहे हैं। इसी तरह, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर एनर्जी स्टोरेज और स्मार्ट-ग्रिड टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं और सॉफ्टवेयर इंजीनियर हार्डवेयर सिस्टम, साइबर सिक्योरिटी और फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर से तेजी से जुड़ रहे हैं।

ईरान-अमेरिका तनाव, कच्चा तेल, टैरिफ और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होगा। अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की कीमत, अमेरिकी टैरिफ, बॉन्ड यील्ड और घरेलू आर्थिक आंकड़े बाजार की चाल निर्धारित करेंगे। मध्यपूर्व में अमेरिका-ईरान तनाव पर आने वाले समय में निवेशकों की निगाहें रहेंगी। इसमें आने वाले किसी भी अपडेट का सीधे बाजार पर असर हो सकता है।



अमेरिका में टैरिफ से जुड़े घटनाक्रम पर भी निवेशकों का फोकस रहेगा। अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाला एक बिल मंजूर किया है। इस बिल से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उन देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा जो रूस से तेल और गैस खरीदते हैं। इस कदम का असर भारत और चीन जैसे बड़े आयातकों पर पड़ सकता है और इससे ग्लोबल ट्रेड और एनर्जी सप्लाई पर भी असर पड़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें बाजार में उतार-चढ़ाव की एक और बड़ी वजह बनी रह सकती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश पर भी करीबी नजर रहेगी। 18 सितंबर को एफआईआई कैश मार्केट में नेट खरीदार रहे। उन्होंने 599.54 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की। घरेलू संस्थागत निवेशक भी नेट खरीदार रहे और उन्होंने 1,019.69 करोड़ रुपए की शुद्ध निवेश किया।

रुपए और डॉलर की चाल से इक्विटी मार्केट में उतार-चढ़ाव और बढ़ सकता है। इसके अलावा, पीएमआई और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेटा जैसे मासिक घरेलू डेटा भी अगले हफ्ते जारी होंगे, जिनका असर बाजार पर दिख सकता है। भारतीय शेयर बाजार ने बीता हफ्ता कमजोर स्तर पर खत्म किया। ऊर्जा की ऊंची लागत से महंगाई बढ़ने की आशंका और आर्थिक विकास पर इसके संभावित असर को लेकर चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस दौरान सेंसेक्स 0.65 प्रतिशत गिरकर 74,294.46 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 0.22 प्रतिशत गिरकर 23,346.40 पर बंद हुआ।

कोयला गैसीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर्स में तेजी से विस्तार कर रही कोल इंडिया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) पारंपरिक कोयला खनन कंपनी से धीरे-धीरे एक विविधीकृत ऊर्जा, खनिज, सामग्री और प्रौद्योगिकी-केंद्रित संगठन के रूप में विकसित हो रही है। कोयला गैसीकरण, कुशल बिजली उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा एवं बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस), महत्वपूर्ण खनिजों, उन्नत सामग्रियों और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) से जुड़ी उसकी पहल इस बदलाव के लिए व्यापक आधार तैयार कर रही हैं। यह जानकारी कंपनी की ओर से रविवार को दी गई।



बयान में कहा गया कि कंपनी का बिजनेस डेवलपमेंट पोर्टफोलियो पांच परस्पर मजबूत करने वाले क्षेत्रों के आसपास संगठित है। इनमें कोयला गैसीकरण और कोयले से रसायन, थर्मल पावर, नवीकरणीय ऊर्जा एवं स्टोरेज, महत्वपूर्ण खनिज एवं उन्नत सामग्री तथा लौह अयस्क सहित विविधीकृत खनिज शामिल हैं।

इस पोर्टफोलियो में पहले से ही राष्ट्रीय स्तर की कई परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें चार कोयले से रसायन बनाने वाली पहलों में करीब 69,346 करोड़ रुपए का निवेश, 2म800 मेगावाट चंद्रपुरा अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल विस्तार, लगभग 550 मेगावाट की चालू सौर क्षमता, ग्रिड-स्तरीय बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) परियोजनाएं तथा महत्वपूर्ण खनिजों और डाउनस्ट्रीम सामग्रियों से जुड़े अवसर शामिल हैं।

कोयला गैसीकरण में कोयले को सिंथेसिस गैस या सिनगैस में बदला जाता है। इसका इस्तेमाल सिंथेटिक नेचुरल गैस (एसएनजी), अमोनिया, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट, मेथनॉल और अन्य रसायनों के उत्पादन में किया जा सकता है। यह तकनीक कोयले से रासायनिक मूल्य हासिल करने के साथ-साथ आयात पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकती है।

सीआईएल की कोयले से रसायन बनाने वाली चार प्रमुख पहलों में तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड, कोल गैस इंडिया लिमिटेड और सीआईएल-बीपीसीएल चंद्रपुरा कोल-टू-एसएनजी पहल शामिल हैं।

इन पहलों में तकनीकी प्राथमिकताओं में उच्च-राख वाले भारतीय कोयले के अनुरूप प्रक्रियाओं को ढालना, प्रक्रिया का अनुकूलन, महत्वपूर्ण उपकरणों का स्थानीयकरण, उन्नत प्रक्रिया नियंत्रण एवं डिजिटल ट्विन, पूर्वानुमान आधारित रखरखाव तथा पानी, राख और उत्सर्जन प्रबंधन में सुधार शामिल हैं। परियोजनाओं को दोहराने का फैसला परिचालन संबंधी आंकड़ों और वाणिज्यिक प्रदर्शन के सत्यापन के बाद ही किया जाएगा।

250 रुपए में संवरेगा बच्चों का भविष्य!

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। बच्चों के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने के लिए शुरू की गई एनपीएस वात्सल्य योजना तेजी से लोकप्रिय होती जा रही है। अगस्त 2026 तक इस योजना से जुड़े खातों की संख्या 4 लाख के पार पहुंच गई है। यह बढ़ती संख्या दिखाती है कि अब बड़ी संख्या में माता-पिता कम उम्र से ही अपने बच्चों के लिए दीर्घकालिक निवेश की योजना बना रहे हैं।



उद्योग से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 तक योजना से जुड़े बच्चों की संख्या लगभग 2.15 लाख थी, जबकि एक वर्ष पहले मार्च 2025 में यह आंकड़ा करीब 1.07 लाख था। इससे साफ है कि पिछले एक साल में एनपीएस वात्सल्य को लेकर लोगों की दिलचस्पी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

बता दें कि एनपीएस वात्सल्य योजना के तहत माता-पिता या अभिभावक अपने नाबालिग बच्चे के नाम पर खाता खोल सकते हैं। इस योजना की खास बात यह है कि निवेश की शुरुआत केवल 250 रुपए से की जा सकती है, जबकि अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है।

योजना में केवल माता-पिता ही नहीं, बल्कि रिश्तेदार और मित्र भी बच्चे के खाते में राशि जमा कर सकते हैं। इसका उद्देश्य बच्चों के लिए लंबी अवधि का निवेश कोष तैयार करना और कम उम्र से वित्तीय अनुशासन की आदत विकसित करना है।

आंकड़ों के अनुसार, एनपीएस वात्सल्य में सबसे बड़ी हिस्सेदारी स्कूल जाने वाले बच्चों की है। 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे कुल खाताधारकों का करीब 36.9 प्रतिशत हिस्सा हैं। इसके बाद 5 से 9 वर्ष आयु वर्ग की हिस्सेदारी 31.6 प्रतिशत है।

वहीं, 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की हिस्सेदारी 21.1 प्रतिशत और 0 से 4 वर्ष के बच्चों की हिस्सेदारी 10.4 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे कुल खाताधारकों का लगभग 68.5 प्रतिशत हिस्सा हैं। यह संकेत देता है कि माता-पिता बच्चों की पढ़ाई के शुरुआती वर्षों से ही उनके भविष्य के लिए निवेश करना पसंद कर रहे हैं।

एनपीएस वात्सल्य एक मार्केट-लिंक्ड निवेश योजना है, जिसमें जमा राशि को बाजार से जुड़े विभिन्न निवेश साधनों में लगाया जाता है। अलग-अलग पेंशन फंड अपनी निवेश रणनीति के अनुसार विकल्प उपलब्ध कराते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, चुनी गई योजना के आधार पर इक्विटी यानी शेयर बाजार में निवेश की हिस्सेदारी काफी अधिक हो सकती है। यही कारण है कि यह योजना लंबे समय में बेहतर रिटर्न की संभावना के साथ संपत्ति निर्माण का अवसर प्रदान करती है।

हालांकि यह योजना लंबी अवधि के निवेश के लिए बनाई गई है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में आंशिक निकासी की भी अनुमति है।

नियमों के अनुसार, खाता खुलने के तीन वर्ष बाद जमा मूल राशि का 25 प्रतिशत तक निकाला जा सकता है। इस सुविधा का उपयोग शिक्षा, चिकित्सा उपचार या कुछ विशेष परिस्थितियों में किया जा सकता है। हालांकि निवेश से मिलने वाले रिटर्न को इस सीमा में शामिल नहीं किया जाता। एनपीएस वात्सल्य की एक बड़ी खासियत यह है कि बच्चे के वयस्क होने के बाद भी निवेश जारी रखा जा सकता है। 18 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद खाते को निर्धारित नियमों के तहत आगे चलाया जा सकता है और 21 वर्ष की आयु तक बनाए रखा जा सकता है।

एआई से सामने आएंगे नए सेक्टर्स : एन चंद्रशेखरन

विश्व केसरी■

चेन्नई। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत अपने इतिहास के सबसे तेज विकास के दौरान में प्रवेश करने जा रहा है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), टेक्नोलॉजी और नए नियामक बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया आकार देंगे।

साईं यूनिवर्सिटी में मुख्य अतिथि के रूप में दिए अपने संबोधन में चंद्रशेखरन ने कहा कि ग्रेजुएट्स तेजी से बदलते हुए, लेकिन अधिक मौकों वाले दौर में कदम रख रहे हैं और एआई आने वाले समय में ऐसे नए सेक्टर पैदा करेगा, जिसका फिलहाल अंदाजा लगाना मुश्किल है।

चंद्रशेखरन ने कहा कि मौजूदा समय में एआई से नौकरियों के कम होने पर विस्तार से चर्चा चल रही है, लेकिन नई टेक्नोलॉजी अपने साथ कई बड़े अवसर लेकर आती है। वहीं, भारत के विकास पर टाटा संस के चेयरमैन ने कहा कि देश आज के समय में बहुत मजबूत स्थिति में है और आर्थिक वृद्धि 'हमारे अपने इतिहास में और दुनिया के किसी भी हिस्से के मुकाबले बेमिसाल होगी', और यह कई दशकों तक जारी रह सकती है।



चंद्रशेखरन ने ग्रेजुएट्स से 'डुअल रेस' वाली सोच अपनाने को कहा यानी लंबे समय के लक्ष्यों पर काम करने के साथ-साथ कम समय की उपलब्धियां भी हासिल करना, ताकि गति बनी रहे। उन्होंने छात्रों को अपने करियर के लिए लगातार तैयारी करने और मुश्किलों से निराश न होने की सलाह भी दी। मैराथन दौड़ का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को दूसरों से तुलना करने के बजाय अपनी खुद की तरक्की के आधार पर खुद को आंकना चाहिए। साथ ही उन्होंने ग्रेजुएट्स को नई चीजें जानने की उत्सुकता बनाए रखने, अलग-अलग हुनर वाले लोगों के साथ काम करने और क्रिएटिविटी विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया, खासकर बिजनेस के क्षेत्र में।

उन्होंने कहा, 'बिजनेस में क्रिएटिविटी बहुत कीमती है,' और साथ ही यह भी कहा कि लोगों को अपने कामों और उनसे मिली सीख पर लगातार सोचना चाहिए।

असम के मुख्यमंत्री ने धुबरी में 48,000 करोड़ रुपए के थर्मल प्लांट की रखी आधारशिला

विश्व केसरी■

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को धुबरी जिले के चापर में अदाणी पावर लिमिटेड के 3,200 मेगावाट के अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला रखी। यह राज्य के इतिहास में सबसे बड़े प्राइवेट निवेश में से एक है।

लगभग 48,000 करोड़ रुपए के निवेश वाले इस प्रोजेक्ट से असम की बिजली उत्पादन क्षमता में तेज बढ़ोतरी होने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

कंपनी के अनुसार, इस प्लांट के निर्माण के दौरान 20,000 तक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है और इसके चालू होने पर लगभग 5,000 स्थायी और अप्रत्यक्ष नौकरियां मिलेंगी। शिलान्यास समारोह में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, समुदाय के नेता और अदाणी ग्रुप के डायरेक्टर जीत अदाणी शामिल हुए। चापर थर्मल पावर प्रोजेक्ट, असम के पावर सेक्टर में अदाणी ग्रुप के 63,000 करोड़ रुपए के बड़े निवेश प्लान का एक अहम हिस्सा है।



इस प्लांट को दिसंबर 2030 से अलग-अलग चरणों में शुरू किया जाएगा और इसमें 800 मेगावाट की चार यूनिट होंगी। इसमें अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसे आधुनिक पर्यावरण सुरक्षा उपायों के साथ-साथ क्षमता बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

कार्यक्रम में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि असम तेजी से पूर्वोत्तर के लिए एक एनर्जी हब के तौर पर उभर रहा है और राज्य में कई बड़े एनर्जी प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। उन्होंने चापर प्रोजेक्ट को 'एडवांटेज असम इन्वेस्टर समिट 2.0' के दौरान किए गए निवेश के वादों का एक बड़ा नतीजा बताया। उन्होंने कहा, 'लगभग 48,000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ, यह प्रोजेक्ट असम में अब तक किए गए सबसे बड़े सिंगल इन्वेस्टमेंट में से एक होगा।' जीत अदाणी ने कहा कि यह थर्मल पावर प्रोजेक्ट असम के विकास के सफर में एक नए अध्याय की शुरुआत है।

सितंबर में विदेश घूमने का है प्लान? इन 5 खूबसूरत बीच डेस्टिनेशन को लिस्ट में करें शामिल, ट्रिप बनेगा यादगार



अगर आप सितंबर के महीने में समुद्र, रेत और खूबसूरत नज़ारों के बीच कुछ सुकून भरे दिन बिताना चाहते हैं, तो आप अपनी ट्रैवल लिस्ट में इन 5 इंटरनेशनल बीच डेस्टिनेशन्स को शामिल कर सकते हैं.

अगर आप सितंबर में विदेश यात्रा कर रहे हैं, तो कई बेहतरीन जगहें हैं जहां खाने-पीने का शानदार अनुभव मिल सकता है. इस दौरान, समुद्र किनारे बसी कई लोकप्रिय जगहों पर पीक टूरिस्ट सीजन के मुकाबले कम भीड़ होती है, जिससे यात्रा ज़्यादा सुखद रहती है. अगर आप समुद्र तटों, रेत और खूबसूरत नज़ारों के बीच कुछ दिन बिताना चाहते हैं, तो आप अपनी लिस्ट में इन 5 इंटरनेशनल बीच डेस्टिनेशन्स को शामिल करने के बारे में सोच सकते हैं...

1. बाली, इंडोनेशिया

बाली अपने शानदार बीच, हरियाली और आलीशान रिसॉर्ट्स के लिए दुनिया भर में मशहूर है. सितंबर में, द्वीप के कई हिस्सों में मौसम काफी अच्छा रहता है. कुटा, सेमिन्याक और नुसा दुआ जैसी जगहों पर पर्यटक बीच पर आराम कर सकते हैं, वॉटर स्पोर्ट्स का मज़ा ले सकते हैं और खूबसूरत सनसेट देख सकते हैं. समुद्र के अलावा, द्वीप के मंदिर और स्थानीय संस्कृति भी मुख्य आकर्षण हैं.

2. मालदीव

अगर आप नीले पानी और सफेद रेत वाले बीच के बीच छुट्टियां बिताने का सपना देखते हैं, तो मालदीव एक बेहतरीन विकल्प है. इसके प्राइवेट आइलैंड रिसॉर्ट्स और साफ पानी इसे कपल्स और परिवारों, दोनों के लिए एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन बनाते हैं. हालांकि सितंबर में बारिश की संभावना हो सकती है, लेकिन यह ऑफ-सीजन का समय अक्सर आकर्षक ट्रैवल डील्स देता है.

3. फुकेत, ??थाईलैंड

थाईलैंड का फुकेत न सिर्फ बीच पसंद करने वालों को, बल्कि एडवेंचर चाहने वाले यात्रियों को भी आकर्षित करता है. यहां पातोंग, काटा और कारोन बीच जैसी लोकप्रिय जगहें हैं। चूंकि सितंबर में बारिश हो सकती है, इसलिए यात्रा की योजना बनाने से पहले मौसम का पूर्वानुमान देख लेना चाहिए. अगर मौसम अच्छा रहता है, तो आप बीच का मज़ा लेने के साथ-साथ आस-पास के द्वीपों और स्थानीय बाज़ारों को भी घूम सकते हैं.

4. सेशेल्स

हिंद महासागर में स्थित सेशेल्स अपने साफ-सुथरे बीच और खूबसूरत द्वीपों के लिए मशहूर है. यहां ग्रेनाइट की चट्टानों, घनी हरियाली और नीले पानी का शानदार संगम देखने को मिलता है. सितंबर में, द्वीप की यात्रा या समुद्री गतिविधियों की योजना बनाने से पहले स्थानीय मौसम की स्थिति की जांच करना जरूरी है.

5. मॉरिशस

मॉरिशस उन यात्रियों के लिए एक बढ़िया विकल्प है जो बीच पर आराम करने के साथ-साथ प्रकृति और एडवेंचर का भी मज़ा लेना चाहते हैं. अपने खूबसूरत बीच के अलावा, इस द्वीप पर पहाड़, झरने और कई तरह की समुद्री गतिविधियां भी हैं. सितंबर में मौसम काफी अच्छा हो सकता है, जिससे पर्यटक बीच पर आराम कर सकते हैं और स्नॉर्कलिंग जैसी गतिविधियों का मज़ा ले सकते हैं।

कमजोर पेरेंट्स में होती हैं ये 5 आदतें, निकालते हैं सिर्फ अपने बच्चों में कमी



क्या आप भी अनजाने में अपने बच्चों में सिर्फ कमियां निकालते रहते हैं? जानिए कमजोर पेरेंटिंग की उन 5 आदतों के बारे में जो बच्चों का आत्मविश्वास अंदर से तोड़ देती हैं और जानिए इनसे बचने के आसान तरीके.

बच्चों की परवरिश करना दुनिया का सबसे खूबसूरत और जिम्मेदारी भरा काम माना जाता है. हर माता-पिता की यह ख्वाहिश होती है कि उनका बच्चा जीवन में खूब तरक्की करे और एक बेहतर इंसान बने. इस चाहत में अक्सर पेरेंट्स कुछ ऐसी अनजाने आदतें अपना लेते हैं, जो बच्चों को सुधारने के बजाय उन्हें मानसिक रूप से कमजोर कर देती हैं. परवरिश का तरीका सीधा बच्चों के आत्मविश्वास और उनके मानसिक विकास पर गहरा असर डालता है. अगर आप भी यह जानना चाहते हैं कि कहीं आपकी कुछ अनजाने आदतें आपके बच्चे पर नकारात्मक असर तो नहीं डाल रही हैं, तो यह बातें आपको जरूर जानना चाहिए. आइए जानते हैं कमजोर पेरेंट्स की उन 5 आदतों के बारे में, जिन्हें समय रहते बदलना बेहद जरूरी है.

1. हर बात पर सिर्फ कमियां निकालना

कुछ माता-पिता की यह आदत बन जाती है कि वे बच्चे की किसी भी छोटी-बड़ी उपलब्धि की तारीफ करने के बजाय उसमें कोई न कोई कमी जरूर निकाल देते हैं. उदाहरण के लिए, अगर बच्चा परीक्षा में 90% अंक भी ले आए, तो पेरेंट्स का ध्यान सिर्फ उन 10% अंकों पर होता है जो कट गए. यह आदत बच्चों के मन में यह गहरी हीन भावना भर देती है कि वे चाहे जितनी भी कड़ी मेहनत कर लें, कभी अपने माता-पिता को पूरी तरह खुश नहीं कर पाएंगे. इससे उनका आत्मविश्वास अंदर तक डगमगा जाता है.

2. दूसरों के बच्चों से लगातार तुलना करना 'शर्मा जी के बेटे को देखो, उसने कैसे टॉप किया!' या 'पड़ोस वाली लड़की से कुछ सीखो.' यह वाक्य लगभग हर भारतीय घर में सुनने को मिलता है. बच्चों की तुलना उनके दोस्तों, भाई-बहनों या रिश्तेदारों से करना सबसे खतरनाक पेरेंटिंग आदतों में से एक है. हर बच्चा अपने आप में एक अलग खूबी के साथ पैदा होता है और उसकी क्षमताएं दूसरों से अलग होती हैं. बार-बार तुलना करने से बच्चों के अंदर ईर्ष्या, असुरक्षा और खुद को कमतर आंकने की भावना घर कर जाती है.

3. बच्चे की भावनाओं को नजरअंदाज करना

अक्सर पेरेंट्स बच्चों के छोटे-छोटे दुख, डर या गुस्से को यह कहकर टाल देते हैं कि 'तुम नाटक कर रहे हो' या 'इसमें रोने वाली कौन सी बात है.' बच्चों के नजरिए और उनकी भावनाओं को तवज्जो न देना उन्हें भावनात्मक रूप से अकेला कर देता है. जब बच्चे यह महसूस करते हैं कि उनके माता-पिता उनकी बात नहीं समझ रहे हैं, तो वे अपनी भावनाएं अपनों से छिपाना शुरू कर देते हैं, जिससे उनका मानसिक संतुलन और विकास प्रभावित होने लगता है।

अगरबत्ती और मच्छर भगाने वाली कॉइल का धुआं क्या बढ़ाता है कैंसर का खतरा?



घर पर अगरबत्ती जलाना या मच्छर भगाने वाली कॉइल का इस्तेमाल करना आम बात है। लेकिन क्या इनसे कैंसर का खतरा हो सकता है? आइए जानें विशेषज्ञों की राय.

घर में अगरबत्ती जलाना या मच्छर भगाने वाली कॉइल का इस्तेमाल करना आम बात है. हालांकि, सेहत से जुड़े खतरों जैसे कि इनमें इस्तेमाल होने वाली चीज़ें और धुएं निकलने वाले कणों को लेकर अक्सर चिंताएं जताई जाती हैं. एक खास चिंता यह है कि क्या लंबे समय तक इस धुएं में सांस लेने से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है. इसका जवाब धुएं के स्रोत, इसके संपर्क में आने की मात्रा और कमरे में हवा के आने-जाने की सुविधा (वेंटिलेशन) जैसी बातों पर निर्भर करता है...

इस धुएं में क्या होता है?

जब अगरबत्ती और मच्छर भगाने वाली कॉइल जलती हैं, तो उनसे न सिर्फ़ खुशबू या धुआं निकलता है, बल्कि हवा में बहुत छोटे कण और कई तरह के केमिकल भी घुल जाते हैं. बंद कमरे में इनका इस्तेमाल करने से हवा की क्वालिटी खराब हो सकती है. धुएं के बारीक कण सांस के ज़रिए शरीर में जा सकते हैं और आंखों, नाक और गले में जलन या सांस लेने में दिक्कत पैदा कर सकते हैं.

क्या इससे कैंसर होता है?

यह कहना गलत होगा कि अगरबत्ती या मच्छर भगाने वाली कॉइल के धुएं से सीधे कैंसर होता है. हालांकि, लंबे समय तक और लगातार इस धुएं के संपर्क में रहने से चिंता हो सकती है. कुछ स्टडीज में अगरबत्ती के धुएं से निकलने वाले बारीक कणों और नुकसानदायक केमिकल से जुड़ी सेहत संबंधी दिक्कतों के बारे में बताया गया है।

राजस्थानी पितोड़ की आसान रेसिपी, मिनटों में तैयार होगा स्वादिष्ट पारंपरिक व्यंजन, जानिये बनाने का तरीका



राजस्थानी पितोड़, बेसन से बनने वाली एक पारंपरिक और स्वादिष्ट डिश है. इसे कम सामग्री में झटपट बनाया जा सकता है और रोटी, पराठे या चावल के साथ परोसा जाता है.

राजस्थान की रसोई अपने अनोखे और पारंपरिक व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है. उन्हीं खास व्यंजनों में से एक है पितोड़. बेसन से तैयार होने वाली यह स्वादिष्ट डिश कम सामग्री में झटपट बन जाती है और खाने में बेहद लाजवाब लगती है. पितोड़ को आप रोटी, पराठे या चावल के साथ परोस सकते हैं. अगर आप रोजाना की सब्जियों से कुछ अलग और पारंपरिक स्वाद चखना चाहते हैं, तो राजस्थानी पितोड़ एक बेहतरीन विकल्प है.

आवश्यक सामग्री

बेसन - 1 कप

दही - 1 कप

पानी - 2 कप

हल्दी - 1/2 चम्मच

लाल मिर्च पाउडर - 1/2 चम्मच

धनिया पाउडर - 1 चम्मच

नमक - स्वादानुसार

तेल - 2 बड़े चम्मच

तड़के के लिए

जीरा - 1/2 चम्मच

राई - 1/2 चम्मच

हींग - एक चुटकी

हरी मिर्च - 2 बारीक कटी हुई

अदरक - 1 चम्मच कद्दूकस की हुई

हरा धनिया - सजावट के लिए

पितोड़ बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में बेसन, दही, पानी, हल्दी, लाल मिर्च और नमक डालकर अच्छी तरह फेंट लें. ध्यान रखें कि इसमें कोई गांठ न रहे. अब इस मिश्रण को मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए पकाएं.

करीब 8 से 10 मिनट बाद मिश्रण गाढ़ा होने लगेगा. जब यह हलवे जैसी स्थिरता का हो जाए, तब एक थाली या प्लेट में थोड़ा तेल लगाकर चिकना कर लें. तैयार बेसन मिश्रण को प्लेट में फैलाकर एक समान मोटी परत बना दें. इसे 15 से 20 मिनट तक ठंडा होने दें.

जब मिश्रण पूरी तरह सेट हो जाए, तब इसे चौकोर या हीरे के आकार में काट लें. ये कटे हुए टुकड़े ही पितोड़ कहलाते हैं.

अब एक कड़ाही में तेल गरम करें. इसमें राई, जीरा और हींग डालकर तड़काएं. फिर अदरक और हरी मिर्च डालकर हल्का भून लें. इसके बाद पितोड़ के टुकड़े डालें और धीमी आंच पर 3 से 4 मिनट तक सुनहरा होने दें. चाहें तो इन्हें हल्का कुरकुरा भी कर सकते हैं.

अंत में ऊपर से हरा धनिया डालकर सजाएं और गरमागरम परोसें.

स्वाद बढ़ाने के टिप्स

पितोड़ में दही डालने से हल्का खट्टापन आता है, जो इसका स्वाद बढ़ा देता है.

यदि आप ग्रेवी वाली सब्जी पसंद करते हैं, तो प्याज-टमाटर की मसालेदार ग्रेवी बनाकर उसमें पितोड़ डाल सकते हैं, इसे शाम की चाय के साथ हल्के स्नैक के रूप में भी परोसा जा सकता है।

हेल्दी स्नैक का बेहतरीन विकल्प हैं मूंग दाल के चिप्स, हर बाइट में मिलेगा क्रिस्पी-क्रंची स्वाद



चाय के साथ हेल्दी और कुरकुरे स्नैक्स के लिए मूंग दाल के चिप्स एक बेहतरीन विकल्प हैं. इन्हें घर पर आसानी से बनाया जा सकता है और ये प्रोटीन से भरपूर होते हैं. तो इसे जरूर ट्राई करें.

अगर आप चाय के साथ कुछ कुरकुरा और स्वादिष्ट खाना चाहते हैं, लेकिन बाजार के तले हुए स्नैक्स खाने से भी बचना चाहते हैं, तो मूंग की दाल के हेल्दी चिप्स एक बेहतरीन विकल्प हैं. प्रोटीन और पोषक तत्वों से भरपूर मूंग दाल से बने ये चिप्स स्वाद में शानदार होने के साथ-साथ अपेक्षाकृत हेल्दी भी होते हैं. इन्हें घर पर आसानी से तैयार किया जा सकता है और बच्चे से लेकर बड़े तक सभी इन्हें बड़े चाव से खाते हैं.

बनाने की विधि

सबसे पहले मूंग की दाल को अच्छी तरह धोकर 4 से 5 घंटे के लिए पानी में भिगो दें. जब दाल अच्छी तरह फूल जाए, तो उसका पानी निकाल लें. अब मिक्सर में भीगी हुई दाल, हरी मिर्च और अदरक डालकर बारीक पीस लें।

ध्यान रखें कि घोल ज्यादा पतला न हो. तैयार मिश्रण में नमक, जीरा और लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें.

इसके बाद एक प्लास्टिक शीट, बटर पेपर या साफ कपड़े पर थोड़ा तेल लगाएं. अब तैयार मिश्रण को छोटे-छोटे गोल आकार में पतला फैलाएं. इन्हें धूप में 1 से 2 दिन तक सुखाएं. यदि तेज धूप हो तो ये जल्दी सूख जाएंगे।

इस साल लड़कियों के बीच सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे 10 फैशन ट्रेंड, क्या आपने भी अपनाए?



इस साल फैशन में आरामदायक फिट के साथ स्टाइलिश डिटेलिंग पर भी जोर नजर आ रहा है. ओवरसाइज्ड शर्ट, वाइड लेग जींस, को-ऑर्ड सेट, बैले फ्लैट्स और स्टेटमेंट बैग जैसे ट्रेंड आसानी से रोजमर्रा के लुक में शामिल किए जा सकते हैं.

सुबह तैयार होते समय अक्सर सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि आज ऐसा क्या पहनें जो आरामदायक भी हो और लुक को स्टाइलिश भी बनाए. सोशल मीडिया, सेलिब्रिटी लुक्स और स्ट्रीट स्टाइल ने कपड़ों और एक्सेसरीज को लेकर पसंद काफी बदल दी है. इस साल भी फैशन में पुराने स्टाइल की वापसी के साथ कुछ नए और दिलचस्प ट्रेंड नजर आ रहे हैं.

कॉलेज जाने वाली लड़कियों से लेकर ऑफिस और कैजुअल आउटिंग के लिए तैयार होने वालों तक, अलग-अलग मौकों पर इन स्टाइल्स को अपनाया जा रहा है. खास बात यह है कि इनमें से कई ट्रेंड ऐसे हैं जिन्हें अपनी मौजूदा वार्डरोब के कपड़ों के साथ भी आसानी से आजमाया जा सकता है.

इस साल कौन से फैशन ट्रेंड चर्चा में हैं

फैशन में हर ट्रेंड को अपनाना जरूरी नहीं होता. अपने शरीर की सहजता, मौके और व्यक्तिगत पसंद के हिसाब से कपड़े चुनना ज्यादा मायने रखता है. इस साल कई ऐसे स्टाइल देखने को मिल रहे हैं जो रोजमर्रा के लुक को थोड़ा अलग बना सकते हैं.

ढीली और आरामदायक शर्ट इस साल भी कैजुअल फैशन का हिस्सा बनी हुई है. इसे जींस, ट्राउजर या शॉर्ट्स के साथ पहना जा सकता है. सिंपल टी-शर्ट के ऊपर ओपन शर्ट पहनने से भी लेयर्ड लुक तैयार हो जाता है.

वाइड लेग जींस

स्किनी जींस के साथ-साथ वाइड लेग और रिलैक्स्ड फिट जींस की पसंद बढ़ी है. इनका ढीला सिल्हूट रोजमर्रा के लिए आरामदायक लगता है. क्रॉप टॉप, शर्ट या फिटेड टी-शर्ट के साथ इसका संतुलित लुक बनाया जा सकता है.

3. को-ऑर्ड सेट

एक जैसे टॉप और बॉटम वाले को-ऑर्ड सेट उन लोगों के लिए आसान विकल्प हैं जिन्हें तैयार होने में ज्यादा समय नहीं लगाना. प्रिंटेड सेट से लेकर सॉलिड कलर तक कई तरह के विकल्प कैजुअल आउटिंग और ट्रैवल के लिए पहने जा रहे हैं.

4. क्रॉप्ड जैकेट

छोटी लंबाई वाली जैकेट साधारण आउटफिट को भी थोड़ा स्टाइलिश बना सकती है. डेनिम, कॉटन या हल्के फैब्रिक की क्रॉप्ड जैकेट को जींस और ड्रेस दोनों के साथ स्टाइल किया जा सकता है.

5. लेयर्ड नेकलेस

एक ही नेकलेस पहनने के बजाय अलग लंबाई की पतली चेन को साथ पहनने का ट्रेंड भी पसंद किया जा रहा है. सिंपल कुर्ती, टॉप या ड्रेस के साथ यह एक्सेसरी लुक में हल्का स्टाइल स्टेटमेंट जोड़ सकती है.

6. बैले फ्लैट्स

आरामदायक और हल्के फुटवियर की पसंद में बैले फ्लैट्स फिर से नजर आ रहे हैं. इन्हें जींस, स्कर्ट, ड्रेस या ट्राउजर के साथ आसानी से पहना जा सकता है. न्यूट्रल शेड्स रोजमर्रा के कई आउटफिट के साथ चल जाते हैं.

7. बो डिटेलिंग

बालों, जूतों, टॉप और एक्सेसरीज में बो डिटेलिंग देखने को मिल रही है. बहुत ज्यादा सजावटी लुक पसंद न करने वाली लड़कियां भी छोटे बो हेयरक्लिप या रिबन के जरिए इस ट्रेंड को आजमा सकती हैं.

8. बैगी ट्राउजर

बैगी ट्राउजर का ढीला फिट स्ट्रीट स्टाइल और कैजुअल पहनावे में खूब नजर आ रहा है. इन्हें फिटेड टॉप के साथ पहनने पर आउटफिट का सिल्हूट संतुलित दिखाई देता है. स्नीकर्स या फ्लैट्स इसके साथ अच्छे लग सकते हैं.

9. पोलो कॉलर टॉप

पोलो कॉलर टॉप कैजुअल और स्मार्ट लुक के बीच अच्छा विकल्प बन सकता है. इसे डेनिम, स्कर्ट या ट्राउजर के साथ पहना जा सकता है. कॉलेज और दोस्तों के साथ बाहर जाने के लिए यह आसान स्टाइलिंग विकल्प है.

10. स्टेटमेंट बैग

बड़ा या खास डिजाइन वाला बैग पूरे आउटफिट का ध्यान अपनी ओर खींच सकता है. बोल्ड शेप, टेक्सचर या अलग रंग वाला बैग साधारण कपड़ों के साथ भी लुक को अलग बना सकता है।



हर समय परफेक्ट दिखने का दबाव? 'मिर्जापुर' एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कैसे करती हैं डील

कहा- किरदार की मांग हो तो लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं

मुंबई । 'मिर्जापुर' फेम एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कि वह हर समय परफेक्ट दिखने के लगातार दबाव से कैसे निपटती हैं। मीडिया से खास बातचीत में हर्षिता ने कहा कि यह पूरी तरह से व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह दबाव लेना चाहता है या अपनी असलियत में सहज रहना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में, दर्शक अलग-अलग तरह के शरीर और स्किन टाइप को स्वीकार करने लगे हैं, बशर्ते वे उस किरदार के अनुकूल हों जिसे वे निभा रहे हैं।

हर्षिता ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर अगर रोल की मांग हो तो उन्हें अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री में होने का एक मजेदार हिस्सा है।

एक्सपेरिमेंट करना है मजेदार

उनसे पूछा गया, "शोबिज में अच्छा दिखने और कैमरे के लिए तैयार रहने का दबाव बहुत ज्यादा होता है। आपके लिए लुक कितना मायने रखता है और आप अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में किस हद तक सहज हैं?"

हर्षिता ने मीडिया को बताया, "मैं एक्सपेरिमेंट करने के लिए तैयार रहती हूं, खासकर अगर किरदार की मांग हो। यह मजेदार है। हम इसी फील्ड में इसलिए हैं क्योंकि हमें एक्सपेरिमेंट करने का मौका मिलता है। वरना, हम यहां नहीं होते।"

दबाव तो होता है, लेकिन...

हर समय कैमरे के लिए तैयार रहने के दबाव से निपटने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "दबाव तो होता है, लेकिन आप या तो उस दबाव को ले सकते हैं या नहीं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है।"



> "'अगर किरदार की मांग हो तो लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं। यह इंडस्ट्री में होने का एक मजेदार हिस्सा है।"
>
> — हर्षिता गौर
> (अभिनेत्री)

पहले भी था सामाजिक दबाव

हर्षिता ने कहा, "एक दौर वह भी था जब न तो सोशल मीडिया का ऐसा दौर था और न ही लोग अपनी शारीरिक बनावट को लेकर इतने सचेत थे, लेकिन उस समय भी लोगों पर सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव कम नहीं था।"

मेकअप भी नहीं करते कई एक्टर

उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कई शो हैं जिनमें जाने-माने एक्टर मेकअप भी नहीं करते, क्योंकि किरदार की यही मांग होती है। बॉलीवुड एक्ट्रेस **करीना कपूर** का उदहरण देते हुए हर्षिता ने कहा, "करीना कपूर ने एक फिल्म की थी जिसमें उन्होंने मेकअप नहीं किया था। मुझे लगता है कि जब किरदार की मांग होती है, तो लोग खुद को वैसा ही दिखाने में ज्यादा सहज हो गए हैं जैसे वे असल में हैं।"

जब एक स्कूल ने अपनी किताबों में ऋतिक रोशन का नाम शामिल करने का प्रस्ताव रखा था



विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन को उनके शानदार लुक्स की वजह से 'ग्रीक गॉड' का खिताब मिला है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक बार एक स्कूल ने स्टूडेंट्स की बेहतर पढ़ाई में मदद के लिए ऋतिक का नाम अपनी किताबों में शामिल करना चाहा था?

जब ऋतिक चैट शो 'कॉफी विद करण' में फिल्ममेकर और होस्ट करण जौहर से बात कर रहे थे, तो उन्होंने बताया कि एक बार जब वह कलकत्ता (अब कोलकाता) में थे, तो एक स्कूल बोर्ड ने उनसे संपर्क किया और उनकी बायोलॉजी की किताबों में उनका नाम शामिल करने का प्रस्ताव रखा।

ऋतिक ने करण जौहर को बताया, 'आपको पता है, जब मैं कलकत्ता में था, तो मुझे स्कूल बोर्ड से एक मैसेज मिला। वे बच्चों को पढ़ाने के लिए किताबों में मेरा नाम शामिल करना चाहते थे। उन्हें लगा कि इससे सीखने में मदद मिलेगी, जैसे बायोलॉजी में सवाल हों- 'ऋतिक रोशन के शरीर की सबसे लंबी हड्डी कौन सी है?' बस ऐसी बातें जिनसे बच्चों के लिए पढ़ाई थोड़ी और दिलचस्प बन सके।'

ऋतिक के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2000 में अमीषा पटेल के साथ रोमांटिक फिल्म 'कहो ना प्यार है' से बॉलीवुड में जबरदस्त एंट्री की थी।

अगले दो दशकों में उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, जिनमें 'कोई मिल गया', 'कृष', 'लक्ष्य', 'जोधा अकबर', 'गुज़ारिश, 'ज़िंदगी ना मिलेगी दोबारा' और 'वॉर' जैसी फिल्में शामिल हैं।

अब ऋतिक अपने नए प्रोजेक्ट 'स्टॉर्म' के साथ प्रोड्यूसर के तौर पर ओटीटी की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। इस प्रोजेक्ट में पार्वती थिरुवोथु, अलाया एफ, सृष्टि श्रीवास्तव, रामा शर्मा और सबा आजाद अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। 'स्टॉर्म' को अजीतपाल सिंह ने बनाया और डायरेक्ट किया है, जो 'टब्बर' सीरीज में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

इसके अलावा, ऋतिक के मशहूर फ्रैंचाइजी की अगली फिल्म 'कृष 4' में कृष्णा मेहरा का किरदार फिर से निभाने की भी उम्मीद है।

जब सलमा हायेक ने अपने पति को यकीन दिलाया कि उनका अफेयर चल रहा

विश्व केसरी■

मुंबई। क्या आप जानते हैं कि हॉलीवुड अभिनेत्री सलमा हायेक ने एक बार सिर्फ एक पिल्ला पालने के लिए अपने बिजनेसमैन पति फ्रांस्वा-हेनरी पिनॉल्ट को यह भरोसा दिला दिया था कि उनका किसी और से अफेयर चल रहा है?

उस समय उनके घर पर पहले से ही लगभग 30 जानवर थे, जिनमें कुत्ते, तोते, अल्पाका, घोड़े और बिल्लियां शामिल थीं। 'फ्रीडा' एक्ट्रेस ने अपने पति से वादा किया था कि वह घर पर और कोई जानवर नहीं लाएंगी।

लेकिन, जब वह बुल्गारिया में शूटिंग कर रही थीं, तो उन्हें रास्ते में एक छोटा सा बेसहारा पिल्ला मिला और सलमा का दिल उसे वहीं छोड़ने को नहीं माना।

हालांकि, उन्होंने अपने पति को मनाने का एक चालाक तरीका निकाला। उन्होंने तय किया कि वह उन्हें यकीन दिलाएंगी कि उनका अफेयर चल रहा है और जब उन्हें सबसे बुरा शक हो जाएगा, तब वह उन्हें सच बता देंगी।

'द टुनाइट शो स्टारिंग जिमी फैलन' में सलमा हायेक ने इस मजेदार घटना के बारे में अपने शब्दों में बताया, 'मेरे पति ने मुझे चेतावनी दी थी कि 'और नहीं, अब और कुत्ते नहीं', इसलिए मैंने वादा किया था। मैंने सोचा, 'मैं उन्हें यकीन दिलाऊंगी कि मेरा अफेयर चल रहा है और आखिर में मैंने उन्हें बताया कि यह कोई अफेयर नहीं है। उन्होंने उन्हें फोन करके कहा, 'हमें बात करनी है', ऐसी बात वह कभी नहीं करतीं, जिससे उनके पति बहुत डर गए।

जब सलमा हायेक के पति ने उन्हें फोन किया, तो उन्होंने उनसे कहा, 'सुनिए, यह खबर बताते हुए मेरा दिल टूट रहा है, क्योंकि मुझे पता है कि मैं आपको निराश करने वाली हूं। इतनी हिम्मत जुटाना मेरे लिए बहुत मुश्किल था, लेकिन अब मैं और बर्दाश्त नहीं कर सकती। मुझे आपको बताना ही होगा और आपको बस यह समझना होगा कि मैं यहां कितना ज्यादा काम कर रही हूं।



रणवीर-दीपिका को दूसरी बेटी के जन्म पर लगा बधाइयों का तांता, आदित्य धर ने कहा- पहले लक्ष्मी, अब सरस्वती



विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने शनिवार को अपने दूसरे बच्चे का स्वागत किया। जैसे ही यह खुशी की खबर आई कि वे दूसरी बेटी के माता-पिता बन गए हैं, चारों तरफ से उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं मिलने लगीं।

हालांकि, रणवीर की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' के डायरेक्टर आदित्य धर का कमेंट सबसे खास रहा। फिल्ममेकर ने कहा, 'पहले लक्ष्मी आईं, अब सरस्वती भी आ गईं!! आप लोगों के लिए बहुत-बहुत खुशी है। परिवार में एक और नन्ही परी आ गई है। भगवान उसे दुनिया का सारा प्यार और खुशियां दें।'

19 सितंबर को रणवीर और दीपिका ने सोशल मीडिया पर एक संयुक्त पोस्ट के जरिए खुशी-खुशी यह खबर शेयर की। इस पोस्ट में बच्चे के छोटे से पैरों के निशान के साथ लिखा था, 'बेबी गर्ल का स्वागत है...19/9/2026...दुआ, दीपिका, रणवीर'।

नए माता-पिता को उनकी इस नई यात्रा के लिए बधाई देते हुए एक्टर विक्की कौशल ने कमेंट किया, 'भगवान का आशीर्वाद बना रहे! बधाई हो।'

आलिया भट्ट ने रेड हार्ट, बुरी नजर से बचाने वाले इमोजी, सूरज और डांस वाले इमोजी के साथ अपनी खुशी जाहिर की।

कृति सेनन ने लिखा, 'अरे वाह!! आप दोनों को बधाई!!! (रेड हार्ट इमोजी)। दुआ को एक छोटी बहन मिल गई!!! यह सच में एक आशीर्वाद है।'

दिग्गज एक्टर अनिल कपूर ने लिखा, 'बधाई हो, बेटियां सबसे अच्छी होती हैं।'

एक्टर रितेश देशमुख ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'बहुत अच्छी खबर है... बहुत-बहुत बधाई!!!!!! दुआ और दुआ की छोटी बहन को ढेर सारा प्यार।'

सोनम कपूर ने लिखा, 'क्या शानदार खबर है... बधाई हो।'

आयुष्मान खुराना ने कहा, 'ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद।'

डिलीवरी से एक दिन पहले शुक्रवार को रणवीर और दीपिका मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में आशीर्वाद लेते हुए दिखे। इस कपल ने अपनी बड़ी बेटी दुआ के जन्म से ठीक पहले भी इसी मशहूर मंदिर में पूजा-अर्चना की थी।

दीपिका और रणवीर ने इस साल अप्रैल में अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। उन्होंने अपनी बेटी दुआ की एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वह प्रेग्नेंसी टेस्ट किट पकड़े हुए थी, जिसका रिजल्ट पॉजिटिव था।

ट्रंपेट बजाते दिखे 'उड़ान' फेम रोनित बोस, बोले-'फिर से प्रैक्टिस शुरू करनी होगी'

विश्व केसरी■

मुंबई। कई तरह के रोल करने वाले एक्टर रोनित बोस ने अपने इंस्टाग्राम फ़ैमिली के साथ एक पुराना वीडियो शेयर किया, जिसमें वह ट्रम्पेट बजाते हुए नज़र आ रहे हैं। वीडियो में रोनित 1974 में आई फिल्म 'अजनबी' का सुपरहिट गाना 'भीगी-भीगी रातों में' ट्रंपेट पर बजा रहे हैं। किशोर कुमार और लता मंगेशकर द्वारा गाया गया यह गीत राजेश खन्ना और जीनत अमान पर फिल्माया गया था, जिसके संगीतकार आर.डी. बर्मन और गीतकार आनंद बख्शी थे।

रविवार को 'उड़ान' एक्टर ने एक क्लिप शेयर की, जिसमें वे 1974 में रिलीज़ हुई फ़िल्म 'अजनबी' का गाना 'भीगी-भीगी रातों में' बजाते हुए दिखे। मशहूर सिंगर किशोर कुमार और लता मंगेशकर के साथ इस गाने को लीड एक्टर्स राजेश खन्ना और ज़ीनत अमान पर फ़िल्माया गया था। इस गाने का म्यूज़िक आर.डी. बर्मन ने दिया था और इसके बोल आनंद बख्शी ने लिखे थे। कैप्शन में रोनित ने बताया कि यह वीडियो पुराना है और साथ ही उन्होंने फिर से ट्रम्पेट बजाने की प्रैक्टिस शुरू करने की इच्छा भी ज़ाहिर की।

पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'बहुत पुरानी यादें! फिर से प्रैक्टिस शुरू करनी होगी। है ना?' 'अगली' फ़िल्म के एक्टर की बात से सहमत होते हुए, यूज़र्स ने कमेंट सेक्शन में उनके हुनर ??की तारीफ़ की। एक यूज़र ने लिखा, 'यह सच में बहुत बढ़िया है, रोनित! आपको इसे जारी रखना चाहिए और आगे बढ़ते रहना चाहिए।

प्रतीभा रांटा ने 'द रेवोल्यूशनरीज' में अपने किरदार को लेकर की बात, कहा- 'जिज्ञासु थी प्रतिभा लाहिड़ी और पढ़ने की थी शौकीन'

विश्व केसरी■

मुंबई। 'द रेवोल्यूशनरीज़' में स्वतंत्रता सेनानी प्रतिभा लाहिड़ी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा ने सीरीज में अपने किरदार के बारे में जानकारी दी है।

अभिनेत्री ने मुंबई में शो के प्रमोशन के दौरान मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उनके साथ निखिल आडवाणी, भुवन बाम, रोहित सराफ और गुरफतेह पीरजादा भी मौजूद थे।

प्रतीभा रांटा ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'हमें सार्वजनिक तौर पर प्रतिभा लाहिड़ी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिलती है और यही बात निखिल सर ने भी मुझसे कही थी, जब हम प्रतिभा लाहिड़ी के बारे में चर्चा किया करते थे। जब चंद्रशेखर आजाद अंग्रेजों से लड़ रहे थे, तब उनकी बंदूक में एक आखिरी गोली बची थी। उसी समय उन्होंने खुद को गोली मार ली, ताकि अंग्रेज उन्हें पकड़कर मुठभेड़ में न मार सकें। इसके बाद प्रतिभा लाहिड़ी ने उनके अस्थि-अवशेषों की राख युवा क्रांतिकारियों के माथे पर लगाई थी। अब आप ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचिए, जो यह समझने में सक्षम हो कि यह एक युवा पीढ़ी है।'



उन्होंने आगे कहा, 'उन्हें यह बताना जरूरी था कि देश को आजादी दिलाने के लिए किस तरह का बलिदान दिया जा रहा है। यह सुनिश्चित करना कि उस संदेश को आगे पहुंचाया जाए। तो जब वह 17 साल की रही होंगी, तब वह कैसी रही होंगी? उस समय उन्हें किन सामाजिक मानदंडों से लड़ना पड़ता होगा? वह दुनिया को किस नजरिए से देखती होंगी? मेरे लिए प्रतिभा लाहिड़ी एक जिज्ञासु लड़की थीं। वह अपने आसपास हो रही हर चीज के बारे में जानना चाहती थीं।'

अभिनेत्री ने आगे बताया, 'वह पढ़ने की बहुत शौकीन थीं। उनकी पढ़ाई में भी काफी दिलचस्पी थी। दरअसल, प्रतिभा और सचिंद्र नाथ सान्याल के बीच जिन पत्रों का आदान-प्रदान हुआ था, उन सभी को वह हल कर लेती थीं, क्योंकि वह बहुत होशियार और तेज-तर्रार थीं। वह कोडेड पत्रों को समझ लेती थीं। यह वाकई बिल्कुल अद्भुत था।'

'द रेवोल्यूशनरीज' चार स्वतंत्रता सेनानियों रास बिहारी बोस, प्रतिभा लाहिड़ी, सचिंद्र नाथ सान्याल और बाघा जतिन की कहानी है, जिन्होंने ब्रिटिश राज के खिलाफ मोर्चा संभाला था। यह सीरीज सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि पर आधारित है। सीरीज में रोहित सराफ, प्रतीभा रांटा, गुरफतेह पीरजादा और जेसन शाह भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

जापानी लॉ मेकर्स ने बेंगलुरु में इसरो और आईआईएससी का किया दौरा, भारत-जापान साझेदारी को मिलेगी मजबूती

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। जापानी लॉ मेकर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारत-जापान विजिट प्रोग्राम के तहत बेंगलुरु में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) का दौरा किया।

जापान में भारतीय दूतावास ने रविवार को बताया कि यह दौरा दोनों देशों के बीच चल रहे गहरे सहयोग और भविष्य की संभावनाओं को दिखाता है।

भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर लिखा, 'यह भारत-जापान विजिट प्रोग्राम बेंगलुरु से शुरू हुआ, जहां लॉ मेकर्स ने भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का दौरा किया। एआई, तकनीक, अंतरिक्ष, रक्षा और स्टार्टअप के क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग



दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक वैश्विक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू है और यह आदान-प्रदान चल रहे सहयोग की गहराई और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाता है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने भी 'एक्स' पर पोस्ट करके इस दौरे की जानकारी दी। बीईएल ने लिखा, 'जापान के पूर्व विदेश मंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री तारो कोनो के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जापानी संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने 19 सितंबर 2026 को बीईएल बेंगलुरु कॉम्प्लेक्स का दौरा किया। यह दौरा भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम (डीवीपी) के तहत समन्वित किया गया था।'

भारत का दौरा करने वाले जापानी लॉ मेकर्स में तारो कोनो, करेन मकिशिमा, केंजी नाकानिशी और साको यामामोटो शामिल हैं।

भारतीय दूतावास ने बताया, 'भारत-जापान विजिट प्रोग्राम के तहत, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के जापानी लॉ मेकर्स, जिनमें प्रतिनिधि तारो कोनो, प्रतिनिधि करेन मकिशिमा, प्रतिनिधि केंजी नाकानिशी और प्रतिनिधि साको यामामोटो शामिल हैं, इस हफ्ते भारत का दौरा कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सांसदों को भारत में नवीनतम विकास के बारे में जानकारी देना, उन्हें स्थानीय स्थिति का प्रत्यक्ष अनुभव कराना और संबंधित हितधारकों के साथ सीधे बातचीत के अवसर प्रदान करना है।'

पिछले महीने जापान के रक्षा मंत्री शिंजीरो कोइजुमी भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए थे, इस दौरान उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह के साथ बातचीत की थी।

दक्षिण कोरिया चिकित्सा सामग्री भेजना चाहता है प्योंगयांग

विश्व केसरी■



सोल। उत्तर कोरिया मानवीय सहायता के तहत प्योंगयांग के एक अस्पताल को 1,400 से ज्यादा चिकित्सा उपकरण और अन्य जरूरी सामान भेजना चाहता है। वो तैयार है, लेकिन प्योंगयांग से बातचीत ठप है और ऐसे में मेडिकल सामान भेजना टेढ़ी खीर है। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने इसके लिए 166 श्रेणियों में कुल 1,431 चिकित्सा वस्तुओं की सूची तैयार की है।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इन चिकित्सा सामग्रियों का इस्तेमाल मरीजों की जांच, सर्जरी और इलाज के लिए किया जाएगा। सूची में एक्स-रे मशीन, स्टेथोस्कोप और ब्लड प्रेशर मॉनिटर जैसे जांच उपकरणों के अलावा ऑपरेशन टेबल तथा सर्जरी और उपचार में इस्तेमाल होने वाले अन्य चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। इनमें ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर यानी एईडी भी शामिल हैं।

दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के अनुसार, इस सहायता पैकेज को कोरिया फाउंडेशन फॉर इंटरनेशनल हेल्थकेयर और चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ सलाह-मशविरा करके तैयार किया गया है। इन उपकरणों की अनुमानित लागत करीब 6.75 मिलियन डॉलर है। इस चिकित्सा सहायता को उत्तर कोरिया तक पहुंचाने के लिए मई में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की उत्तर कोरिया प्रतिबंध समिति से प्रतिबंधों में छूट भी मिल चुकी है। हालांकि, सहायता भेजने की प्रक्रिया अभी उत्तर कोरियाई पक्ष के साथ बातचीत पर निर्भर है और जरूरत के मुताबिक सामान की सूची में बदलाव भी किया जा सकता है।

यह पहल ऐसे समय में सामने आई है जब सोल और प्योंगयांग के बीच संबंधों में तनाव बना हुआ है और दोनों देशों के बीच संवाद तथा आदान-प्रदान के चैनल लगभग निष्क्रिय हैं।

संक्षिप्त खबर

यमन के हूती विद्रोहियों ने रियाद और यानबू को बनाया निशाना

विश्व केसरी■



रियाद/सना। यमन के हूती समूह ने कहा है कि उसने सऊदी अरब की राजधानी रियाद और लाल सागर के तट पर स्थित बड़े औद्योगिक और ऊर्जा केंद्र यानबू को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। इसे दोनों पक्षों के बीच टकराव और अधिक बढ़ने की आशंका हो गई है। हूती के नियंत्रण वाले अल-मसीरा टीवी पर जारी एक बयान में हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारि?या ने कहा कि इन हमलों में 'बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन' का इस्तेमाल किया गया। सारिया के मुताबिक, पहले ऑपरेशन में रियाद के उन ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिन्हें उन्होंने 'संवेदनशील ठिकाने' बताया। दूसरे ऑपरेशन में यानबू में सऊदी तेल कंपनी अरामको की एक फैसिलिटी पर हमला किया गया। सारिया ने दावा किया कि? दोनों ऑपरेशन सफल रहे। उन्होंने कहा कि जिन जगहों को निशाना बनाया गया, वहां भीषण आग लग गई। हूती का यह बयान शनिवार को रियाद में दो बार धमाकों की आवाज सुनाई देने के बाद आया। दूसरी घटना के बाद राजधानी के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ उड़ानों में देरी भी हुई। सऊदी अधिकारियों ने इससे पहले रियाद के लिए हवाई हमले के खतरे का अलर्ट जारी किया था।

ऑस्ट्रेलिया में महिला और तीन मासूमों को चाकू से गोदा, एक की मौत

विश्व केसरी■



सिडनी। न्यू साउथ वेल्स में एक जाने-माने टूरिस्ट स्पॉट के पास रविवार को एक महिला और तीन बच्चे खून से लथपथ मिले। इनमें से एक बच्चे की मौत हो गई, वहीं दो बच्चों और महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक इनको चाकू से गोदा गया था। मामला ब्लू माउंटेन्स का है। एनएसडब्ल्यू पुलिस के अनुसार, रविवार को दोपहर 12:45 बजे सूचना मिलने के बाद, इमरजेंसी सर्विस को स्प्रिंगवुड के पास वैली हाइट्स में वाराताह रोड पर एक कार के अंदर तीन बच्चे और एक महिला लहूलुहान मिले। बच्चों में से एक की पहले ही मौत हो चुकी थी। माना जा रहा है कि सभी बच्चे पांच साल से कम उम्र के हैं और महिला 40 साल से ऊपर की है। पुलिस के अनुसार, छोटे बच्चों का इलाज वेस्टमीड चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में किया जा रहा है और महिला का इलाज वेस्टमीड हॉस्पिटल में हो रहा है। हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस को राहगीरों ने 'ट्रिपल जीरो' पर कॉल किया और एम्बुलेंस आने तक उन लोगों ने ही बच्चों और महिला को प्राथमिक उपचार दिया गया। घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी के पास घटना से संबंधित कोई भी जानकारी है तो उसे साझा करें। पुलिस ने ये भी कहा है कि क्राइम सीन के वक्त मौजूद अगर किसी भी शख्स के पास डैशकैम या फोन फुटेज है, तो वे स्प्रिंगवुड पुलिस स्टेशन से संपर्क कर सकते हैं।

कैलिफोर्निया में चुनावी रिकॉर्ड जब्त करना अब गंभीर अपराध, मध्यावधि चुनावों से पहले नए विधेयकों को मंजूरी

विश्व केसरी■



लॉस एंजिल्स। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 13 नए विधेयकों को मंजूरी दी है। इनका उद्देश्य मतपत्रों की सुरक्षा करना, डाक के जरिए होने वाली वोटिंग में बाधा रोकना, चुनावी रिकॉर्ड और वोटिंग मशीनों से छेड़छाड़ रोकना, चुनाव से जुड़े डेटा को सुरक्षित रखना और किसी भी तरह के दबाव, धमकी या गैरकानूनी हस्तक्षेप को रोकना होगा।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति चुनावों के बीच आयोजित किए जाते हैं। चुनावी प्रक्रियाओं का संचालन मुख्य रूप से राज्यों के कानूनों के तहत होता है, जबकि संघीय कानून देशभर के लिए कुछ मानक निर्धारित करते हैं।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, नए कानूनों में शामिल असेंबली बिल 282 के तहत चुनाव परिणामों के आधिकारिक प्रमाणन से पहले मतपत्रों, चुनावी रिकॉर्ड या प्रमाणित मतदान तकनीक को जब्त करना फेलोनी (गंभीर अपराध) माना जाएगा। वहीं सीनेट बिल 259 किसी अधिकारी या प्रभावशाली पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा किसी को डाक मतपत्र की डिलीवरी या उसे वापस भेजने की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के निर्देश देने को भी फेलोनी अपराध घोषित करता है।

इसके अलावा, असेंबली बिल 1664 स्थानीय एजेंसियों और चुनाव अधिकारियों को यह अनिवार्य करता है कि चुनावी रिकॉर्ड या प्रमाणित मतदान तकनीक से जुड़े किसी भी निर्दिष्ट कानून-प्रवर्तन कार्रवाई की जानकारी वे तुरंत राज्य प्रशासन को दें।

यह विधायी कदम कैलिफोर्निया और ट्रंप प्रशासन के बीच संघीय चुनावी नीतियों को लेकर चल रहे विवाद के बीच उठाया गया है। मार्च में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी कर संघीय एजेंसियों को मतदान आयु के सत्यापित नागरिकों की सूची राज्यों को उपलब्ध कराने और डाक मतपत्रों से संबंधित नए मानकों पर नियम बनाने का निर्देश दिया था।

उत्तर कोरिया ने दागी संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल: जापान अलर्ट

विश्व केसरी■



सोल। उत्तर कोरिया ने रविवार को एक बार फिर ईस्ट सी की ओर 'संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल' दागी। दक्षिण कोरिया और जापान ने इसकी पुष्टि की है। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलर्ट जारी करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया ने संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की है और इससे जुड़ी अतिरिक्त जानकारी जुटाई जा रही है।

जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक मिसाइल समुद्र में गिर गई। जापानी मीडिया ने बताया कि इसका संभावित गिरने का स्थान जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के बाहर था। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने भी कहा कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी समुद्र की ओर एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल दागा। शुरुआती तौर पर मिसाइल की सटीक दूरी, ऊंचाई और उड़ान पथ की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई थी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने प्रक्षेपण के बाद एक बयान जारी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे साझा किया गया। बयान के अनुसार, अधिकारियों से उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर नजर रखने और संभावित अतिरिक्त प्रक्षेपणों के लिए तैयार रहने को कहा गया। संबंधित अधिकारियों को सूचना जुटाने और उसका विश्लेषण करने के साथ-साथ विमान और जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आपात स्थिति के लिए तैयार रहने और जनता को समय पर उचित जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

बाद की रिपोर्टों में दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने इसे कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल बताया और कहा कि प्रक्षेपण उत्तर कोरिया के पूर्वी तट के वॉनसान क्षेत्र से हुआ था।

पाकिस्तान की फ्यूल रिलीफ स्कीम में अहम बदलाव, सस्ता पेट्रोल लेने के लिए मिलेंगे 2000 रुपए के चार टोकन

विश्व केसरी■



इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई के बीच सरकार ने लोगों को बड़ी राहत देते हुए प्रधानमंत्री फ्यूल रिलीफ स्कीम में कई बदलाव किए हैं। साथ ही एसएमएस शुल्क भी खत्म कर दिया है। प्रधानमंत्री फ्यूल रिलीफ स्कीम का उद्देश्य पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता देना है। शुरुआत में इस योजना के तहत पात्र मोटरसाइकिल, रिक्शा और छोटी कारों के मालिकों को सीमित मात्रा में पेट्रोल पर 100 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर की राहत दी जाती है। दो और तीन पहिया वाहनों के लिए राहत की सीमा 20 लीटर प्रतिमाह है, जबकि 800 सीसी तक की कारों के लिए यह 30 लीटर प्रतिमाह है।

पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने शनिवार को इन बदलावों का ऐलान किया। मीडिया ब्रीफिंग में आईटी और टेलीकम्युनिकेशन मंत्री शाजा फातिमा ख्वाजा ने बताया कि दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए प्रति टोकन 500 रुपए की राहत सीमा को समाप्त कर दिया गया है।

दोपहिया और तिपहिया वाहन उपयोगकर्ता अब हर महीने चार टोकन प्राप्त कर सकेंगे। प्रत्येक टोकन पर 500 रुपए की राहत मिलेगी। उदाहरण देते हुए मंत्री ने कहा कि यदि दो लीटर पेट्रोल की कीमत 780 रुपए है, तो 500 रुपए के राहत टोकन का उपयोग करने के बाद लाभार्थी को केवल 280 रुपए का भुगतान करना होगा।

इसके साथ ही स्कीम में एक और बड़ा बदलाव एसएमएस शुल्क पूरी तरह खत्म करना है। अब एसएमएस सभी के लिए मुफ्त होगा, चाहे किसी के पास 800 सीसी की कार हो या फिर दो या तीन पहिया वाहन।

उनके अनुसार, शनिवार को दोपहर 3 बजे तक इस योजना के तहत 17.5 लाख से अधिक लोगों ने पंजीकरण करा लिया है।

बातचीत का रास्ता खुला लेकिन समय आने पर पूरी सैन्य ताकत से देंगे 'जवाब' : गालिबाफ

विश्व केसरी■



तेहरान। अमेरिका के साथ करीब सात महीने से जारी युद्ध के बीच ईरान ने एक ओर बातचीत का रास्ता खुला रखने का संकेत दिया है, तो दूसरी ओर सैन्य कार्रवाई के लिए अपनी तैयारी भी स्पष्ट कर दी है। रविवार को ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने ये बातें कही।

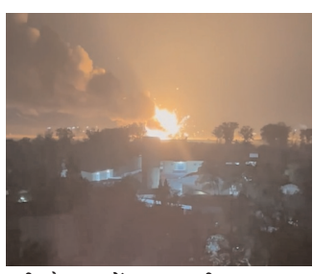
तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, गालिबाफ ने कहा कि मौजूदा स्थिति में ईरान को 'लड़ना भी है और बातचीत भी करनी है' और निर्णायक समय आने पर अपनी पूरी सैन्य ताकत के साथ दुश्मन को पीछे धकेलते हुए उसे 'भयंकर झटके' देने होंगे।

संसदीय सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'जब युद्ध के मैदान में महत्वपूर्ण सफलता हासिल हो जाए और दुश्मन कमजोर स्थिति में पहुंच जाए, तब कूटनीति के जरिए इन सैन्य उपलब्धियों को मजबूत किया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'बातचीत को लेकर ईरान की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट, तार्किक और अपरिवर्तनीय है। अमेरिका द्वारा अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा किए जाने तक होर्मुज खुलने की संभावना नहीं है।' इससे पहले भी ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि जलडमरूमध्य को खोलने का फैसला अमेरिकी कदमों और तेहरान की शर्तों की पूर्ति से जुड़ा होगा। ईरान का यह रुख ऐसे समय सामने आया है जब कतर और पाकिस्तान के मध्यस्थों के जरिए तेहरान और वाशिंगटन के बीच बातचीत दोबारा शुरू कराने की कोशिशें चल रही हैं। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका के साथ किसी औपचारिक बातचीत की शुरुआत से पहले तेहरान ने सात शर्तें रखी हैं। इन सभी शर्तों को सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन ईरान की प्रमुख मांगों में युद्ध समाप्त करना, फ्रीज ईरानी फंड को जारी करना और अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल बताया गया है।

रूसी हमलों के जवाब में यूक्रेन की कार्रवाई, तेल संयंत्र और लॉजिस्टिक्स ठिकानों को बनाया निशाना

विश्व केसरी■



मॉस्को। रूसी हमलों के जवाब में यूक्रेन ने भी जवाबी कार्रवाई को अंजाम दिया। यूक्रेन रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यूक्रेन ने जवाबी कार्रवाई में लंबी दूरी तक निशाना साधने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल कर रूस के प्रमुख तेल उद्योग संयंत्र और लॉजिस्टिक्स ठिकाने को निशाना बनाया।

मंत्रालय ने बताया कि ये वहीं ठिकाने हैं जो रूस को युद्ध जारी रखने में मदद करती हैं। यहां से होने वाली अरबों की कमाई का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में किया जाता है।

रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कल रात मॉस्को क्षेत्र में हमारे लंबी दूरी के हमलों का काफी बड़ा असर हुआ। रूस के तेल उद्योग के एक अहम ठिकाने और हमलावर देश के एक लॉजिस्टिक्स ठिकाने को निशाना बनाया गया। ये ऐसे ठिकाने हैं, जिनसे अरबों डॉलर की कमाई होती है और उसी पैसे से युद्ध की मशीनरी चलती है।''

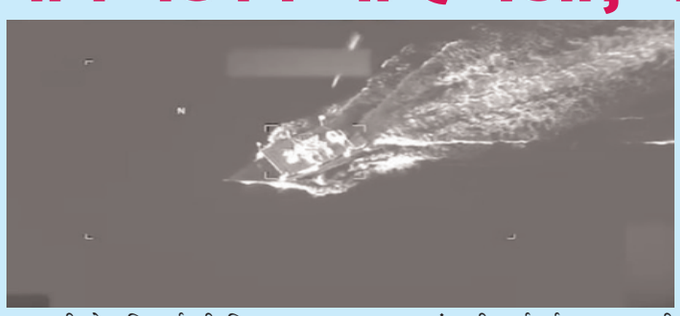
मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों में एफपी-1, आरजेड-100, मीच-2000, पालियानित्सिया, वेंडेटा, ल्युटी, बार्स, फ्लेमिंगो, सिचेन और पेलिकन सिस्टम का इस्तेमाल किया गया।

मंत्रालय ने सफल कार्रवाई के लिए जवानों को धन्यवाद दिया। इसमें यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने अनमैन्ड सिस्टम्स फोर्सेज, स्पेशल ऑपरेशंस फोर्सेज, यूक्रेन की डिफेंस इंटेलिजेंस और फॉरेन इंटेलिजेंस सर्विस के साथ मिलकर काम किया। वोरोनेझ क्षेत्र में एक ठिकाने पर पाबंदियां भी लगाई गईं।

यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि? मॉस्को को अपना यह क्रूर युद्ध खत्म करना चाहिए और दूसरे इलाकों की कीमत पर हवाई सुरक्षा की कई परतें खड़ी करने के बजाय शांति का रास्ता चुनना चाहिए।

कैरेबियन क्षेत्र में अमेरिकी सेना ने ड्रग्स तस्करी में शामिल नाव पर किया हमला, चार की मौत

विश्व केसरी■



वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना ने ड्रग्स की तस्करी मामले में इस बार कैरेबियन क्षेत्र में कार्रवाई को अंजाम दिया। अमेरिकी साउथ कमांड (साउथकॉम) के निर्देश पर फोर्स ने तस्करी में शामि?ल एक नाव को निशान बनाया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई।

साउथकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''शनिवार को जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर ने कैरेबियन क्षेत्र में ड्रग्स की तस्करी के लिए इस्तेमाल होने वाले तय रास्तों पर चल रही एक तेज रफ्तार नाव पर सैन्य हमला किया।'' अमेरिकी साउथ कमांड के बयान अनुसार, खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई थी कि यह नाव ड्रग्स की तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल थी। इस कार्रवाई में चार लोगों की मौत हुई, जिन्हें बयान में 'नार्को-टेररिस्ट' यानी ड्रग्स की तस्करी से जुड़े आतंकवादी बताया गया है।

ड्रग तस्करी को लेकर अमेरिकी साउथ कमांड की कार्रवाई लगातार जारी है। इससे पहले बुधवार को भी अमेरिकी साउथ कमांड (साउथकॉम) के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर (जेटीएफ-डब्ल्यूएचईएम) की टीम ने फ्लोटिंग रिफ्यूलिंग स्टेशन पर कार्रवाई की थी । साउथकॉम ने बताया, ''बुधवार को साउथकॉम के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर (जेटीएफ-डब्ल्यूएचईएम) की टीम ने पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्री ड्रग तस्करी में इस्तेमाल हो रहे एक तैरते हुए ईंधन आपूर्ति केंद्र (फ्लोटिंग रिफ्यूलिंग स्टेशन) को सफलतापूर्वक रोक लिया।''

उससे पहले मंगलवार को भी अमेरिकी साउथ कमांड (साउथकॉम) ने पूर्वी प्रशांत महासागर में नशा तस्करी के खिलाफ एक और कार्रवाई को अंजाम दिया। साउथकॉम के नि?र्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर (जेटीएफ-डब्ल्यूएचईएम) की टीम ने फ्लोटिंग रिफ्यूलिंग स्टेशन को डुबो दिया।

भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराया, फाइनल में श्रीलंका से सामना



विश्व केसरी ■

निशिन। एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट इवेंट में महिला एशिया कप 2026 की पुनरावृत्ति हो गई है। महिला एशिया कप 2026 की तरह ही एशियन गेम्स 2026 महिला क्रिकेट का फाइनल मुकाबला भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच होगा। रविवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम इंडिया ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। शेफाली ने मात्र 49 गेंदों पर शतक लगाया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक था।

शेफाली ने 49 गेंदों पर 9 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही शेफाली ने मंधाना के सबसे तेज टी20 शतक के भारतीय महिला क्रिकेटर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में ही शतक लगाया था।

शेफाली के अलावा, स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 37 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 40 रन की पारी खेली।

बांग्लादेश के लिए मारूफा अख्तर, संजीदा अख्तर, राबिया खान और नाहिदा अख्तर ने 1-1 विकेट लिए।

196 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की पूरी टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर सिमट गई। सर्वाधिक 24 रन ओपनर दिलारा अख्तर ने बनाए।

भारतीय टीम की तरफ से नंदिनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट लिए। श्री चरणी को 2 विकेट मिला। क्रांति गौड़ और श्रेयांका पाटिल ने 1-1 विकेट लिए। भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मुकाबला खेलेगी। फाइनल मंगलवार को भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 से खेला जाएगा। श्रीलंका ने रविवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था।

एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट में कांस्य पदक के लिए पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच मुकाबला होगा। ये मुकाबला भी मंगलवार को भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 से खेला जाएगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया



विश्व केसरी ■

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को गिफू प्रीफेचुरल ग्रीन स्टेडियम में अपने पूल बी के पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 19-0 से रौंदकर एशियन गेम्स 2026 में अपने सफर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की।

भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी स्टार बनकर दीपिका उभरीं। दीपिका ने 8 गोल किए। इसके अलावा, इशिका ने 3, लालथंतलुआंगी और नेहा ने 2-2 गोल किए। बलजीत कौर, नवनीत कौर, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने 1-1 गोल किया। दीपिका की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने जोरदार प्रदर्शन किया, और हाफ-टाइम तक वे उज्बेकिस्तान के खिलाफ 8-0 से आगे थीं। ब्रेक के बाद, भारत उज्बेकिस्तान को गोल करने का कोई मौका नहीं देने के मूड में नहीं लग रहा था, और दीपिका एक बार फिर अपने सबसे अच्छे फॉर्म में थीं, उन्होंने लगातार चार गोल करके भारत की बढ़त को 13-0 कर दिया।

फिर इशिका, ललथंतलुआंगी, साक्षी और नवनीत भी टीम में शामिल हुईं, उन्होंने उज्बेकिस्तान की सारी उम्मीदें खत्म कर दीं और 19-0 से जबरदस्त जीत हासिल करके अपने कैंपेन की शानदार शुरुआत की। उज्बेकिस्तान के साथ यह मुकाबला सविता पुनिया का 320वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था। वह वंदना कटारिया के साथ सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी बन गईं। बलजीत के करियर का यह 50वां मुकाबला था।

भारतीय महिलाएं एफआईएच हॉकी महिला वर्ल्ड कप 2026 में ऐतिहासिक पांचवें स्थान पर रहने के बाद काफी जोश के साथ एशियन गेम्स में पहुंचीं हैं।

कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में भारतीय महिला हॉकी टीम 2023 एशियन गेम्स में जीते कांस्य पदक को स्वर्ण पदक में बदलने की कोशिश करेगी। भारत का अगला मैच सोमवार को इंडोनेशिया से होगा।

एशियन गेम्स हॉकी टीमों के लिए लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक गेम्स में जगह बनाने के लिए भी बेहद अहम है।



क्विम्सी डिसूजा टेकबॉल के कांस्य पदक मुकाबले में जापान की साकामोटो से हारीं



विश्व केसरी ■

नागोया। भारत की क्विम्सी डिसूजा रविवार को एशियन गेम्स में महिलाओं के एकल टेकबॉल इवेंट में कांस्य पदक से चूक गईं। उन्हें जापान की युइना साकामोटो से करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

घरेलू पसंदीदा और दुनिया की नंबर 7 खिलाड़ी के खिलाफ खेलते हुए, क्विम्सी ने शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन वह अपनी वापसी को जीत में नहीं बदल सकीं। साकामोटो ने निर्णायक मुकाबलों में अपना धैर्य बनाए रखा और सेट 12-11 से जीत लिया।

क्विम्सी 3-6 और बाद में 7-9 से पीछे थीं, लेकिन फिर उन्होंने जबरदस्त वापसी की। वह 11-10 से आगे हो गईं, लेकिन साकामोटो ने स्कोर बराबर कर दिया और फिर आखिरी पॉइंट हासिल करके सेट जीत लिया।

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे सेट की जोरदार शुरुआत की और ऐसा लग रहा था कि वह एक निर्णायक सेट के लिए तैयार हैं। क्विम्सी ने 6-3 की बढ़त बनाई और बाद में 10-7 से आगे हो गईं, लेकिन सकामोटो का अनुभव एक बार फिर सामने आया।

जापानी खिलाड़ी ने धीरे-धीरे कमी को कम किया, क्विम्सी पर दबाव बनाने के लिए कई तरह के स्मार्ट टच और शॉट का इस्तेमाल किया। आखिरकार वह 10-10 से बराबर हो गईं, और फिर आखिरी गेम में बढ़त बनाकर कांस्य पदक सुनिश्चित किया।

कजाकिस्तान को 3-0 से मात देकर भारतीय महिला बैडमिंटन टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

विश्व केसरी ■

इचिनोमिया। भारत ने 'एशियन गेम्स 2026' में महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के 'राउंड ऑफ 16' में कजाकिस्तान को 3-0 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पीवी सिंधु और उन्नति हुड्डा के शुरुआती दो मैच सीधे गेम में जीतने के बाद, तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा को शिकस्त देकर जीत का सिलसिला पूरा किया।

मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना जापान से होगा, जिसे पहले राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में प्रवेश) मिला था। इसे जीतने वाला देश सेमीफाइनल में प्रवेश के साथ मेडल भी पक्का कर लेगा।

दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने कामिला स्मागुलोवा को आसानी से 21-7, 21-9 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मुकाबला 24 मिनट तक चला।

इसके बाद उन्नति हुड्डा ने एलिसा कुलेशोवा को 21-7, 21-10 से मात देकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। यह मुकाबला 22 मिनट में खत्म हुआ। वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी ने डायना नामेनोवा को सिर्फ 19 मिनट तक चले मुकाबले में 21-5, 21-10 से शिकस्त देकर जीत पूरी की।

क्वार्टर फाइनल में जापान के खिलाफ कड़े सिंगल्स मुकाबले हो सकते हैं, जिसमें पीवी सिंधु का सामना अकाने यामागुची से और उन्नति हुड्डा का सामना टोमोका मियाजाकी से हो सकता है। वहीं, डबल्स में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद



का मुकाबला जापान की बेहतरीन जोड़ियों से हो सकता है, जिनमें युकी फुकुशिमा-मायु मात्सुमोतो और की नाकानिशी-सुजू इवाना शामिल हैं।

एशियन गेम्स में भारतीय महिला टीम ने अब तक डबल्स में सिर्फ एक ही मेडल अपने नाम किया है। टीम ने एशियन गेम्स 2014 में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था। 2023 के एडिशन में, भारतीय महिला टीम को क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

आखिर में, पिछले एडिशन की सिल्वर मेडलिस्ट पुरुष टीम सोमवार को 'राउंड ऑफ 16' में बांग्लादेश से भिड़ेगी।

हांगझोऊ में, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भारत के लिए एशियन गेम्स बैडमिंटन का पहला गोल्ड मेडल जीता, जबकि एचएस प्रणॉय ने पुरुष सिंगल्स में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था। मौजूदा उपविजेता टीम क्वार्टर फाइनल में जापान से भिड़ सकती है, जिससे लक्ष्य सेन और कोडाई नाराओका के बीच एक रोमांचक एकल मुकाबला देखने को मिल सकता है। वहीं, आयुष शेट्टी का सामना युशी तनाका से हो सकता है। मेंस डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भिड़ंत जापान की हिरोकी ओकामुरा और ताकुरो होकी की जोड़ी से हो सकती है।

दुनिया के पहले कॉरपोरेट वर्ल्ड कप का आधिकारिक शुभारंभ



गुरुग्राम ■ आभास राज गुप्ता

दुनिया के पहले वैश्विक कॉरपोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट कॉरपोरेट वर्ल्ड कप का रविवार को गुरुग्राम में आधिकारिक शुभारंभ किया गया। इस पहल के तहत 24 शहरों की 192 कॉरपोरेट टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी और शीर्ष टीमें जुलाई 2027 में होने वाले पहले कॉरपोरेट वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी।

इस टूर्नामेंट का आयोजन प्रो कॉरपोरेट लीग द्वारा किया जा रहा है, जिसे कॉरपोरेट क्रिकेट के क्षेत्र में 15 वर्षों का अनुभव है। इसी अनुभव को वैश्विक स्तर पर विस्तार देते हुए कॉरपोरेट वर्ल्ड कप की शुरुआत की गई है।

शुभारंभ समारोह में श्रीलंका के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर और कॉरपोरेट वर्ल्ड कप के ग्लोबल एंबेसडर सनथ जयसूर्या, संस्थापक सचिन गुप्ता, अगम प्रभात और जयदीप प्रताप मौजूद रहे।

टूर्नामेंट में 24 शहरों से कुल 192 टीमें हिस्सा लेंगी, यानी प्रत्येक शहर से आठ टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। शहर स्तर की प्रतियोगिताओं के बाद प्रत्येक शहर की शीर्ष दो टीमें जुलाई 2027 में होने वाले ग्रैंड कॉरपोरेट वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। पूरे आयोजन में कुल 864 मैच खेले जाएंगे। इस अवसर पर सनथ जयसूर्या ने कहा, 'क्रिकेट हमेशा से लोगों को एक साथ जोड़ने का माध्यम रहा है। कॉरपोरेट वर्ल्ड कप इस भावना को कार्यस्थलों और व्यवसायों तक ले जाने की एक अनूठी पहल है। मैं ऐसी प्रतियोगिता से जुड़कर खुश हूं, जो क्रिकेट के माध्यम से टीमवर्क, नेतृत्व और जुनून को बढ़ावा देती है।

भारतीय महिला टीम ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीता

विश्व केसरी ■

आइची। भारत की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम ने रविवार को रजत पदक जीता। एशियन गेम्स 2026 में भारत का यह पहला पदक है।

एलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदरसा कोचलुमकल की तिकड़ी ने यहां आइची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में 16 टीमों के इवेंट में 1897 पॉइंट्स जमा किए और चीन के बाद दूसरे स्थान पर रही।

चीन ने 1904.2 के वर्ल्ड-रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मेजबान जापान 1897.1 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रही और कांस्य पदक जीता।

इस बीच, भारत की एलावेनिल और सोनम भी व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन के बाद व्यक्तिगत इवेंट के फाइनल में पहुंच गई हैं। सोनम 57 एथलीट फील्ड में तीसरे स्थान पर रहीं और उन्होंने 634.1 पॉइंट्स बनाए, जबकि एलावेनिल 633.5 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहीं। तीसरी भारतीय, विदरसा, 630.4 के स्कोर के साथ 12वें स्थान पर रहीं।



पहली सीरीज के आखिर में, तीनों ने मिलकर 316.9 पॉइंट्स बनाए। दूसरी सीरीज में उन्होंने 316.8 पॉइंट्स बनाए, जबकि तीसरी सीरीज में उन्होंने और भी बेहतर प्रदर्शन किया। तीनों ने मिलकर 317.9 पॉइंट्स बनाए और शानदार प्रदर्शन करते हुए 951.6 पॉइंट्स बनाए।

चौथी सीरीज के आखिर में, भारतीय तीनों ने चौथी सीरीज में 316.2 पॉइंट्स जमा करके 1267.8 पॉइंट्स बनाए।

वे आखिरी से पहले पांचवीं सीरीज में पिछड़ गए और 314.8 का स्कोर बनाया, फिर आखिरी सीरीज में 315.4 का स्कोर बनाकर 1898 पर खत्म किया, जो तीसरे नंबर पर मौजूद जापान से 0.9 ज्यादा था।

वालारिवन आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता हैं।

उन्होंने 2019 और 2023 वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीता है। सोनम आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में ट्रिपल रजत पदक जीता।

भारतीय शूटर्स ने 2023 एशियन गेम्स में रिकॉर्ड 22 मेडल जीते थे, जिसमें 7 स्वर्ण, 9 रजत और 6 कांस्य पदक शामिल हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इंडोनेशिया को 13-1 से हराया

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत ने रविवार को पूल ए के अपने पहले मुकाबले में इंडोनेशिया को 13-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स 2026 में अपने खिताब के बचाव अभियान की जोरदार शुरुआत की।

भारतीय टीम की तरफ से 8 खिलाड़ियों ने गोल किया। सर्वाधिक 4 गोल दिलप्रीत सिंह ने किया। भारत ने तेज शुरुआत की, शिलानंद लाकड़ा ने छठे मिनट में हरमनप्रीत सिंह के सेव किए गए ड्रैग-फ्लिक पर रिबाउंड को गोल में बदला। अभिषेक ने 12वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। भारत ने ब्रेक तक मोमेंटम बनाए रखा और पहले क्वार्टर को 2-0 की बढ़त के साथ खत्म किया।

दूसरे क्वार्टर में दिलप्रीत सिंह ने 18वें और 19वें में मिनट में गोल करते हुए अपना खाता खोला। राजिंदर सिंह ने भी 19वें और मंदीप सिंह ने 21वें मिनट में गोल दागा।

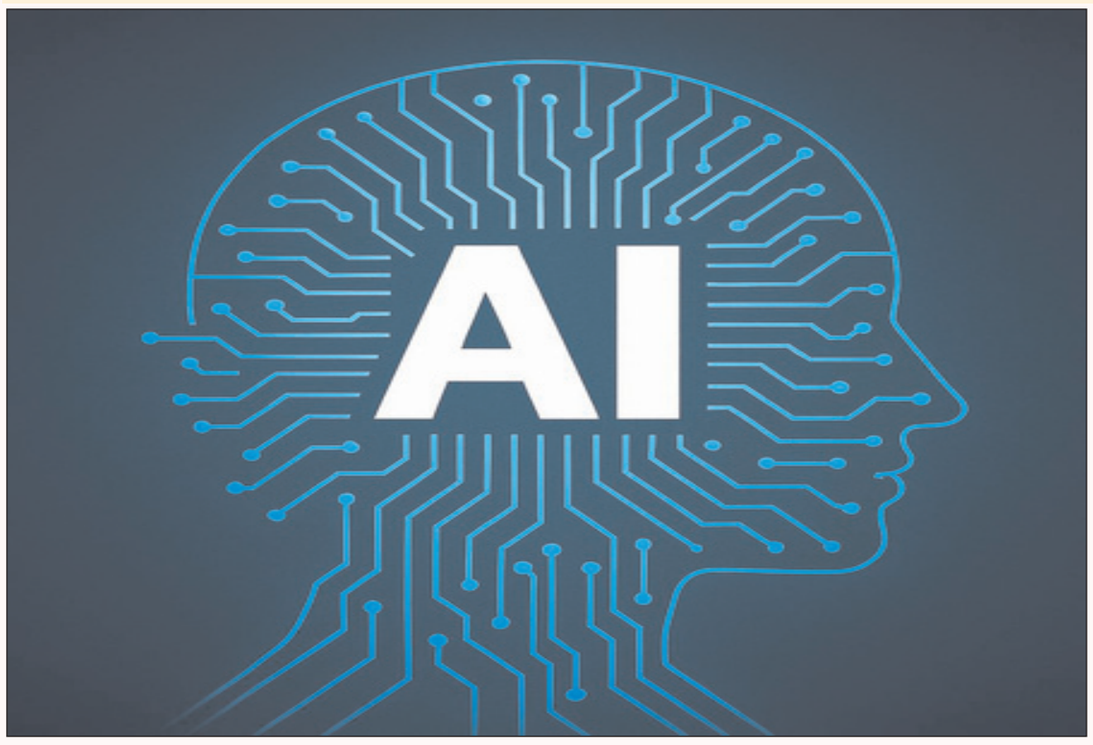
हरमनप्रीत सिंह ने 28वें मिनट



में एक पेनल्टी कॉर्नर स्ट्राइक किया, हालांकि इससे पहले फजर ने अपने दाईं ओर डाइव लगाकर एक पेनल्टी स्ट्रोक बचाया था। भारत ने हाफ-टाइम ब्रेक में 7-0 की बढ़त बना ली थी। इंडोनेशिया ने मैच का अपना पहला गोल तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही किया जब कप्तान औलिया अल अर्द ने 33वें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिससे वीडियो रेफरल से इंडोनेशिया के पक्ष में फैसला आने के बाद स्कोर 7-1 हो गया।

भारत ने इस झटके का तुरंत जवाब दिया, शिलानंद लाकड़ा ने मैच का अपना दूसरा गोल (35वें मिनट) किया और दिलप्रीत सिंह ने अपनी हैट्रिक (37वें मिनट) पूरी की। इसके बाद सुखजीत सिंह ने 38वें मिनट में गोल करके तीसरे क्वार्टर के आखिर तक भारत की बढ़त 10-1 तक कर दिया।

एआई के बढ़ते इस्तेमाल से चीन में युवाओं की नौकरियों पर मंडराया खतरा



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल से काम करने के तौर-तरीके बदल रहे हैं। इससे प्रोडक्टिविटी तो बढ़ रही है, लेकिन नौकरियां जाने का डर भी बढ़ गया है, खासकर युवाओं में।

क्वार्ट्ज की रिपोर्ट के अनुसार, जैसे-जैसे बीजिंग अर्थव्यवस्था के लगभग हर सेक्टर में एआई को शामिल करने की कोशिश कर रहा है, इसका असर सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट से लेकर डिलीवरी सर्विस तक हर क्षेत्र में कर्मचारियों पर दिखने लगा है।

इनमें से एक हैं बीजिंग के प्रोग्रामर फेई झाओजुन, जिन्होंने अपनी नौकरी तब गंवा दी जब उनकी कंपनी ने यह देखना शुरू किया कि क्या एआई इंसानों वाले कोडिंग के काम कर सकता है। फेई उन करीब 160 कर्मचारियों में से थे जिनकी कंपनी में छंटनी के दौरान नौकरी चली गई।

उन्होंने कहा कि एआई की क्षमता लगातार बेहतर हो रही है और कई मिड-लेवल प्रोग्रामिंग की नौकरियां अब आसानी से बदली जा सकती हैं। नौकरी जाने के बाद फेई ने टेक इंडस्ट्री से दूरी बना ली है और अब शॉर्ट वीडियो बना रहे हैं, साथ ही अगले करियर के बारे में सोच रहे हैं।

चीन में एआई अपनाने की रफ्तार हैरान करने वाली है। मार्केट इंटेलिजेंस फर्म आईडीसी के अनुसार, 2024 में 10 प्रतिशत से भी कम चीनी औद्योगिक कंपनियां एआई मॉडल और एजेंट का इस्तेमाल कर रही थीं। पिछले साल यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 50 प्रतिशत हो गया। यह दिखाता है कि कंपनियां कितनी तेजी से खर्च कम करने और काम तेज करने के लिए इस तकनीक को अपना रही हैं।

इस बदलाव का असर रोजमर्रा की जिंदगी में भी दिख रहा है। लॉजिस्टिक्स में ह्यूमनॉइड रोबोट लगाए जा रहे हैं, जिनमें पार्सल छांटने की सुविधा भी शामिल है, जबकि स्वायत्त मशीनें ट्रैफिक मैनेजमेंट जैसे काम करने लगी हैं। शहरों में फूड डिलीवरी रोबोट भी आम होते जा रहे हैं, जिससे डिलीवरी से जुड़ी सेवाओं में लगे लाखों कर्मचारियों के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ रही है।

लेबर मार्केट पर इसका असर ऐसे समय में हो रहा है, जब चीन के युवाओं के लिए पहले से ही मुश्किलें हैं। देश में शहरी बेरोजगारी दर लगभग 5 प्रतिशत है, लेकिन 16 से 24 साल के उन युवाओं में बेरोजगारी काफी ज्यादा है जो पढ़ाई नहीं कर रहे हैं। यह राष्ट्रीय औसत से लगभग तीन गुना है। जानकारों का कहना है कि बड़े पैमाने पर ऑटोमेशन से युवाओं के लिए स्थिर नौकरी पाना और भी मुश्किल हो सकता है।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि एआई के फायदे तो साफ हैं, लेकिन यह बदलाव बड़े सामाजिक परिणाम ला सकता है।

क्यों जरूरी है खाने में विविधता? आयुर्वेद से जानिए परफेक्ट थाली का सीक्रेट



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अच्छी सेहत के लिए सिर्फ पेट भरना ही काफी नहीं है, बल्कि खाने में पोषण और विविधता होना भी जरूरी है। आयुर्वेद में भी संतुलित और पौष्टिक आहार को स्वस्थ जीवन का अहम हिस्सा माना गया है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए आयुष मंत्रालय ने लोगों को रोजाना के भोजन में अलग-अलग खाद्य समूहों को शामिल करने की सलाह दी है।

आयुर्वेद दिवस 2026 की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' रखी गई है और यह 23 सितंबर को मनाया जाएगा। इस मौके पर आयुष मंत्रालय की ओर से खान-पान को लेकर भी जागरूक किया जा रहा है। मंत्रालय के मुताबिक, रोज के भोजन में अलग-अलग तरह के खाद्य पदार्थ शामिल करने के साथ मौसम और क्षेत्र के अनुसार मिलने वाले खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

हमारी रोज की थाली में अनाज की अहम भूमिका होती है। लेकिन हर दिन एक ही अनाज खाने के बजाय अलग-अलग अनाजों को भोजन का हिस्सा बनाना चाहिए। गेहूं और चावल के अलावा ज्वार, बाजरा, जौ, रागी, मक्का और कोदो जैसे अनाज भी आहार में शामिल किए जा सकते हैं।

दालें और फलियां भारतीय भोजन का अहम हिस्सा हैं। आयुष मंत्रालय ने आहार में अलग-अलग तरह की दालों और फलियों को शामिल करने पर जोर दिया है। मूंग, काला चना, मोठ, मसूर, अरहर, राजमा और चना जैसे विकल्पों को अपनी डाइट में जगह दी जा सकती है। इन्हें दाल, सब्जी, सलाद या अन्य पारंपरिक व्यंजनों के रूप में भोजन का हिस्सा बनाया जा सकता है।

आयुर्वेद में मौसम और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार भोजन करने की परंपरा रही है। इसलिए कोशिश करें कि अपने क्षेत्र में मौसम के दौरान आसानी से उपलब्ध ताजे फल और सब्जियों को भोजन में शामिल करें। पालक, मेथी, गाजर, कद्दू, केला, सेब और अनार जैसे फल-सब्जियां शामिल की जा सकती हैं।

भारतीय रसोई में मसालों का इस्तेमाल सिर्फ स्वाद बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि पारंपरिक भोजन का अहम हिस्सा भी रहा है। जीरा, दालचीनी, सोंठ, लहसुन, इलायची, अजवाइन, हल्दी और काली मिर्च जैसे मसालों को उचित मात्रा में रोज के भोजन में इस्तेमाल किया जा सकता है।

विश्व अल्जाइमर दिवस 2026: जितनी जल्दी पहचान, उतनी बेहतर देखभाल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अल्जाइमर एक ऐसी बीमारी है, जिसमें धीरे-धीरे याददाश्त, सोचने-समझने और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता प्रभावित होने लगती है। कई बार शुरुआती लक्षणों को लोग उम्र बढ़ने का सामान्य हिस्सा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। समय रहते बदलावों को पहचानना और डॉक्टर से सलाह लेना आगे की देखभाल और सहायता की योजना बनाने में मदद कर सकता है।

अल्जाइमर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर वर्ष 21 सितंबर को विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है। जितनी जल्दी आपको बीमारी के बारे में पता चलेगा, उतना ही बेहतर तरीके से आगे की तैयारी और जरूरी सहायता की जा सकती है। इसलिए इसके शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

अल्जाइमर और डिमेंशिया के शुरुआती संकेत हर व्यक्ति में अलग हो सकते हैं, लेकिन कुछ सामान्य बदलावों पर ध्यान देना जरूरी है। जैसे व्यक्ति को समय या जगह को



लेकर भ्रम होने लगना, रोजमर्रा की योजना बनाने या किसी समस्या को हल करने में परेशानी होना और पहले से आसानी से किए जाने वाले परिचित कामों को करने में कठिनाई महसूस होना।

इसी तरह ऐसी याददाश्त की कमी, जो रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगे, भी महत्वपूर्ण संकेत हो सकती है। कुछ लोग काम या सामाजिक गतिविधियों से धीरे-धीरे दूरी बनाने लगते हैं। ऐसे बदलाव दिखाई दें तो उन्हें केवल बढ़ती उम्र का असर मानने के बजाय स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है।

अल्जाइमर से बचाव के लिए शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से सक्रिय रहना जरूरी है। नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। रोजाना टहलना, योग या अपनी क्षमता के अनुसार दूसरी शारीरिक गतिविधियां शरीर के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी हैं।

अपने दोस्तों और परिवार के साथ मजबूत सामाजिक जुड़ाव बनाए रखें। बातचीत करना, लोगों से मिलना-जुलना और सामूहिक गतिविधियों में शामिल होना व्यक्ति को मानसिक और भावनात्मक रूप से सक्रिय रख सकता है।

खाने में फल और सब्जियों सहित संतुलित और पौष्टिक आहार को प्राथमिकता दें। साथ ही पर्याप्त और नियमित नींद लेना भी जरूरी है। कोशिश करें कि सोने और जागने का समय लगभग तय रहे।

दिमाग को सक्रिय रखने के लिए नई चीजें सीखते रहें। किताब पढ़ना, कोई नया कौशल सीखना, संगीत या रचनात्मक गतिविधियों में रुचि लेना जैसे काम मानसिक सक्रियता बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ऐसी गतिविधियों के लिए भी समय निकालें, जिनसे आपको खुशी और संतुष्टि मिलती है।

हाई ब्लड प्रेशर को न करें नजरअंदाज, इन आसान आदतों से रखें इसे कंट्रोल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) ऐसी समस्या है, जो कई बार बिना किसी स्पष्ट लक्षण के लंबे समय तक शरीर में बनी रह सकती है। व्यक्ति रोजमर्रा का काम सामान्य तरीके से करता रहता है और उसे महसूस भी नहीं होता कि बढ़ा हुआ रक्तचाप धीरे-धीरे उसके दिल, रक्त वाहिकाओं और किडनी पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है। यही वजह है कि हाई ब्लड प्रेशर को अक्सर 'साइलेंट किलर' कहा जाता है।

हाई ब्लड प्रेशर का पता लगाने का सबसे आसान तरीका नियमित रूप से रक्तचाप की जांच करना है। खासकर जिन लोगों को पहले से उच्च रक्तचाप है, उन्हें डॉक्टर की सलाह के अनुसार इसकी निगरानी करते रहना चाहिए। नियमित जांच से ब्लड प्रेशर में होने वाले बदलावों पर समय रहते ध्यान दिया जा सकता है।



शारीरिक रूप से सक्रिय रहना स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने में मदद कर सकता है। रोज करीब 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि, जैसे तेज चाल से चलना, साइकिल चलाना या अपनी क्षमता के अनुसार व्यायाम, दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है। लंबे समय तक बैठे रहने की आदत को भी कम करने की कोशिश करें।

ज्यादा नमक का सेवन रक्तचाप बढ़ सकता है। इसलिए खाने में नमक की मात्रा कम करना जरूरी है। संतुलित आहार लें तथा संतृप्त और ट्रांसफैट वाले खाद्य पदार्थों का सेवन कम करें। फल, सब्जियां और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

अगर डॉक्टर ने हाई ब्लड प्रेशर की दवा लिखी है, तो उसे अपनी मर्जी से बंद या कम नहीं करना चाहिए। दवा निर्धारित समय और मात्रा में लेना जरूरी है।

कई बार ब्लड प्रेशर सामान्य आने पर लोग दवा छोड़ देते हैं, लेकिन ऐसा करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

इसके अलावा, धूम्रपान और अन्य तंबाकू उत्पादों से दूरी बनाना दिल और रक्त वाहिकाओं की सेहत के लिए महत्वपूर्ण है। शराब का सेवन करते हैं तो उसे कम करना भी जरूरी है। इसके साथ ही तनाव को कम करने के लिए पर्याप्त नींद, आराम और अपनी पसंद की स्वस्थ गतिविधियों को दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है।

तेलंगाना: डिवाइडर से टकराने के बाद कार में लगी आग, डॉक्टर की मौत

विश्व केसरी ■

हैदराबाद। तेलंगाना के जनपद सूर्यापेट में रविवार को टक्कर के बाद कार में आग लगने से एक डॉक्टर की मौत हो गई। फोरेंसिक टीम ने जले हुए अवशेषों को इकट्ठा कर सुरक्षित रख लिया है। साथ ही, पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

यह हादसा हैदराबाद-खम्मम हाईवे पर पिल्लालमरी के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, खम्मम की ओर जा रही एक कार सड़क के डिवाइडर से टकराई, जिसके बाद उसमें आग लग गई। पूरी गाड़ी आग की चपेट में आ गई और उसे चला रहा व्यक्ति अंदर ही फंस गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुंचने से पहले ही पूरी गाड़ी जलकर खाक हो गई।

पुलिस ने बताया कि कार चला रहे व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। गाड़ी के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर मृतक की पहचान न्यूरोसर्जन जगदीश के तौर पर हुई। वे खम्मम के ममता अस्पताल में कार्यरत थे।

घटना की सूचना के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर भी पहुंचे। वहीं, मौके पर फोरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने जले हुए अवशेषों को इकट्ठा किया।

इस घटना पर तेलंगाना के पूर्व मंत्री और खम्मम से विधायक रहे पुव्वाडा अजय कुमार ने भी दुख जताया।

वहीं, हैदराबाद में एक सड़क हादसे में तीन साल के बच्चे को कार ने कुचल दिया। यह हादसा शनिवार रात संतोषनगर के आईएस सदन के पास हुआ। इजहानुद्दीन अपने पिता मोहिउद्दीन के साथ एक होटल गया था। जब मोहिउद्दीन खाने का पार्सल लेने में व्यस्त थे, तो उनका बेटा बाहर निकलकर सड़क पर दौड़ने लगा। एक कार ने बच्चे को टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। उसे पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे को टक्कर मारने के बाद कार चालक फरार हो गया।

पूर्व क्रिकेटर परविंदर अवाना 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में शामिल हुए, कहा- पहल फिटनेस को बढ़ावा दे रही

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज परविंदर अवाना ने रविवार को इंडिया गेट फिट इंडिया अभियान के तहत चलाए जाने वाले 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जनता में फिटनेस के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने सरकार के इस पहल को बेहद खास बताया।

मीडिया से बात करते हुए अवाना ने कहा, 'यह अभियान लंबे समय से चल रहा है। इसके जरिए फिटनेस को बढ़ावा दिया जा रहा है। एक खिलाड़ी होने के नाते मैं कहना चाहता हूं कि हमें फिटनेस ठीक रखने के लिए प्रतिदिन अभ्यास करना चाहिए। 'फिट इंडिया' कैंपेन का मुख्य लक्ष्य युवाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलना के साथ



ही उन्हें नशे की लत से दूर रखना है। हम जितना फिट रहेंगे, मानसिक रूप से उतने ही मजबूत होंगे। इससे हमारी निर्णय लेने की क्षमता भी मजबूत होगी।'

एशियन गेम्स में अब क्रिकेट भी खेला जा रहा है। इस पर अवाना ने कहा, 'क्रिकेट का एशियन गेम्स में शामिल किया जाना अच्छा है। क्रिकेट के माध्यम से हमें पदक मिलेगा। पुरुष और महिला दोनों ही टीमें अच्छा कर रही हैं। क्रिकेट में हमारी कोशिश स्वर्ण पदक जीतने की होगी, इसके साथ ही दूसरे खेल से जुड़े खिलाड़ियों को भी ज्यादा से ज्यादा पदक लाने की कोशिश करनी चाहिए।'

अवाना ने भारतीय क्रिकेट में कोचों की भूमिका पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि कोच खिलाड़ियों के साथ पूरे साल काम करते हैं। एक लक्ष्य को सामने रखकर तैयारी के साथ ही कोच व्यक्तिगत रूप से भी खिलाड़ियों पर ध्यान देते हैं। खिलाड़ियों की युवा पीढ़ी अपने प्लान को असरदार तरीके से लागू करती है।

सारा दिन बैठे-बैठे अकड़ जाती है पीठ? पाद-प्रसार पश्चिमोत्तानासन से मिलेगा आराम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां घंटों बैठकर काम करते हैं, वहां हमारी हैमस्ट्रिंग, पीठ और कंधे सबसे ज्यादा अकड़ जाते हैं। ऐसे में 'पाद-प्रसार पश्चिमोत्तानासन' एक ऐसा अभ्यास है, जो न सिर्फ शरीर के लचीलेपन को बढ़ाता है बल्कि मन को शांत कर तनाव को दूर करने में भी बेहद मददगार है।

'पाद-प्रसार पश्चिमोत्तानासन' आगे की ओर झुकने वाला योगासन है, जो पश्चिमोत्तानासन के लाभों के अलावा पैरों के भीतरी भाग, कंधों के नीचे और बीच की मांसपेशियों को भी व्यापक खिंचाव प्रदान करता है। पाद प्रसार पश्चिमोत्तानासन नाम संस्कृत शब्दों 'पाद' (जिसका अर्थ है 'पैर'), 'प्रसार' (जिसका अर्थ है 'फैलाना'), 'पश्चिम' (जिसका अर्थ है 'पश्चिम' या 'शरीर का पिछला भाग'), 'उत्तान' (जिसका अर्थ है 'ऊपर उठाया हुआ' या 'विस्तारित') और 'आसन' (जिसका अर्थ है 'मुद्रा') से लिया गया है।







मधोता के जंगल में आदमखोर बाघ ने किया मवेशियों पर हमला

ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग की निगरानी पर उठे सवाल

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर वन परिक्षेत्र के मधोता और आसपास के जंगलों में बाघ की गतिविधियों को लेकर ग्रामीणों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। शनिवार को मधोता जंगल में एक गाय पर बाघ द्वारा हमला किए जाने की जानकारी सामने आई है। अंचल में शुरू से ही बाघ की आमद की चर्चाओं की इस ताजा घटना ने पुष्टि कर दी है।

बस्तर जिले के जंगलों में बाघ मौजूद हैं और वे आसान शिकार की तलाश में गांवों तक भी पहुंचने लगे हैं। एक ओर वन मंत्री केदार कश्यप बाघों, तेंदुओं, भालुओं और अन्य वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ काम कर रहे हैं। श्री कश्यप की पहल रंग भी ला रही है। प्रदेश के जंगलों में जैव विविधता में इजाफा हुआ है कई विलुप्तप्राय जंगली जानवर अब फिर से नजर आने लगे हैं। वहीं बस्तर का वन जंगल विभाग इस दिशा में कोई ध्यान नहीं दे रहा है। यहां के वन अधिकारी शायद किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। मानव- वन्य प्राणी संघर्ष शुरू होने से पहले हिंसक जानवरों पर काबू पाकर इंसान की सुरक्षा के



लिए वन विभाग को तुरंत ठोस पहल करने की जरूरत है। मधोता के ग्रामीणों के अनुसार, चरवाहे की सतर्कता और अन्य ग्रामीणों के मौके पर पहुंचकर शोर मचाने के बाद बाघ गाय को छोड़कर घने जंगल की ओर चला गया। हमले में गाय की गर्दन पर गहरे घाव हो गए हैं। जानकारी के अनुसार मधोता माटापारा निवासी हिमांशु अपने मवेशियों को चराने मधोता जंगल ले गया था। इसी दौरान झाड़ियों से हलचल और आवाज सुनाई दी। खतरा भांपकर हिमांशु लाठी लेकर उस ओर पहुंचा और शोर मचाने लगा। आवाज सुनकर आसपास मौजूद अन्य चरवाहे भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों के मुताबिक लोगों की भीड़ और शोर के बाद बाघ घायल गाय को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों का कहना है कि घटना के कई घंटे बाद तक घायल गाय को चिकित्सा सुविधा नहीं मिल सकी। गाय की गर्दन पर पंजों और दांतों के निशान बताए जा रहे हैं। ग्रामीण अपने स्तर पर उसका उपचार कराने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि लगातार मवेशियों पर हमले की घटनाओं के बावजूद वन विभाग की ओर से क्षेत्र में निगरानी और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर ठोस व्यवस्था नजर नहीं आ रही है।

एक महीने में चौथी घटना

ग्रामीणों के अनुसार करीब एक माह पहले मुंडकटिया पारा के ऊपरी जंगल में बाघ के पगमार्क देखे गए थे। इसके बाद मधोता जंगल में एक बैल के शिकार की जानकारी सामने आई। करीब एक सप्ताह पहले इसी जंगल में एक बछड़े को मारे जाने की बात ग्रामीणों ने बताई थी। अब गाय पर हमले की घटना सामने आई है। लगातार हो रही सी घटनाओं से जंगल में मवेशी चराने जाने वाले ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने बस्तर वन परिक्षेत्र के अधिकारियों से मौके पर पहुंचकर घटना की जांच करने, घायल गाय का उपचार कराने तथा बाघ की गतिविधियों की निगरानी बढ़ाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो भविष्य में किसी बड़ी घटना की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

चारामा में मच्छरों का प्रकोप, नगर पंचायत की व्यवस्था पर उठे सवाल

जिम्मेदार अधिकारी एसी कमरों में आराम फरमाने तक सीमित?

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। नगर में इन दिनों मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। शाम होते ही कई वार्डों में मच्छरों की भरमार से नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घरों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर भी मच्छरों का आतंक देखा जा रहा है। इसके बावजूद नगर पंचायत की ओर से मच्छरों की रोकथाम के लिए प्रभावी और नियमित कार्रवाई नजर नहीं आने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

नगरवासियों का कहना है कि शहर में जगह-जगह नालियों में जमा गंदा पानी, कचरे के ढेर और लंबे समय से साफ-सफाई की कमजोर व्यवस्था मच्छरों के पनपने का बड़ा कारण बन रही है। बारिश के बाद कई स्थानों पर पानी जमा होने से स्थिति और गंभीर हो गई है। ऐसे में समय रहते दवा का छिड़काव, फॉगिंग और नालियों की सफाई नहीं की गई तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है।

जमीन पर समस्या, कार्यालयों में आराम?

नगरवासियों में इस बात को



लेकर भी नाराजगी है कि जनता रोजाना मच्छरों और गंदगी से जूझ रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की सक्रियता धरातल पर दिखाई नहीं दे रही। नागरिकों का आरोप है कि नगर की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के बजाय अधिकारी कार्यालयों के एसी कमरों तक सीमित नजर आ रहे हैं। जनता सवाल कर रही है कि जब मच्छरों का प्रकोप वार्डों में साफ दिखाई दे रहा है, तो नियमित फॉगिंग और कीटनाशक दवा के छिड़काव की व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है?

जनता ने मांगी तत्काल कार्रवाई

नगरवासियों ने नगर पंचायत से मांग की है कि सभी वार्डों में तत्काल व्यापक फॉगिंग कराई जाए। नालियों की नियमित सफाई, जमा पानी की निकासी तथा मच्छररोधी दवाओं का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए। साथ ही जिन क्षेत्रों में मच्छरों का प्रकोप अधिक है, वहां विशेष अभियान चलाकर सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाए।

लोगों का कहना है कि नगर पंचायत का मूल दायित्व जनता को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। केवल कागजी कार्रवाई या कार्यालयीन बैठकों से समस्या का समाधान नहीं होगा। अधिकारियों और कर्मचारियों को मैदान में उतरकर वार्डों की वास्तविक स्थिति देखनी होगी और तत्काल कार्रवाई करनी होगी।

अब देखना यह है कि जनता की परेशानी को नगर पंचायत कितनी गंभीरता से लेती है और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप पर कब तक प्रभावी कार्रवाई शुरू होती है।

दुर्गूकोंदल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नेटवर्क समस्या का मुद्दा सांसद के सामने उठा

विश्व केसरी

दुर्गूकोंदल (सीताराम शर्मा)। दुर्गूकोंदल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लंबे समय से बनी नेटवर्क समस्या का मुद्दा भाजपा युवा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी दीपक पुड़ो ने कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग के समक्ष उठाया। उन्होंने सांसद से मुलाकात कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बेहतर नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की तथा नेटवर्क के अभाव में स्वास्थ्य केंद्र के ऑनलाइन कार्यों में आ रही परेशानियों से अवगत कराया।

दीपक पुड़ो ने बताया कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य विभाग की अधिकांश व्यवस्थाएं ऑनलाइन एवं डिजिटल माध्यम से संचालित हो रही हैं। मरीजों से संबंधित जानकारी दर्ज करने, विभिन्न ऑनलाइन पोर्टल पर रिपोर्ट भेजने, डिजिटल रिकॉर्ड अपडेट करने सहित कई आवश्यक कार्यों के लिए इंटरनेट कनेक्टिविटी



जरूरी है। ऐसे में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में नेटवर्क की पर्याप्त सुविधा नहीं होने से स्वास्थ्यकर्मियों को कार्य करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सांसद को बताया कि दुर्गूकोंदल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आसपास के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संस्थान है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण उपचार और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए यहां पहुंचते हैं। अस्पताल में चिकित्सा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ मजबूत संचार और डिजिटल नेटवर्क व्यवस्था भी आवश्यक है।

आंधी ने उजाड़ा गरीब आदिवासी का आशियाना

सूचना के बाद भी नहीं जागी पटवारी की टीम

विश्व केसरी

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। शनिवार शाम 5 बजे आए आंधी-तूफान ने बकावंड ब्लॉक के ग्राम पाइकपाल में एक गरीब आदिवासी परिवार का आशियाना उजाड़ दिया।गांव में इमली और सागौन के विशालकाय पेड़ सीधे लक्ष्मण पिता रनू और मंगल पिता रनू के घर पर आ गिरे। इससे घर के पटिया-छप्पर चकनाचूर हो गए। हादसे के वक्त परिवार घर के अंदर ही था। पेड़ गिरते ही चीख-पुकार मच गई। किस्मत अच्छी थी कि कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन परिवार खुले आसमान के नीचे जरूर आ गया है।

पीड़ित लक्ष्मण ने बताया कि घटना के तुरंत बाद हल्का पटवारी को सूचना दी गई, पंचायत को बताया गया, लेकिन 48 घंटे





बाद भी कोई अधिकारी, पटवारी या राजस्व विभाग की टीम झांकने तक नहीं आई। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल को फोन कर घटना की जानकारी दी गई। श्री बघेल ने तुरंत पटवारी से संपर्क किया, लेकिन पटवारी का कोई जवाब नहीं आया। तब विधायक लखेश्वर बघेल ने एसडीएम को सूचना दी।

युवा जिलाध्यक्ष ने खोला मोर्चा

मामले पर आदिवासी समाज के युवा जिलाध्यक्ष ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि यह बेहद शर्मनाक है। गरीब आदिवासी का घर उजड़ गया, जान पर बन आई, लेकिन राजस्व विभाग कुंभकर्णी नींद में है। अगर इस हादसे में किसी की जान चली जाती तो क्या तब भी विभाग नहीं जागता? पटवारी और प्रशासन की यह लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, इसका जवाब देना होगा। पीड़ित को तत्काल मुआवजा और पीएम आवास दिलाया जाए।

स्वास्तिक बनाकर पीएम मोदी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा 'एक दिया आशीर्वाद' अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ परिसर में विशेष आयोजन किया गया। संध्या कालीन बेला में अस्पताल परिसर में 501 दीप प्रज्ज्वलित कर स्वास्तिक चिन्ह की आकर्षक आकृति बनाई गई। दीपों से सजे स्वास्तिक चिन्ह ने पूरे परिसर को रोशनी से जगमगा दिया।इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। आयोजन के दौरान अस्पताल परिसर में उत्साह एवं सकारात्मक वातावरण देखने को मिला। 'एक दिया आशीर्वाद' के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ के बीएमओ डॉ. भेषज रामटेके सहित स्वास्थ्य केंद्र का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।



दीपों से जगमगाया चारामा का समता रंगमंच, पीएम मोदी के जन्मदिन पर दिखा राष्ट्रसेवा का संकल्प

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर चारामा नगर में भव्य दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समता रंगमंच दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की सेवा के भाव को समर्पित करते हुए उपस्थित लोगों ने दीप जलाकर राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की सफलता में नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारियों



का विशेष योगदान रहा। एसडीएम नरेंद्र बंजारे, तहसीलदार सत्येंद्र शुक्ला, सीएमओ हेमंत नेताम, अभियंता मुकेश कोर्राम, संजय चौहान एवं श्रवण शर्मा सहित नगर पंचायत की टीम ने आयोजन को व्यवस्थित एवं भव्य बनाने में सराहनीय भूमिका निभाई।

भाजपा पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में भाजपा चारामा मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू, भानुप्रतापपुर के पूर्व विधायक ब्रह्मानंद नेताम, नगर पंचायत अध्यक्ष भुनेश्वर नागराज, भाजपा जिला सह-कोषाध्यक्ष नंदू ओझा, कांकेर जिला भाजपा सह-आईटी सेल प्रभारी अंकित जैन सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इसके अलावा तुलसी, धर्मेंद्र कुंजाम, पार्षद संतोष ओझा, पार्षद लोकेश सोनकर, पार्षद रजनी यादव, पार्षद संदीप मेश्राम, पार्षद जगदीश्वर साहू, एल्डरमैन परमेश्वर यादव, एल्डरमैन जागेश्वर सिन्हा एवं एल्डरमैन उमा देवी शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

जीवित पुत्री का पिता ने कर दिया पिंडदान, अंतरजातीय विवाह से थे नाराज

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। धरमपुरा क्रमांक 3 निवासी सुजान दत्ता पिता जितेंद्र दत्ता ने उनकी जीवित पुत्री सिमरन दत्ता का शास्त्रीय विधि विधान से पिंडदान कर दिया । दरअसल वे अपनी पुत्री के विधर्मी युवक से विवाह करने को लेकर नाराज है। उन्होंने जीते जी पुत्री का आजीवन परित्याग कर देने की सार्वजनिक घोषणा पत्र भी जारी की है। निखिल भारत बंगाली समन्वय समिति समाज बस्तर संभाग एवं बंगाली समाज ने उनके इस कदम की सराहना करते हुए कहा है कि इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा और अपनी धर्म और संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता बनी रहेगी।

दरअसल कुछ दिनों पूर्व उनकी पुत्री सिमरन दत्ता ने मुस्लिम युवक के बहकावे में आकर उससे विवाह कर धर्म परिवर्तन कर लिया है । तमाम समझाइश के बावजूद युवति ने अपने परिवार व समाज वालों के उम्मीद पर पानी फेर दिया। यह





भी कहा गया है कि यह मामला लव जिहाद से जुड़ा हुआ है। सिमरन के इस कदम से बुरी तरह आहत परिवार ने 20 सितंबर को धार्मिक व सामाजिक परंपरा के अनुसार उसका पिंडदान कर आजीवन संबंध समाप्त करने की घोषणा कर दी है। अपने निवास में सुजोन दत्ता ने अपना सिर मुंडवा कर पंडितों के मंत्रोच्चार के साथ पिंडदान किया । वहीं पश्चाताप भी किया। उन्होंने इस संबंध में पुत्री से परिवार के आजीवंत संबंध विच्छेद संबंधी घोषणा भी सार्वजनिक की है।

समाज ने की सराहना

पिंडदान के अवसर पर रविवार को निखिल भारत बंगाली समन्वय समिति समाज बस्तर संभाग के अध्यक्ष जीवानंद हालदार समेत अन्य पदाधिकारी परिवार के बीच पहुंचे । उन्हें सांत्वना दी । साथ ही इस कदम के लिए परिवार की सराहना भी की । समाज का कहना है कि मौजूदा समय में चल रहे लव जिहाद जैसे घातक षड्यंत्र से समाज की बहन बेटियों को बचाना आवश्यक है। ऐसे में किसी पिता द्वारा अपने कलेजे में पत्थर रखकर पुत्री का परित्याग कर देना समाज के लिए सकारात्मक संदेश देता है। समाज ने यह भी संदेश दिया है कि अपनी जीवन शैली परंपरा व संस्कृति की जड़ों से जुड़े रहने सभी समाज सदस्यों को अपने बच्चों को संस्कार दिए जाने की आवश्यकता है।

देवीनवागांव का प्राचीन गणेश मंदिर आज भी आस्था का केंद्र, बुजुर्गों के साथ जुड़ी हैं वर्षों पुरानी मान्यताएं

विश्व केसरी

नरहरपुर (सीताराम शर्मा)। नरहरपुर विकासखंड मुख्यालय के ग्राम देवीनवागांव में विराजित भगवान गणेश की प्राचीन स्वयंभू प्रतिमा आज भी लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। गांव के बुजुर्गों के अनुसार इस प्रतिमा को लेकर वर्षों से एक अनोखी मान्यता चली आ रही है। बताया जाता है कि पहले समय के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा के आकार में लगातार वृद्धि देखने को मिलती थी। इसी मान्यता के चलते यह मंदिर आसपास के ग्रामीणों के बीच विशेष श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है।

पीढ़ियों से चली आ रही मान्यता

देवीनवागांव के बुजुर्ग बताते हैं कि इस प्राचीन मंदिर और स्वयंभू गणेश प्रतिमा से जुड़ी बातें उन्होंने अपने बुजुर्गों से सुनी हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही मान्यता के अनुसार प्रतिमा के आकार में पहले धीरे-धीरे वृद्धि होती थी। ग्रामीणों का कहना है कि समय के साथ प्रतिमा में होने वाला यह बदलाव लोगों के लिए कौतूहल और श्रद्धा दोनों का विषय रहा है।

हालांकि वर्तमान समय में प्रतिमा के आकार में किसी तरह की विशेष वृद्धि या परिवर्तन देखने को नहीं मिल रहा है। इसके बावजूद ग्रामीणों की आस्था पहले की तरह ही बनी हुई है। लोगों का कहना है कि प्रतिमा के आकार में बदलाव दिखाई दे या न दिखाई दे,



भगवान गणेश के प्रति उनकी श्रद्धा और विश्वास में कोई कमी नहीं आई है।

आज भी पहुंचते हैं श्रद्धालु

– गांव के इस प्राचीन मंदिर में स्थानीय लोगों के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। विशेष अवसरों और गणेश उत्सव के दौरान मंदिर में धार्मिक वातावरण और भी भक्तिमय हो जाता है। श्रद्धालु भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं।

ग्रामीणों के अनुसार यह मंदिर केवल पूजा का स्थान ही नहीं, बल्कि गांव की पुरानी धार्मिक परंपराओं और आस्था से जुड़ी पहचान भी है। बुजुर्गों के पास मंदिर और प्रतिमा से जुड़ी कई पुरानी बातें और मान्यताएं आज भी मौजूद हैं।

आस्था कायम, कौतूहल बरकरार–स्वयंभू गणेश की प्रतिमा के आकार में पहले लगातार वृद्धि होने की मान्यता ने इस मंदिर को क्षेत्र में अलग पहचान दी है। हालांकि अभी प्रतिमा के आकार में कोई स्पष्ट परिवर्तन देखने को नहीं मिल रहा है, लेकिन वर्षों से चली आ रही इस मान्यता को लेकर लोगों में आज भी उत्सुकता बनी हुई है।

देवीनवागांव के बुजुर्गों का कहना है कि समय बदल गया, पीढ़ियां बदल गईं, लेकिन इस प्राचीन मंदिर के प्रति लोगों की आस्था आज भी कायम है। यही वजह है कि स्वयंभू गणेश मंदिर आज भी देवीनवागांव की धार्मिक पहचान और ग्रामीणों की श्रद्धा का महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है।

ग्रामीणों ने देखा नारियल तोड़ते भालू

विश्व केसरी

नरहरपुर (सीताराम शर्मा)। जंगल और रिहायशी इलाकों के आसपास लगातार नजर आ रहे भालुओं के बीच अब एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। वायरल वीडियो में एक भालू नारियल को तोड़ने की कोशिश करता नजर आ रहा है। भालू बड़े इत्मीनान से नारियल को अपने कब्जे में लेकर उसे तोड़ने में जुटा हुआ दिखाई देता है।

वीडियो में भालू पहले नारियल को सूंघता और इधर-उधर करता नजर आता है, इसके बाद अपने तरीके से नारियल तोड़ने की कोशिश करता है। काफी मशक्कत के बाद नारियल के साथ उसकी जद्दोजहद का यह नजारा कैमरे में कैद हो गया। अब यही वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल



हो रहा है। वीडियो देखने वाले लोग भी तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कोई भालू की 'नारियल तोड़ने की कला' देखकर हैरान है तो कोई इसे भालू की समझदारी बता रहा है। कुछ लोगों ने मजाकिया अंदाज में कहा कि 'भालू को भी पता है नारियल में कुछ स्वादिष्ट जरूर मिलेगा।' गौरतलब है कि नरहरपुर क्षेत्र में इन दिनों भालुओं की गतिविधियां लगातार चर्चा में हैं। कभी भालू रिहायशी इलाकों के आसपास नजर आ रहे हैं तो कभी घरों और सामान को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में नारियल तोड़ते भालू का यह वीडियो लोगों के बीच कौतूहल का विषय बना हुआ है।

स्वात्वाधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251